रांची

हिन्दी दैनिक

वनांचल आई

www.vananchaleye@gmail.com

हर खबर पर पहली नजर

₹5

PRGI. NO,JHAHIN/2023/88773 वर्ष:01 अंक:100 मंगलवार,16 दिसंबर Email:vananchaleye@gmail.com

ब्रीफ न्यूज

राम मंदिर आंदोलन के प्रमुख सूत्रधार डॉ. रामविलास का निधन

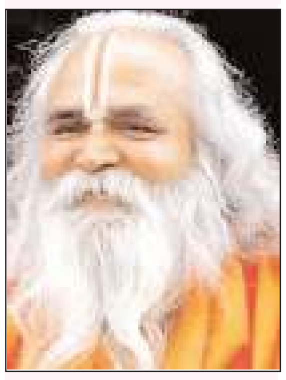

एजंसी

रीवा : राम मंदिर आंदोलन के प्रमुख सूत्रधार और अयोध्या से पूर्व सांसद डॉ. रामविलास दास वेदांती का निधन हो गया है। उन्होंने मध्य प्रदेश के रीवा में इलाज के दौरान अंतिम सांस ली। उनके निधन की खबर मिलते ही अयोध्या सहित पूरे संत समाज और राजनीतिक जगत में शोक की लहर दौड़ गई है। जानकारी के अनुसार डॉ. रामविलास दास वेदांती मध्य प्रदेश के रीवा जनपद में प्रवास पर थे। इसी दौरान बुधवार को अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई, जिसके बाद उन्हें तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया। चिकित्सकों द्वारा लगातार उपचार के प्रयास किए गए, लेकिन इलाज के दौरान उनका निधन हो गया। डॉ. वेदांती राम जन्मभूमि आंदोलन के अग्रणी चेहरों में गिने जाते थे और उन्होंने इस आंदोलन को जनज न तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई थी। अयोध्या से सांसद रहते हुए उन्होंने संसद से लेकर सड़कों तक राम मंदिर निर्माण की आवाज को मजबूती से उठाया। उनके निधन को संत समाज और राम भक्तों के लिए अपूरणीय क्षति माना जा रहा है। सूत्रों के मुताबिक, मध्य प्रदेश से उनका पार्थिव शरीर लेकर उनके उत्तराधिकारी और सहयोगी अयोध्या ले जाया जाएगा। अयोध्या पहुंचने के बाद उनके अंतिम दर्शन और अंतिम संस्कार की प्रक्रिया पूरी कराई जाएगी। उनके निधन पर कई संतों, जनप्रतिनिधियों और सामाजिक संगठनों ने गहरा दुखव्यक्त किया है।

तीन देशों की यात्रा के पहले चरण में जॉर्डन पहुंचे पीएम मोदी

अम्मान : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपनी तीन देशों की यात्रा के पहले चरण में सोमवार को जॉर्डन की राजधानी अम्मान पहुंच गये। मोदी के सम्मान में गार्ड ऑफ ऑनर भी दिया गया। प्रधानमंत्री मोदी तीन देशों जॉर्डन, इथियोपिया और ओमान की चार दिन की यात्रा पर आज सुबह नयी दिल्ली से रवाना हुए थे। उन्होंने रवाना होने से पहले अपने वक्तव्य में कहा कि तीनों देशों के साथ भारत के पुराने सभ्यतागत और व्यापक समकालीन द्विपक्षीय संबंध हैं और उनकी यह ऐतिहासिक यात्रा दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंधों की स्थापना के 75 साल पूरे होने का प्रतीक होगी।

मौजूदा सत्र में चर्चा के लिए विधेयक सूचीबद्ध, विपक्ष का विरोध

मनरेगा का बदलेगा नाम, सांसदों में वितरित की गईं बिल की प्रतियां

एजेंसी

नई दिल्ली:मोदी सरकार महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी कानून (मनरेगा) को बदल कर नया ग्रामीण रोजगार कानून लाने जा रही है। इसे मौजूदा शीतकालीन सत्र में चर्चा के लिए सूचीबद्ध किया गया है। सोमवार को बिल की प्रतियां लोकसभा सांसदों में वितरित की गई हैं। इसका नाम विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण) (विकसित भारत- जी राम जी) विधेयक, 2025 रखा गया है। नए बिल में कहा गया है कि इसका उद्देश्य विकसित भारत 2047 के राष्ट्रीय विजन के अनुरूप ग्रामीण विकास

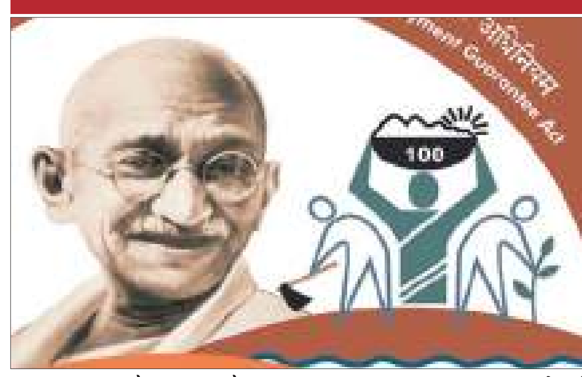

का नया ढांचा तैयार करना है। काम के
दिनों की संख्या 100 से बढ़ाकर 125 दिन कर दी जाएगी। इधर कांग्रेस ने सरकार के फैसले का विरोध किया है। कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी दलों ने नाम बदलने के इस फैसले का विरोध किया है। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने
कहा कि महात्मा गांधी का नाम क्यों हटाया जा रहा। इससे पहले 12 दिसंबर को खबर आई थी कि केंद्रीय कैबिनेट ने मनरेगा का नाम बदलकर पूज्य बापू ग्रामीण रोजगार योजना रखा है। हालांकि, सरकार की ओर से जारी।

नया नाम होगा विकसित भारत- गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण)

सामाजिक-आर्थिक परिवर्तनों को देखते हुए फैसला : विधेयक में लिखे उद्देश्य के अनुसार, पिछले 20 वर्षों में मनरेगा ने ग्रामीण परिवारों को रोजगार दिया, लेकिन गांवों में हुए सामाजिक-आर्थिक बदलावों को देखते हुए इसे और मजबूत करना जरूरी है। नए कानून के तहत हर ग्रामीण परिवार को, जो बिना कौशल वाला काम करने को तैयार हो, हर साल 125 दिन का वेतनयुक्त रोजगार मिलेगा।

पीएम के खिलाफ कांग्रेस के नारे को लेकर संसद के दोनों सदनों में हंगामा

रामलीला मैदान में रविवार को आयोजित कांग्रेस की रैली के दौरान की गई नारेबाजी को लेकर संसद के दोनों सदन में सोमवार को कार्यवाही शुरू होने के बाद जमकर हंगामा हुआ। हंगामे के कारण दोनों सदनों की कार्यवाही स्थगित करनी पड़ी। राज्यसभा में केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अपमान का मुद्दा उठाया। नड्डा ने सोनिया गांधी से माफी मांगने की मांग भी की। सदन के नेता जेपी नड्डा ने कहा कि कांग्रेस की रैली में 'मोदी, तेरी कब्र खुदेगी, आज नहीं तो कल खुदेगी' जैसे नारे लगाए गए। उन्होंने कहा कि इससे कांग्रेस की सोच और मानवता का स्तर गिरता है। प्रधानमंत्री के खिलाफ इस तरह की बातें कहना और उनकी मौत की मांग करना बेहद निंदनीय है। कांग्रेस ने देशमें राजनीति का स्तर बेहद गिरा दिया।

आतंकी हमला : दो हमलावरों ने शुरू कर दी ताबड़तोड़ फायरिंग

हेमंत सरकार ने शुरू किया किसानों से धान खरीदना, पहले दिन खरीदा 18786 क्विंटल

834 में से 82 अधिप्राप्ति केंद्रों पर कृषकों ने बेचा अपना धान

संवाददात

रांची :सोमवार से हेमंत सरकार ने किसानों से धान की खरीदारी का काम शुरू कर दिया। पहले दिन सोमवार को शाम पांच बजे तक 18786.09 क्विंटल धान की खरीदारी हुई। इस साल सरकार ने 2,51,072 किसानों से 2,450 रुपये प्रति क्विंटल की दर से करीब 60 लाख क्विंटल धान खरीदने का लक्ष्य रखा है। राज्य सरकार द्वारा गठित 834 धान अधिप्राप्ति में से पहले दिन 82 स्थानों पर धान खरीद कीशुरूआत हुई।गड़बड़ी रोकने के लिए किया गया उपाय झारखंड सरकार ने धान खरीद में गड़बड़ी रोकने के लिए जहां 2-जी के बजाय 4-जी पॉस मशीन का इस्तेमाल इस साल से शुरू किया है। वहीं प्रतिदिन किसानों को धान खरीद के पैसे के भुगतान से पहले सरकारीकर्मी या जनसेवक को पंचिंग करना अनिवार्य किया है। जिला आपूर्ति पदाधिकारी राम गोपाल पांडे के अनुसार, रांची में कुल 43 धान अधिप्राप्ति केंद्र बनाए गए हैं। जहां आज शुरूआत हो गई है। उन्होंने कहा कि किसानों को भुगतान को लेकर कोईपरेशानी न हो, इसके लिए 2 करोड़ राशि प्राप्त हो चुकी है, जिससे सरकार
द्वारा निर्धारित दो से सात दिन के अंदर डीबीटी के माध्यम से राशि चली जाएगी।राजधानी रांची के नामकुम स्थित लैंपस पर धान खरीद की शुरुआत जिला आपूर्ति पदाधिकारी राम गोपाल पांडे ने की। इस मौके पर किसानों ने बिचौलियों से बचाने के लिए सरकार से धान खरीद का समय नवंबर के दूसरे सप्ताह में रखने का आग्रह किया।

- रांची में बनाए गए हैं 43 धान धिप्राप्ति केंद्रकिसानों ने कहा, समय पर खरीद
- और भुगतान होने पर हावी नहीं होंगे बिचौलिए

गड़बड़ी रोकने के लिए किया गया उपाय

झारखंड सरकार ने धान खरीद में गड़बड़ी रोकने के लिए जहां2-जी के बजाय 4-जी पॉस मशीन का इस्तेमाल इस साल से शुरू किया है। वहीं प्रतिदिन किसानों को धान खरीद के पैसे के भुगतान से पहले

बिचौलियों से बचाने के लिए समय नवंबर के दूसरे सप्ताह में रखने का आग्रह

राजधानी रांची के नामकुम स्थित लैंपस पर धान खरीद की शुरुआत जिला आपूर्ति पदाधिकारी राम गोपाल पांडे ने की। इस मौके पर किसानों ने बिचौलियों से बचाने के लिए सरकार से धान खरीद का समय नवंबर के दूसरे सप्ताह में रखने का आग्रह किया।

पीएम के खिलाफ कांग्रेस के नारे को लेकर संसद में हंगामा

एजेंसी

नई दिल्ली : रामलीला मैदान में आयोजित कांग्रेस की रैली के दौरान की गई नारेबाजी को लेकर संसद के दोनों सदन में सोमवार को कार्यवाही शुरू होने के बाद जमकर हंगामा हुआ। हंगामे के कारण दोनों सदनों की कार्यवाही को 12 बजे तक के लिए स्थगित करनी पड़ी। राज्यसभा में केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के अपमान का मुद्दा उठाया।नड्डा ने सोनिया गांधी से माफी मांगने की मांग भी की। सदन के नेता जे.पी. नड्डा ने कहा कि कल कांग्रेस की रैली में मोदी, तेरी कब्र खुदेगी, आज नहीं तो कल खुदेगीह्व जैसे नारे लगाए गए। उन्होंने कहा कि इससे कांग्रेस की सोच और मानवता का स्तर गिरता है। प्रधानमंत्री के खिलाफ इस तरह की बातें कहनाऔर उनकी मौत की मांग करना बेहद निंदनीय है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और सोनिया गांधी को देश से माफी मांगनी चाहिए। कांग्रेस ने देश में राजनीति का स्तर बेहद गिरा दिया है। विपक्षी सदस्यों ने विरोध जताया। एक सदस्य ने चिल्लाकर कहा कि संसद में कुछ नहीं हुआ। वही, लोकसभा में केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि कल रैली में पूरा पार्टी नेतृत्व कार्यक्रम में मौजूद था। उसी दौरान प्रधानमंत्री मोदी की कब्र खोदे जाने जैसे नारे लगाए गए। इससे अधिक शर्मनाक और दुर्भाग्यपूर्ण घटना।

अमित शाह, जेपी नड्डा और धर्मेंद्र प्रधान सहित अन्य नेताओं की रही मौजूदगी

भाजपा के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में नितिन नबीन ने संभाला कार्यभार

दिल्ली की सीएम सहित अन्य नेताओं ने किया स्वागत

एजेंसी

नई दिल्ली:सोमवार को नितिन नबीन ने भारतीयजनता पार्टी (भाजपा) मुख्यालय में पार्टी के नए राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में अपना कार्यभार संभाल लिया। इस दौरान भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा, गृह मंत्री अमित शाह, शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और पार्टी के कई अन्य वरिष्ठ नेता मौजूद थे। नबीन भाजपा के नए राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष चुने जाने के एक दिन बाद सोमवार दोपहर पटना से इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पहुंचे। हवाई अड्डे पर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और भाजपा के

कई अन्य नेताओं ने उनकी अगवानी की। गौरतलब है कि बिहार में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली राजग सरकार में मंत्री रहे नबीन (45) को रविवार को भाजपा का राष्ट्रीयकार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया गया।भाजपा के नवनियुक्त राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नबीन ने सोमवार को पार्टी मुख्यालय में अपने आधिकारिक दायित्वों का कार्यभार संभाला। इस मौके पर पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह मौजूद रहे। उन्होंने नवनियुक्त कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नबीन का स्वागत कर उन्हें अध्यक्ष की कुर्सी पर बैठाया। इसके बाद भाजपा के नवनियुक्त कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नबीन ने मुख्यालय में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी और पंडित दीन दयाल उपाध्याय को श्रद्धांजलि अर्पित की। नितिन नबीन शाम चार बजे मुख्यालय पहुंचे, जहां उनका स्वागत महासचिव तरुण चुग, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, दिल्ली के कई मंत्रियों,

नितिन नबीन के प्रमोशन के बाद बिहार बीजेपी में भी फेरबदल

संजय सरावगी बने प्रदेश अध्यक्ष

,एजेंसी

पटना : भाजपा ने बिहार में संगठनात्मक स्तर पर बड़ा बदलाव करते हुए दरभंगा शहरी क्षेत्र से छह बार के विधायक एवं पूर्व राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री संजय सरावगी को बिहार प्रदेश का नया अध्यक्ष नियुक्त किया है। वह दरभंगा सदर विधानसभा सीट से वर्तमान विधायक हैं। संजय सरावगी अब निवर्तमान प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल का स्थान लेंगे। उनके प्रदेश अध्यक्ष बनाए जाने की औपचारिक घोषणा भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह के हस्ताक्षर से जारी पत्र के माध्यम से की गई है। पत्र में स्पष्ट किया गया है कि यह नियुक्ति तत्काल प्रभाव से लागू होगी। संजय सरावगी ने वर्ष 2025 के बिहार

विधानसभा चुनाव में विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) के उम्मीदवार उमेश साहनी को 24,593 मतों से पराजित किया था। उनका राजनीतिक सफर फरवरी 2005 में शुरू हुआ, जब उन्होंने दरभंगा सीट से राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के उम्मीदवार मोहम्मद मुमताज को 14,188 मतों से हराकर पहली बार विधानसभा में प्रवेश किया। इसके बाद अक्टूबर 2005 में उन्होंने कांग्रेस के डॉ. मदन मोहन झा को 24,983 मतों से पराजित कर दोबारा जीत दर्ज की। संजय सरावगी ने वर्ष 2010, 2015 और 2020 के विधानसभा चुनावों में भी लगातार जीत हासिल की। वर्ष 2010 में उन्होंने राजद के सुल्तान अहमद को 27,554मतों से हराया, जबकि 2015 और 2020 में क्रमशः राजद उम्मीदवारों ओम प्रकाश खेरिया और अमर नाथ गामी को पराजित किया। वे नीतीश कुमार मंत्रिमंडल में राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री के रूप में भी कार्य कर चुके हैं। अपनी साफसुथ री छवि, प्रशासनिक अनुभव और मजबूत संगठनात्मक क्षमता के कारण पार्टी नेतृत्व ने उन्हें बिहार भाजपा की कमान सौंपी है।

महागठबंधन

केसी वेणुगोपाल के साथ झारखंड कांग्रेस के विधायकों-मंत्रियों की बैठक, कहा

हम महागठबंधन के साथ, कोई मतभेद नहीं

एजेंसी

रांची। दिल्ली में सोमवार को अखिल भारतीय कांग्रेस महासचिव और संगठन प्रभारी केसी वेणुगोपाल और झारखंड कांग्रेस के विधायकों और मंत्रियों के बीच एक अहम बैठक हुई, जिसमें राष्ट्रीय और राज्य स्तर के कई मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक के दौरान प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश के नेतृत्व में सभी नेताओं ने रामलीला मैदान में आयोजित रैली की सफलता के लिए कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी एवं कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी को बधाई दी। बैठक में सभी विधायकों ने एक स्वर में कहा कि कांग्रेस महागठबंधन के साथ पूरी मजबूती से खड़ी है और गठबंधन के भीतर किसी भी प्रकार का मतभेद नहीं है। संगठन महामंत्री केसी

वेणुगोपाल ने मंत्री एवं विधायकों को जनता की समस्याओं को लेकर और अधिक मुखर रहने का निर्देश दिया। इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने राज्य में चल रहे संगठन सृजन अभियान की जानकारी देते हुए बताया कि झारखंड के सभी प्रखंडों में बीएलए (बूथ लेवल एजेंट) बनाने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है तथा कई जिलों में बीएलए की नियुक्ति भी कर दी गई है। साथ ही ग्राम पंचायत समिति एवं वार्ड समिति के गठन की प्रक्रिया भी जारी है। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने रैली में भारी जनउपस्थिति पर प्रदेश अध्यक्ष सहित सभी नेताओं को बधाई देते हुए एकजुट होकर कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि भाजपा द्वारा अफवाहों के माध्यम से सरकार को अस्थिर करने का प्रयास किया जा रहा है, जिसका मुकाबला संगठन की एकजुटता से करना होगा। उन्होंने कहा कि वोट चोरी के खिलाफ संघर्ष के साथ-साथ देश के संविधान और लोकतंत्र की रक्षा की जिम्मेदारी कांग्रेस पर है। यह जिम्मेदारी तभी मजबूती से निभाई जा सकती है, जब कांग्रेस के नेता जनता के बीच जाकर उनकी समस्याओं का समाधान सुनिश्चित करें। बैठक में अखिल भारतीय कांग्रेस के स्थायी आमंत्रित सदस्य एवं झारखंड प्रभारी के. राजू, सह- प्रभारी डॉ. सिरिवेल्ला प्रसाद, विधायक दल के नेता प्रदीप यादव, उपनेता राजेश कच्छप, मंत्री राधा कृष्ण किशोर, इरफान अंसारी, दीपिका पांडेय सिंह, शिल्पी नेहा तिर्की, डॉ. रामेश्वर उरांव, कुमारजयमंगल सिंह सहित अन्य नेता उपस्थित थे।

अस्पतालों में सीएस मशीनों की तत्काल करें खरीदारी : अपर मुख्य सचिव

संवाददाता

रांची : स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह ने सोमवार को नेपाल हाउस स्थित सभागार में सभी जिलों के सिविल सर्जन (सीएस) के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए समीक्षात्मक बैठक की। इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव ने सभी जिलों के अस्पतालों की रंग-रोगन स्थिति की जानकारी लेते आगामी मार्च से पहले सभी जिला और डिविजनल अस्पताल का रंग-रोगन कार्य पूरा कर राज्य सरकार की वेबसाइट पर तस्वीरें अपलोड करने का निर्देश दिया। उन्होंने अस्पतालों में उपलब्ध मशीनों की स्थिति की भी समीक्षा की और जरूरी उपकरणों की तत्काल खरीद सुनिश्चित करने को कहा। साथ ही ब्लॉक और सीएचसी स्तर पर डॉक्टरों के कार्य की समीक्षा कर उन्हें प्रेरित करने के निर्देश दिया। उन्होंने बताया कि बैठक का उद्देश्य राज्य के स्वास्थ्य ढांचे को सुदृढ़ करने और मुख्यमंत्री अस्पताल संचालन और रखरखाव से जुड़े निर्देशों की प्रगति की समीक्षा करना था। बैठक में सदर अस्पतालों में मॉड्यूलर ओटी निर्माण की प्रगति, ट्रॉमा सेंटर और मुख्यमंत्री अस्पताल कायाकल्प योजना की भी समीक्षा की गई। रिम्स के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ पी भट्टाचार्य ने बताया कि राज्य में 49 स्थानों पर ट्रॉमा सेंटर स्थापित किए जाएंगे। इसके अलावा हर जिले में 10 बेड का आईसीयू और एक टेली आईसीयू स्थापित करने का लक्ष्य रखा गया है। बैठक में आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन, पीएम-भीम योजना, चलंत ग्राम क्लीनिक और आउटसोर्सिंग कर्मियों से जुड़े मुद्दों पर भी चर्चा हुई।

पंडरा बाजार समिति की चार दुकानों में चोरी, दीवार काट कर नगदी समेत लाखों का सामान उड़ा ले गए चोर

रांची, संवाददाता ।

रांची। राजधानी रांची में चोरों का मनोबल सातवें आसमान पर है. अब चोर पुलिस की नाक के नीचे चोरी की वारदात को अंजाम दे रहे हैं. ताजा मामला रांची के पंडरा ओपी क्षेत्र का है, यहां चोरों ने बाजार समिति की चार दुकानों में एक साथ चोरी की वारदात को अंजाम दिया है. पंडरा ओपी के ठीक बगल में स्थित बाजार समिति की चार दुकानों में चोरी की वारदात को अंजाम दिया गया है. दुकानों से करीब 6 लाख कैश सहित करीब 15 लाख के सामान की चोरी हुई है. चोरी की वारदात को अंजाम देने के लिए चोरों ने दुकानों के पीछे की दीवार को काट दिया था. चोर दीवार काटकर अंदर घुसे और उन्हें जो कुछ भी मिला उसे उड़ा ले गए. राजेश कुमार नाम के कारोबारी की दुकान से चोरों ने 4.30 लाख रुपये नगद की चोरी की है.

कारोबारियों में आक्रोश

आपको बता दें कि रांची के पंडरा बाजार समिति में थोक विक्रेताओं की तीन दर्जन से ज्यादा दुकानें हैं. अक्सर यहां चोरी की वारदात सामने आती रहती है. कारोबारी सुभाष पटवारी ने बताया कि पुलिस की लापरवाही की वजह से चोरी की वारदातें बढ़ रही हैं. पंडरा बाजार समिति से थाना महज कुछ कदमों की दूरी पर है, इसके बावजूद चोर दुकानों की दीवार काटकर चोरी की घटना को अंजाम देते हैं और फरार भी हो जाते हैं. मामले को लेकर दुकानदारों का कहना है कि लगातार चोरी की वारदात हो रही है, लेकिन एक चोर को भी पुलिस नहीं पकड़ पाती है. दुकानदारों में पुलिस प्रशासन के खिलाफ बेहद आक्रोश है.

जांच में जुटी पुलिस

जिन दुकानों में चोरी की वारदात को अंजाम दिया गया है उन सभी दुकानों में सीसीटीवी कैमरे लगे हुए हैं. सीसीटीवी फुटेज में सभी चोरों की तस्वीर कैद हुई है. पुलिस अब सीसीटीवी फुटेज के आधार पर चोरों को गिरफ्तार करने का प्रयास कर रही है. हालांकि आपको बता दें कि इससे पहले भी कई चोर सीसीटीवी कैमरे में कैद हुए हैं, लेकिन पुलिस उन्हें अब तक गिरफ्तार नहीं कर पाई है.

रिम्स परिसर में अतिक्रमण की गई जमीन पर चला बुलडोजर, खुले आकाश के नीचे रहने को मजबूर लोग

रांची, संवाददाता ।

झारखंड के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल रिम्स की आवासीय कॉलोनियों में सालों से झोपड़ियों और मड़ई में अपने परिवारों के साथ रह रहे लोगों के घरों पर आज सरकारी बुलडोजर चला. बड़ी संख्या में पुलिस बल, नगर निगम की बुलडोजर टीम और रिम्स प्रबंधन के साथ-साथ जिला प्रशासन की ओर से नियुक्त कार्यपालक मजिस्ट्रेट ने बरियातू थाना के पीछे स्थित डॉक्टरों के क्वार्टर में अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया. इस दौरान, स्थानीय लोगों ने इस अभियान का विरोध किया, जबकि बेघर हुए लोगों ने प्रशासन पर अतिक्रमण हटाने की प्रक्रिया में भेदभाव का आरोप लगाया. अतिक्रमण हटाने के दौरान कई ऐसे दृश्य देखने को मिले जो मानवीय संवेदनाओं को झकझोर

देने वाले थे. एक सास-बहू तीन नवजात बच्चों के साथ खुले आसमान के नीचे बैठी प्रशासन को कोसती नजर आईं. पुलिस उपाधीक्षक मनोज कुमार ने बताया कि हाई कोर्ट के आदेश के आलोक में अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया जा रहा है. उन्होंने कहा कि आज अतिक्रमणकारियों को हटाया गया है और यह अभियान कल भी जारी रहेगा. उन्होंने आगे कहा कि मानवीय संवेदना एक बात है, लेकिन कानून का पालन कराना उससे ज्यादा जरूरी है. जिन लोगों के आशियाने आज गिराए गए, उनमें से कई लोग रिम्स में आउटसोर्स पर सेवाएं दे रहे हैं. अविनाश कुमार ने सवाल किया कि उनका घर क्यों तोड़ दिया गया, जबकि होमगार्ड के जवान इसी परिसर में रहते हैं?

हाई कोर्ट के आदेश पर हटाया गया अतिक्रमण

झारखंड हाई कोर्ट में दायर केस नंबर W.P. 4736/2018 (ज्योति शर्मा बनाम राज्य सरकार और अन्य) में, 3 दिसंबर, 2025 को दिए गए फैसले में राज्य सरकार और रिम्स प्रबंधन को 72 घंटे के भीतर सभी अतिक्रमण हटाने का आदेश दिया गया था. झारखंड हाई कोर्ट, रांची के आदेश का अनुपालन करते हुए, सभी अतिक्रमणकारियों को नोटिस जारी कर अतिक्रमण हटाने का निर्देश दिया गया था. 72 घंटे की अवधि समाप्त होने के बाद, रांची जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन और रिम्स प्रबंधन ने संयुक्त रूप से आज अतिक्रमण हटाओ अभियान शुरू किया. अतिक्रमण हटाओ अभियान के लिए नियुक्त कार्यपालक मजिस्ट्रेट साइनी तिग्गा ने कहा कि आज तीन टीमों ने रिम्स परिसर के अलग-अलग स्थानों पर अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया और यह अभियान जारी रहेगा. उन्होंने आगे कहा कि जो लोग अभी भी रिम्स की जमीन पर अतिक्रमण कर रहे हैं, उन्हें जल्द से जल्द और स्वेच्छा से अपने अवैध अतिक्रमण, जिसमें भूमि, भवन और आवास शामिल हैं, खाली कर दें. उन्होंने आगे कहा कि अगर लोग अभी भी अतिक्रमण नहीं हटाते हैं, तो झारखंड हाई कोर्ट में दायर केस नंबर W.P. 4736/2018 (ज्योति शर्मा बनाम राज्य सरकार और अन्य) में 3 दिसंबर 2025 को दिए गए कोर्ट के आदेश के अनुसार, और झारखंड पब्लिक लैंड एनक्रोचमेंट एक्ट, 1958 (या संबंधित राज्य एक्ट) के तहत, अतिक्रमण बलपूर्वक हटा दिए जाएंगे. अतिक्रमण हटाने में होने वाला सारा खर्च संबंधित अतिक्रमणकारियों से भू-राजस्व के बकाया के रूप पर वसूल किया जाएगा. इसके अलावा, संबंधित कानूनी प्रावधानों के तहत उनके खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई भी की जाएगी.

भारतीय इंडिगो फ्लाइट ने उड़ान को रोका यात्रियों में अफरा तफरी : जेपी पांडेय

रांची, संवाददाता ।

भाजपा किसान मोर्चा झारखंड प्रदेश के नेता जय प्रकाश पांडेय ने पूरे भारत के हवाई अड्डों से इंडिगो फ्लाइट को रद्द किया जाना और हजारों यात्रियों को हो रही परेशानियों पर प्रकाश डालते हुए भारत के नागरिक उड्डयन मंत्री श्री किंजारापु राममोहन नायडू को पत्र लिख कर इंडिगो फ्लाइट व्यवस्था अविलंब दुरुस्त करने की मांग करते हुए कहा कि लगता है कि पूरा नागरिक उड्डयन मंत्रालय की इंडिगो फ्लाइट ने हाईजैक कर लिया है, जिसके कारण भारत के यशस्वी पीएम नरेंद्र मोदी के प्रतिष्ठा पर भी आंच लगती दिखाई देने लगी है,पूरे राष्ट्र के सभी हवाई अड्डों से इंडिगो फ्लाइट का रद होना बेहद ही शर्मनाक घटना है,नागरिक उड्डयन मंत्रालय की व्यवस्था लचर दिखलाई देने लगी है, उड्डयन मंत्रालय को दूसरे कई इंडिगो कंपनियों के साथ साठ गांठ रखना चाहिए ताकि भारत के आम नागरिकों को हवाई उड़ान यात्रा में कोई दिक्कत नहीं हो,देखा जा रहा है कि दिल्ली से पटना, रांची, कोलकाता, पटना, मुंबई, बैंगलोर, जम्मू कश्मीर जाने के लिए हवाई यात्रियों को लाख लाख रु भाड़ा का भुगतान करना पड़ रहा है,जो बेहद ही दुखद घटना है आम लोगों का सरकार के प्रति आक्रोश बढ़ता दिख रहा है और उसका दोषी नागरिक उड्डयन मंत्रालय को बनाया जा रहा है। इस तरह से नागरिक उड्डयन मंत्रालय को हाईजैक कर इंडिगो फ्लाइट ने बेहद हानि पहुंचाया है,अब फ्लाइट से यात्रा करने वाले नागरिकों के असुविधा को ध्यान में रखते हुए दूसरे फ्लाइट कंपनियों के साथ मिलकर वैकल्पिक व्यवस्था करने की जरूरत है और उनके हवाई यात्रा पर भाड़े में नियंत्रण करने की जरूरत है,क्यों कि जिस तरह से हवाई यात्रा पर अनैतिक भाड़े का लोड हवाई यात्रियों पर थोप कर लुट मचाई जा रही है।

सेट, सेल ने ऑपरेशनल एक्सीलेंस के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग का इस्तेमाल पर वर्कशॉप किया

रांची, संवाददाता ।

स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड के इनहाउस कंसल्टेंट, सेंटर फॉर इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी ने रांची के सेल सैटेलाइट टाउनशिप के इस्पात एग्जीक्यूटिव हॉस्टल में ऑपरेशनल एक्सीलेंस के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग का इस्तेमाल पर एक दिन की टेक्निकल वर्कशॉप ऑर्गनाइज की। वर्कशॉप का मकसद यह पता लगाना था कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग, सेल के ऑपरेशन्स में प्रोडक्टिविटी, सेफ्टी और डिसीजन-मेकिंग को कैसे बेहतर बना सकता है। प्रोग्राम का उद्घाटन डायरेक्टर (टेक्निकल, प्रोजेक्ट्स और रॉ मटेरियल्स) श्री मनीष राज गुप्ता ने किया। अपने भाषण में, उन्होंने सेल में ग्राहक संतुष्टि,, ईज ऑफ डूइंग बिजनेस और डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने इस

बात पर विशेष बल दिया कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस अपनाने से सुरक्षा, कर्मचारियों का समेकित कल्याण और लागत में कमी सुनिश्चित होनी चाहिए, साथ ही आये प्रतिनिधियों को व्यवहारिक, वैल्यू-एडेड एप्लीकेशन्स पर फोकस करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने हाल ही में भुवनेश्वर में हुए चिंतन शिविर से मिली विचारधारा का भी ज़िक्र किया। श्री संजय कुमार, सी.जी.एम.- सेट ने प्रतिनिधियों का स्वागत किया और अपने स्वागत भाषण में सेट के लिए इस वर्कशॉप की इंपॉर्टेंस पर जोर दिया, और तकनिकी में तरक्की को आगे बढ़ाने और फ्यूचर-रेडी कैपेबिलिटीज को मजबूत करने में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की भूमिका पर जोर दिया। ई.डी, सेट श्री एस.के. वर्मा ने लागत मूल्यांकन,, प्रोजेक्ट प्लानिंग, ड्राइंग-कंटेंट एक्सट्रैक्शन और टाइम पर डिलीवरी में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की बढ़ती पैठ पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि हालांकि वैश्विक सक्सेस रेट अभी भी कम है, लेकिन इसे जल्दी और असरदार तरीके से अपनाने से सेल को काफी फायदा हो सकता है। इस इवेंट में श्री दीपक जैन, ई.डी. एस.डी.टी.डी.), मुख्य महाप्रबंधक श्री सुनील गुप्ता, श्री अनिल कुमार मिस्त्री, श्री नीलेश सिन्हा, श्री जितेंद्र सलूजा, श्री एसके दास, श्री तपस मोहंती, श्री सलिल भट्टाचार्जी और श्री एस.पी. दास समेत सीनियर एग्जीक्यूटिव्स मौजूद थे। वर्कशॉप में अलग-अलग डिपार्टमेंट्स, सेल संयंत्र, मेकॉन और दूसरे टेक्नोलॉजी पार्टनर्स ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। सीमेंस, माइक्रोसॉफ्ट, श्नाइडर इलेक्ट्रिक, इंटरसेक्टआईक्यू, रिपिक.एआई, इनफिसविफ्ट टेक्नोलॉजीज, रिंच सॉल्यूशंस, मोश टेक्नोलॉजी, रॉकवेल ऑटोमेशन, फीनिक्स कॉन्टैक्ट और प्रमा हिकविजन जैसे टेक्नोलॉजी पार्टनर्स ने प्रेडिक्टिव मेंटेनेंस, डिजिटल ट्विन्स, प्रोडक्शन ऑप्टिमाइजेशन, इंजीनियरिंग ऑटोमेशन, सिक्योरिटी सिस्टम और इंडस्ट्री सॉल्यूशंस में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस -ड्रिवन एडवांसमेंट दिखाए।

मंत्री इरफान अंसारी ने बकाए को लेकर केंद्र सरकार पर साधा निशाना, दे दी ये बड़ी चेतावनी

रांची, संवाददाता ।

झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने एक बार फिर केंद्र सरकार पर निशाना साधा है और चेतावनी दी है. मंत्री इरफान ने कहा कि अगर केंद्र सरकार राज्य को बकाया पैसा नहीं देती है तो झारखंड से खनिज-संपदा जाने से रोक देंगे. साथ ही मंत्री ने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को अपमानित करने का भी आरोप लगाया है. झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने कहा कि यदि हमें केंद्र सरकार से पैसा नहीं मिलेगा तो हम भी झारखंड से खनिज-संपदा जाने से रोक देंगे. उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार राज्य का बकाया पैसा देना नहीं चाहती है. मंत्री ने कहा कि झारखंड बीजेपी शासित राज्य नहीं है, इसलिए केंद्र सरकार ध्यान नहीं देती है. इरफान अंसारी ने भाजपा पर झारखंड में विकास का काम नहीं होने देने का आरोप लगाते हुए विकास में सबसे बड़ा बाधक बताया

भाजपा को आदिवासी और अल्पसंख्यक विरोधी बताया

स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने कहा कि झारखंड में हेमंत सरकार विकास का काम कर रही है. अपने स्त्रोतों के पैसा से विकास कर रही है, लेकिन भाजपा को यह भा नहीं रहा है. उन्होंने भाजपा को आदिवासी और अल्पसंख्यक विरोधी भी बताया है. स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने झारखंड के देवघर दौरे पर आए भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को अपमानित करने का आरोप लगाया है. उन्होंने कहा कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने झारखंड में आकर उनके मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को अपमानित करने का काम किया है. इरफान अंसारी ने हेमंत सोरेन को आदिवासी का विश्व का सबसे बड़ा चेहरा बताया है.

श्री श्याम मित्र मंडल ने हरमू रोड के श्री श्याम मंदिर में 180वां श्री श्याम भंडारा का किया भव्य आयोजन

रांची, संवाददाता ।

श्री श्याम मित्र मंडल के अध्यक्ष गोपाल मुरारका उपाध्यक्ष अशोक लड़ियां निवर्तमान अध्यक्ष सुरेश सरावगी निर्वतमान महामंत्री विश्वनाथ नारसरिया नवीन मोदी नितेश सुनैना अक्षित इशिता मोदी ने संयुक्त रूप से श्री श्याम भोग का भजन गायन किया । उपस्थित सैकड़ो भक्तों ने आओ आओ भोग लगाओ बाबा श्याम जी रुच रुच भोग लगाओ बाबा श्याम जी के स्वर में स्वर मिलाकर भक्ति भावना से ओत प्रोत होकर ठाकुर जी से भोग स्वीकार करने का अनुरोध किया। खाटूनरेश बजरंगबली शिव परिवार लड्डू गोपाल जी शालिग्राम जी गरुड़ जी गुरुजनों का भोग लगाकर महाप्रसाद को विशाल भंडारे में मिश्रित किया गया। नवीन नितेश सुनैना मोदी ने सर्वप्रथम मंदिर के आचार्यों को भोग प्रसाद खिलाकर आशीर्वाद प्राप्त किया। भंडारे का समय होते-होते श्री श्याम मंदिर परिसर भक्तों से भर गया एवं

हरमू रोड में भक्तजनों की लंबी-लंबी कतारें लग गई। खाटूनरेश की जय जयकारों से पूरा हरमू रोड गूंज रहा था। प्रथम देव श्री गणेश जी महाराज की जय जयकारों के बीच श्री श्याम भंडारे का प्रसाद वितरण प्रारंभ किया गया। श्री श्याम मंदिर में निर्मित प्रसाद में आज के भंडारे में इडली चटनी उपमा केसरिया जलेबी का प्रसाद वितरण किया गया। खीर चूरमा का भोग हर भंडारे में महाप्रसाद के रूप में श्याम मंदिर में निर्मित किया जाता है एवं सर्वप्रथम भोग लगाया जाता है। भोग लगने के बाद हर भंडारे में मंडल के वरिष्ठ सदस्य रतन शर्मा एवं मंदिर के सहयोगी रांची गौशाला में जाकर गौमाता को भोजन कराते हैं। लगभग 2500 से ज्यादा भक्तजनों ने प्रसाद प्राप्त किया। श्री श्याम भंडारे का प्रसाद मंदिर परिसर में निर्वतमान अध्यक्ष सुरेश सरावगी की देख रेख में शुद्धता के साथ निर्मित किया गया था। श्री श्याम भंडारे में मंडल के अध्यक्ष गोपाल मुरारका उपाध्यक्ष श्रवण ढानढनिया अशोक लड़ियां राज्यसभा के पूर्व सांसद एवं मंडल के वरिष्ठ सदस्य अजय मारू अनुज मोदी कमलेश सावा वेद भूषण जैन राहुल मारू राजीव केडिया अंकित कुमार कृष्णा कुमार संकेत चौधरी मनोज खेतावत सहित 50 से ज्यादा कार्यकताओं ने सहयोग दिया। उपरोक्त सभी जानकारी मंडल के महामंत्री गौरव अग्रवाल ने दी।

रांची में शुरू हुई नेशनल टेबल टेनिस चैंपियनशिप

रांची, संवाददाता ।

रांची के खेलगांव वाले हरिवंश टाना भगत इंडोर स्टेडियम में शनिवार को पांचवीं नेशनल टेबल टेनिस चैंपियनशिप धूमधाम से शुरू हो गई. ये प्रतियोगिता झारखंड स्टेट टेबल टेनिस एसोसिएशन ने भारतीय टेबल टेनिस एसोसिएशन के निर्देश पर आयोजित की है. उद्घाटन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि झारखंड के खेल निदेशक शेखर जमुआर थे और खास मेहमान जेएससीए के अध्यक्ष अजय नाथ शाहदेव थे. इनके साथ कई खेल अधिकारी और एसोसिएशन के मेंबर भी मौजूद थे. इस बार देशभर से 1500 से ज्यादा खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं. प्रतियोगिता 13 दिसंबर तक चलेगी. इसमें अंडर-11 से लेकर सीनियर पुरुष और महिला कुल 12 कैटेगरी के मुकाबले होंगे. पहले दिन अंडर-11 और अंडर-13 के क्वालिफिकेशन मैच हुए, जिनमें बच्चों ने जबरदस्त खेल दिखाया.

कार्यक्रम में बोलते हुए अजय

नाथ शाहदेव ने कहा कि झारखंड में खेलों का अच्छा माहौल है और सरकार भी खिलाड़ियों को पूरा सपोर्ट कर रही है. ऐसी नेशनल प्रतियोगिताओं से खिलाड़ियों का कॉन्फिडेंस बढ़ता है. मुख्य अतिथि शेखर जमुआर ने कहा कि रांची में नेशनल लेवल की टेबल टेनिस चैंपियनशिप होना अपने-आप में गर्व की बात है. इससे यहां के खिलाड़ियों को बड़ी प्रतियोगिताओं का अनुभव मिलता है. कार्यक्रम की शुरूआत में स्वागत भाषण झारखंड टेबल टेनिस एसोसिएशन के अध्यक्ष समरजीत सिंह ने दिया. उन्होंने कहा कि राज्य में खेलों के विकास के लिए ऐसे बड़े आयोजन बहुत जरूरी हैं और एसोसिएशन हमेशा बेहतर आयोजन के लिए तैयार है.

रवि आत्महत्या केस की जांच शुरू, मोबाइल से मिली थी हथियार और ड्रग्स की तस्वीरें

रांची, संवाददाता ।

लालपुर इलाके में रहने वाले रवि सिंह सुसाइड मामले की जांच शुरू कर दी गई है. रवि के मोबाइल से हथियार और ड्रग्स तस्करों से जुड़ी कुछ तस्वीरें और अन्य इनपुट मिले थे. जिसके बाद पुलिस ने रवि से पूछताछ की थी, इसी दौरान 5 नवंबर को रवि ने अपने ही घर में आत्महत्या कर ली थी.

दबाव में आत्महत्या की बात, परिजनों ने मांगा न्याय

रांची के लालपुर थाना क्षेत्र के लोअर वर्धमान कंपाउंड के रहने वाले रवि सिंह के मोबाइल से कई हथियारों की तस्वीरें मिली थीं. इसके बाद पुलिस के द्वारा रवि से पूछताछ की गई थी. रवि से 22 नवंबर को ही पूछताछ की गई थी. जिसमें कई अहम जानकारियां पुलिस को मिली. पुलिस को रवि के मोबाइल से आर्म्स सप्लायरों के नंबर और चैटिंग भी मिली थी.

आत्महत्या के लिए जिम्मेदार सप्लायर या अपराधिक प्रवृति के लोग हो सकते हैं: परिजन

रवि से लालपुर पुलिस के द्वारा इसी आधार पर लगातार पूछताछ की जा रही थी. लेकिन इसी बीच पांच

नवम्बर को रवि ने अपने ही घर में सुसाइड कर लिया. मृतक रवि के परिजनों का कहना है कि पुलिस के द्वारा रवि से पूछताछ की गई थी और उसके मोबाइल से भी कुछ जानकारी पुलिस को मिली थी. वहीं उन्होंने आशंका जाहिर करते हुए कहा कि आत्महत्या के लिए जिम्मेदार वो सप्लायर या अपराधिक प्रवृति के लोग हो सकते हैं जो रवि को गलत धंधे में ले जाना चाहते थे. ऐसे में परिजन ने मामले की निष्पक्ष और उच्च स्तरीय जांच की मांग की है.

पुलिस की जांच जारी

वहीं इस पूरे मामले को लेकर रांची पुलिस का कहना है कि रवि सिंह से बीते दिनों पूछताछ की गई थी, उसके मोबाइल से भी अहम जानकारियां मिली थीं जिसे लेकर पुलिस अनुसंधान कर रही थी. हालांकि इसी दौरान रवि की आत्महत्या की बात सामने आई जिसे लेकर पुलिस गंभीर है और हर बिंदु पर जांच कर रही है. रवि के मोबाइल में दिवेश नाम के शख्स का नंबर भी मिला है. जो जानकारी है उसके अनुसार वह यूपी का रहने वाला है और उसके द्वारा ही कई हथियारों के फोटो भी रवि के मोबाइल नंबर पर भेजे गए. ऐसे में पुलिस उस नंबर को भी जांच के दायरे में रख अनुसंधान कर रही है, देखना होगा कि आने वाले दिनों में इस आत्महत्या के पीछे क्या कुछ वजह सामने आती है.

रांची में चौकीदार-दफादारों ने अपनी 10 मांगों को लेकर किया प्रदर्शन

रांची, संवाददाता ।

संविधान निमार्ता डॉ भीमराव अंबेडकर के परिनिर्वाण दिवस पर रांची में लोक भवन (पूर्व में राजभवन) के समक्ष झारखंड राज्य दफादार चौकीदार पंचायत के बैनर तले चौकीदारों-दफादारों ने प्रदर्शन किया. झारखंड राज्य दफादार चौकीदार पंचायत के प्रदेश अध्यक्ष कृष्ण दयाल सिंह के नेतृत्व में हुए धरना प्रदर्शन में राज्य के अलग अलग जिलों से आये चौकीदार और दफादार शामिल हुए. चौकीदार-दफादारों के प्रदर्शन के बाद कार्यक्रम धरने में तब्दील हो गया.

डॉ. भीमराव अंबेडकर को दी गई श्रद्धांजलि

भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीम राव आंबेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस पर उनके तैल चित्र पर पुष्पांजलि

अर्पित करने के बाद चौकीदार दफादार पंचायत की ओर से बाबा साहेब को श्रद्धांजलि दी गयी और उनके कृतित्व एवं व्यक्तित्व पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए वक्ताओं ने कहा कि राज्य के चौकीदार- दफादार अपनी जायज मांगों को लेकर लगातार प्रदर्शन कर रहे हैं लेकिन सरकार कान में तेल डाल कर सोई हुई है.

चौकीदारी व्यवस्था को बचाना है: झारखंड प्रदेश चौकीदार-दफादार पंचायत के अध्यक्ष

झारखंड प्रदेश चौकीदार-दफादार पंचायत के अध्यक्ष कृष्ण दयाल सिंह ने कहा कि जिन मांगों को लेकर प्रदर्शन किया गया है, उनमें झारखंड उच्च न्यायालय रांची द्वारा, झारखंड चौकीदार संवर्ग नियमावली- 2015 में उल्लेखित प्रावधानों और चौकीदारों की नियुक्ति के संबंध में पारित आदेश के कारण झारखंड में चौकीदारी व्यवस्था समाप्त होने से जनहित और राज्य हित में बचाना है. झारखंड चौकीदार संवर्ग नियमावली 2015 में संशोधन करके सेवा विमुक्त चौकीदारों को पुनः सेवा में योगदान करने और 01 जनवरी 1990 के पूर्व और बाद में सेवा निवृत चौकीदार और दफादारों के आश्रितों की नियुक्ति पूर्व नियुक्ति प्रक्रिया के अनुसार करने का प्रावधान निर्धारित करना, सेवा विमुक्त और चौकीदारों को न्याय दिलाने के लिए तत्काल अध्यादेश जारी करना या झारखंड ग्राम चौकीदार (संशोधन) विधेयक-2025 पारित कराना, हर माह के प्रथम सप्ताह में वेतन करने की व्यवस्था करना, सभी बकाया जोड़कर वर्दी भत्ता का भुगतान करना, योग्यता के आधार पर पदोन्नति करना, पुलिस की तरह ही चौकीदार दफादारों को भी 13 माह का वेतन देना, यात्रा और ठहराव भत्ता भुगतान करने और प्रोत्साहन राशि पुरस्कार देने हेतु आवंटन करना प्रमुख है. रैली की अध्यक्षता करते हुए, राज्य अध्यक्ष कृष्ण दयाल सिंह ने कहा, ₹हम झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मांग करते हैं कि जनता के हित और राज्य के हित में, भारत के सबसे पुराने प्रशासनिक सिस्टम, ₹चौकीदार₹ सिस्टम को बनाए रखने के लिए, वह झारखंड में चौकीदारों की नियुक्ति प्रक्रिया और ट्रांसफर के संबंध में झारखंड हाई कोर्ट, रांची द्वारा पारित आदेश में ढील देते हुए तुरंत एक अध्यादेश जारी करें. अपनी बीट के बाहर के उम्मीदवारों को चौकीदार के पद पर नियुक्त करना और उन्हें अपनी बीट के बाहर ट्रांसफर करना न केवल चौकीदारी मैनुअल और झारखंड चौकीदार कैडर रूल्स-2015 में बताए गए प्रावधानों के खिलाफ है, बल्कि यह जनता के हित और राज्य के हित के भी खिलाफ है.

विभाग को चूना लगा रहे वाहन मालिक और संचालक

प्राइवेट रजिस्ट्रेशन वाली गाड़ियों का हो रहा कॉमर्शियल इस्तेमाल

संवाददाता । रांची

राजधानी में प्राइवेट गाड़ियों का धड़ल्ले से कॉमर्शियल इस्तेमाल किया जा रहा है। वह भी तब जब डीटीओ शहर में लगातार अभियान चला रहे है। इस दौरान लोगों के वाहनों की जांच तो की जाती है। लेकिन प्राइवेट नंबर वाले कॉमर्शियल वाहनों पर कार्रवाई नहीं होती। चूंकि इन वाहनों में या तो मरीज ढोए जा रहे है या फिर अधिकारियों की नेम प्लेट देखकर इन गाड़ियों को रोका ही नहीं जाता। इस वजह से पूरे शहर में प्राइवेट रजिस्ट्रेशन वाली कॉमर्शियल गाड़ियां धड़ल्ले से चल रही है। रांची में बिना कॉमर्शियल रजिस्ट्रेशन कराए किराए पर वाहन चलाया जा रहा है। एजेंसियां बड़ी संख्या में सरकारी हॉस्पिटल से लेकर विभागों में गाड़ियां टेंडर के माध्यम से उपलब्ध करा रही हैं। लेकिन, वाहनों का कॉमर्शियल रजिस्ट्रेशन ही नहीं कराया है। इसकी वजह यह है कि डीटीओ केवल बड़े वाहनों पर ही कार्रवाई कर रहे है। इस तरफ विभाग के अधिकारियों का ध्यान ही नहीं है। इससे भले ही गाड़ियां आसानी से उपलब्ध हो जा रही है। लेकिन कहीं न कहीं इससे परिवहन विभाग को राजस्व का बड़ा नुकसान हो रहा है। ज्यादातर प्राइवेट वाहनों के मालिक ट्रेवल एजेंसियों के साथ जुड़कर अपनी गाड़ियां उन्हें दे देते है। उनकी गाड़ियां एजेंसियों के जरिए किराये पर चल रही हैं। इसके लिए वह प्राइवेट एजेंसियों को कमीशन भी दे रहे हैं। एक-एक गाड़ियों से हर महीने 2-3 हजार रुपए लिए जाते है। वहीं वाहन मालिक को भी एक चीज से राहत है कि उन्हें गाड़ी चलाने के लिए बुकिंग ढूंढने की जरूरत नहीं होती। चूंकि खुद से गाड़ी किराए पर चलाने में हर दिन बुकिंग नहीं मिलती। ऐसे में वे भी एजेंसियों को गाड़ी देकर निश्चिंत हो जाते है। एजेंसी के जरिए गाड़ियां किराये पर लगाने में लोगों को खुद मेहनत भी नहीं करनी पड़ती। किसी सरकारी विभाग या निजी संस्थान को ट्रेवल एजेंसियां ही बड़ी संख्या में किराये पर गाड़ियां उपलब्ध कराती हैं।नियम के अनुसार, प्राइवेट और कॉमर्शियल वाहनों के रजिस्ट्रेशन अलग-अलग कैटेगरी में होते है। कॉमर्शियल गाड़ियों को लेकर काफी सख्त नियम हैं। इसके लिए परिवहन विभाग जिले में परमिट जारी करता है। इसके बाद परमिट का रीन्युअल भी कराना होता है। वहीं इसका टैक्स भी ज्यादा होता है। इन सबसे बचने के लिए वाहन मालिक प्राइवेट रजिस्ट्रेशन कराता है जो 15 सालों के लिए वैलिड होता है। यहीं वजह है कि गाड़ियां देने वाली एजेंसियां प्राइवेट रजिस्ट्रेशन वाली गाड़ियां अधिकारियों को उपलब्ध करा देती है। इसके बाद बार-बार टैक्स और परमिट की झंझट से

नीट 2025 में रहमानी-30 का नया कीर्तिमान

23 प्रतिशत छात्रों की सरकारी एमएमबीएस सीटों पर सफलता

संवाददाता । रांची

रहमानी-30 ने नीट 2025 में अब तक की अपना सबसे बड़ा प्रदर्शन किया है ! कुल 329 छात्रों में से 321 छात्रों ने सफलता हासिल की है ! इनमें से 74 छात्रों को सरकारी एमबीबीएस सीटें मिली हैं जो सफलता की 23 प्रतिशत दर है ! इसके अलावा बीडीएस और चिकित्सा पाठ्यक्रमों में 22 छात्रों ने सफलता हासिल की ! मालूम हो की इस वर्ष का परिणाम रहमानी-30 की अब तक की सभी उपलब्धियों से अधिक बेहतर रहा है ! रहमानी-30 की विशेष पहचान यह है की यहां अधिकतर छात्र उच्च स्तर का प्रदर्शन करते रहे हैं जो संस्थान की सुदृढ़, सुव्यवस्थित एवं प्रभावी शैक्षणिक व्यवस्था को स्पष्ट रूप से दशार्ता है।

रहमानी-30 के नीट छात्रों ने न केवल चिकित्सा के क्षेत्र में बल्कि इंजीनियरिंग में भी अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया है। यह तथ्य कि नीट की तैयारी कर रहे 60 छात्रों ने जेईई मेन सफलतापूर्वक पास किया ! इन छात्रों की मजबूत शैक्षणिक नींव को उजागर करता है।

छात्रों और उनके अभिभावकों को बधाई देते हुए अमीर-ए-शरीअत हजरत मौलाना अहमद वली फैसल रहमानी ने कहा कि यह सफलता हजरत मौलाना मोहम्मद वली रहमानी (रह.) के शैक्षिणिक सपने की निरंतरता है, जिसका उद्देश्य मेहनती और योग्य छात्रों को आगे बढ़ने का अवसर देना है। उन्होंने अभिभावकों, शिक्षकों और शुभचिंतकों से अपील से अपील करते हुए कहा कि कक्षा 7, 8 और 10 के मेधावी व परिश्रमी छात्रों को रहमानी-30 प्रवेश परीक्षा 2026 के लिए आवेदन करने हेतु प्रेरित करें। आवेदन की अंतिम तिथि 20 दिसंबर 2025 है और प्रवेश परीक्षा 4 जनवरी 2026 को आयोजित होगी।

उड़ान को मिले 'गरम पंख': माही की 'कोल्ड इज बोल्ड एन इनिशिएटिव बाय माही' मुहिम, शिक्षा का कवच बनी गर्माहट

संवाददाता । रांची

राँची, 15 दिसंबर 2025:जब राँची की हवाएँ सर्द होने लगीं, तब अंसारनगर, कर्बला टैंक रोड स्थित मदरसा शेराजुल उलूम सल्फिया में मौलाना आजाद ह्यूमेन इनिशिएटिव (माही) की ओर से गर्माहट की एक नई लहर दौड़ गई। माही की पहल कोल्ड इज बोल्ड एन इनिशिएटिव बाय माही के तहत, मदरसा के 25 जरूरमंद मेधावी बच्चों को उपहार स्वरूप गर्म स्वेटर प्रदान किए गए। यह आयोजन महज ठंड से बचाव का साधन नहीं था, बल्कि शिक्षा की राह में आने वाली बाधाओं को दूर करने का एक सांकेतिक प्रयास था। गरीबी और कड़ाके की ठंड के कारण अक्सर जरूरत मंद बच्चे स्कूल-मदरसा जाने में असमर्थ होते हैं। माही ने इस चुनौती को स्वीकार करते हुए, इन बच्चों के सपनों को गरम पंख ईनाम दिए, ताकि उनकी पढ़ाई बिना किसी रुकावट के जारी रह सके।इस मौके पर मोहम्मद नजीब, मोहम्मद वसीम, मोहम्मद जावेद, मौलाना मोजाहिद, मोहम्मद मंजर व मोहम्मद अकबर की उपस्थिति ने भी आयोजन को मजबूती दी।

AMP के चेयरमैन आमिर इदरीसी रांची में आयोजित मिशन इकरा सेमिनार में हिस्सा लेंगे: आफताब आलम

संवाददाता । रांची

रांची (झारखंड) /15 ज्ञ्एसोसिएशन ऑफ मुस्लिम प्रोफेशनल (अटढ) के फाउंडर चेयरमैन जनाब आमिर इदरीसी साहब मुंबई से रांची में आज 14 ज्ञ् को आयोजित 6इँ अटऊउङ्गल्लाशल्लीू में शिरकत करने रांची पहुंचे थे।इस मौके पर सामाजिक संस्था अंजुमन इदरीसिया झारखंड के प्रदेश अध्यक्ष और रांची में 27 ज्ञ् को आयोजित होने वाली मिशन इकरा सेमिनार के संयोजक जनाब मो आफताब आलम इदरीसी और उनके साथियों ने आमिर इदरीसी साहब से मुलाकात करके उनका इस्तकबाल किया और 27 ज्ञ् 2025 दिन शनिवार को रांची के जनाब मो सईद इदरीसी (संरक्षक, आल इंडिया अन्जुमन इदरीसिया) की सरपरस्ती में आयोजित होने वाली मिशन इकरा सेमिनार का दावतनामा भी दिया।

मिशन इकरा कॉन्फ्रेंस में अंजुमन इदरीसिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष हाजी मो नफीस इदरीसी,), छपरा (बिहार) से हाजी अब्दुल रहमान अख़्तर, दिल्ली यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर डॉ अली अहमद इदरीसी, गुरुग्राम (हरियाणा) से शाह अम्बर, सिवान (बिहार) से प्रोफेसर मो मुस्लिम, जयपुर (राजस्थान) से मो अय्यूब इदरीसी,राष्ट्रीय महामंत्री इं अहमद मुबीन इदरीसी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हाजी मो इकरार इदरीसी, प्रयागराज से हाजी नफीस अनवर, लखनऊ से डॉ इमरान अहमद,हाजी मो इसरार, हाजी मो सगीर, हाजी मो इरशाद, अखतर हुसैन, कमर अहमद (दिल्ली), शाहजहांपुर से हाजी हफीजुद्दीन इदरीसी, मो नकी इदरीसी, नौशाद हुसैन, ताहिर अली, मो शकील, हरदोई से मो अतीक , अब्दुल रकीब, हसीन अहमद, कानपुर से मोईन इदरीसी, जमीर अहमद, वसीम इदरीसी

आमिर इदरीसी ने सेमिनार में शिरकत का वायदा किया है।

इस मुलाकात के मौके पर

सेमिनार के संयोजक मो आफताब आलम इदरीसी के साथ सज्जाद इदरीसी, खालिद उमर,जमील अख़्तर,मुन्नवर हुसैन (भुट्टो), अरकमा वगैरा मौजूद रहे ।

बिरला प्रौद्योगिकी संस्थान, मेसरा द्वारा 5-दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का सफल आयोजन

संवाददाता । रांची

रांची, 15 दिसंबर 2025:बिरला प्रौद्योगिकी संस्थान, (इक्ळ) मेसरा के विद्युत एवं इलेक्ट्रॉनिक्स अभियांत्रिकी (एएए) विभाग द्वारा ह्लकंट्रोल इंजीनियरिंग में वर्तमान प्रवृत्तियाँह्व विषय पर 11 से 15 दिसंबर 2025 तक 5-दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ ।

इस व्यापक कार्यक्रम में देशभर के विभिन्न राष्ट्रीय स्तर के अक्ळए-अनुमोदित डिग्री एवं डिप्लोमा संस्थानों से आए फैकल्टी सदस्यों ने भाग लिया, जिससे शैक्षणिक आदान-प्रदान एवं व्यवसायिक विकास के लिए एक सशक्त मंच उपलब्ध हुआ।एफडीपी में लगभग 60 फैकल्टी सदस्यों की सक्रिय भागीदारी देखने को मिली, जो देश के विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों का प्रतिनिधित्व कर रहे थे। सत्रों को आईआईटी, एनआईटी एवं संस्थान जैसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त संस्थानों के प्रतिष्ठित शिक्षकों द्वारा संबोधित किया गया, जिससे प्रतिभागियों को कंट्रोल इंजीनियरिंग के क्षेत्र में नवीनतम ज्ञान एवं आधुनिक प्रथाओं से परिचित भी करवाया गया ।इस कार्यक्रम का कुशलतापूर्वक संचालन डॉ. एस. के. मिश्रा के नेतृत्व में किया गया, जिन्होंने संयोजक (उङ्गल्लप५ल्ली१) की भूमिका निभाई। उन्हें डॉ. सुषमा एस. कामलु, सहायक प्राध्यापक, समन्वयक (उङ्गङ्गथ्ल्लिं३ङ्ग१) के रूप में तथा डॉ. विजय लक्ष्मी, प्रोफेसर,एएए विभाग, सह-समन्वयक (उङ्ग-उङ्गङ्गथ्ल्लिं३ङ्ग१) के रूप में सहयोग प्राप्त हुआ। उनके सामूहिक प्रयासों से सत्रों का सुचारु संचालन, प्रतिभागियों की प्रभावी सहभागिता एवं सार्थक परिणाम सुनिश्चित हो सके।एफडीपी के माध्यम से कंट्रोल इंजीनियरिंग में वर्तमान प्रवृत्तियों, कार्यप्रणालियों एवं अनुप्रयोगों का समग्र अवलोकन प्रस्तुत किया गया, जिससे प्रतिभागियों को सैद्धांतिक प्रगति के साथ-साथ व्यवहारिक क्रियान्वयन की भी महत्वपूर्ण समझ प्राप्त हुई।इस प्रकार की अकादमिक पहलों के माध्यम से संस्थान शैक्षणिक उत्कृष्टता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को निरंतर सुदृढ़ कर रहा है, जो फैकल्टी सदस्यों को सशक्त बनाती हैं, नवाचार को प्रोत्साहित करती हैं ।

भारत बापू का देश,मनरेगा को निरस्त करने का फैसला राष्ट्रविरोधी व महात्मा गांधी का अपमान,150 दिन रोजगार गारंटी किया जाय : कैलाश यादव

संवाददाती

प्रदेश राजद प्रवक्ता कैलाश यादव ने प्रेस ब्यान जारी कर कहा कि मैने राजद की ओर से दो दिन पूर्व ही मनरेगा का नाम बदलने पर केंद्र की मोदी सरकार के अनैतिक निर्णय पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त किया था !

विदित है आज सदन में महात्मा गांधी ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम 2005 को निरस्त करने का प्रस्ताव कर नया कानून के तौर पर विकसित भारत गारंटी रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) बनाने का फैसला लिया है !

यादव ने कहा कि भारत बापू का देश है जिन्होंने अपने संघर्ष और देश की आजादी के लिए सत्य और अहिंसा का पाठ पढ़ाकर भारत को स्वतंत्रता दिलवाई थी , इनका राष्ट्रहित का सपना बहुत बृहत था इन्होंने अपने दूरदर्शी व्यक्तित्व के कारण भारत में हिंदू मुस्लिम सिख ईसाई जैन और बौद्ध समाज के लोगों को एकता का संदेश दिया था जिस कारण भारत एक धर्मनिरपेक्ष राज्य का स्थापना हुआ !

सारे जहां से अच्छा हिंदोस्ता हमारा

!रघुपति राघव राजाराम पति तपावन सीताराम ₹ अल्हा ईश्वर तेरो नाम सबको सन्मति दे भगवान का संदेश हरेक हिन्दुस्तानियों के जहन में समाया था !

विदित हो राष्ट्रगान लिखने वाले गुरु रवीन्द्र नाथ टैगोर ने बापू को महात्मा कहा था जिस कारण राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की उपाधि प्राप्त हुई !

यूपीए 1 डॉ मनमोहन सिंह सरकार के दौरान 2005 में तत्कालीन ग्रामीण विकास मंत्री पूर्व केंद्रीय मंत्री श्रद्धेय डॉ रघुवंश प्रसाद सिंह के द्वारा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के नाम पर मनरेगा कानून बनाकर देश में मजदूरों 100 दिन का रोजगार गारंटी योजना लागू किया गया था !अफसोस है केंद्र की मोदी सरकार देश के तमाम संस्थाओं और योजनाओं का नाम बदलने का काम कर रहा है !

राजद मनरेगा कानून को निरस्त करने का कड़ा विरोध करता है और नया कानून बनाने के फैसला को राष्ट्रोधी एवं महात्मा गांधी का अपमान करार देता है !

राजद का मांग है कि देश बेतहाशा गरीबी बेरोजगारी पलायन और महंगाई को देखते हुए मजदूरों की रोजगार गारंटी योजना 150 दिन किया जाय !

ब्रीफ न्यूज

क्रिसमस पर्व से पूर्व दिसंबर माह का वेतन देने की मांग : महासंघ

संवाददाता ।

झारखंड राज्य कर्मचारी महासंघ के राज्य अध्यक्ष आदिल जहीर ने राज्य के माननीय मुख्यमंत्री श्री हेमंत सोरेन, माननीय वित्त मंत्री श्री राधा कृष्ण किशोर एवं मुख्य सचिव श्री अविनाश कुमार झारखंड सरकार से राज्य के समस्त राज्य कर्मियों को क्रिसमस पर्व के अवसर पर क्रिसमस से पूर्व 20 दिसंबर तक दिसंबर माह का वेतन देने की मांग की है। महासंघ के राज्य अध्यक्ष श्री जहीर ने कहा कि क्रिसमस पर्व के अवसर पर समय पर वेतन मिलने से राज्यकर्मियों में हर्षोल्लास, उमंग, उत्साह और खुशियों का संचार होगा। साथ ही इस से राज्यकर्मियों के हर जरूरत और उनके घर परिवार की पर्व से जुड़ी सभी जरूरतें पूरी होंगी।

हजरत मौलाना पीर जुलफि कार अहमद नक्शबंदी मुजद्दिदी का निधन हो गया।जमीयत उलेमा-ए-हिंद के प्रेसिडेंट का शोक संदेश

संवाददाता ।

नई दिल्ली, 15 दिसंबर, 2025: जमीयत उलेमा-ए-हिंद के प्रेसिडेंट मौलाना महमूद असद मदनी ने मशहूर इस्लामिक स्कॉलर, नक्शबंदी मुजद्दिदी ऑर्डर के जाने-माने आध्यात्मिक गुरु हजरत मौलाना पीर हाफि ज जुलफि कार अहमद नक्शबंदी मुजद्दिदी (फ्ब) के निधन पर गहरा दुख और शोक जाहिर किया है।अपने शोक संदेश में, मौलाना मदनी ने कहा कि पीर साहब आज के जमाने की उन जानी-मानी आध्यात्मिक और सुधारवादी हस्तियों में से हैं, जिन्होंने कुरान और सुन्नत की रोशनी में, दुनिया भर में खुद को शुद्ध करने, नैतिक सुधार और सुन्नत पर चलने का संदेश फैलाया। उनके निधन से, इस्लामिक दुनिया, खासकर सबकॉन्टिनेंट ने एक सच्चा उपदेशक, एक सूफी संत और एक निस्वार्थ गुरु खो दिया है। मौलाना मदनी ने कहा कि हजरत (फ्ब) की यह खासियत थी कि उन्होंने सूफीवाद को इस तरह पेश किया कि वह असल ज़िंदगी, समाज और परिवार के सिस्टम से जुड़ गया और आज के पढ़े-लिखे लोगों को धर्म और शरिया के करीब लाने में अहम भूमिका निभाई। उनकी लिखी बातें और सुधारवादी बातें उनकी धार्मिक समझ और सोच की गहराई का साफ सबूत हैं। मौलाना मदनी ने हजरत (फ्ब) के साथ अपने सुधारवादी और दिल से जुड़े होने का ज़िक्र करते हुए कहा कि उनके निधन से उन्हें निजी नुकसान हुआ है और बहुत बड़ा सदमा लगा है। दुआ है कि अल्लाह तआला हजरत ममदूह की सभी धार्मिक और रूहानी खिदमतों को कबूल करे, उनके ओहदे को ऊंचा करे, उन्हें जन्नत में ऊंचा मुकाम दे और दुखी लोगों को सब्र दे। आमीन।

राज्यपाल 20 को विनोद बिहारी महतो की प्रतिमा का सोनाहातु में करेंगे लोकार्पण

संवाददाता ।

रांची। राज्यपाल संतोष गंगवार आगामी 20 दिसंबर को सोनाहातु में झारखंड आंदोलन के प्रणेता पूर्व सांसद स्व विनोद बिहारी महतो की 9 फीट ऊंची प्रतिमा का लोकार्पण करेंगे। गूंज परिवार द्वारा आयोजित लोकार्पण समारोह दिन के एक बजे आयोजित किया गया है। गूंज परिवार के एक प्रतिनिधिमंडल ने राज्य के पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं संरक्षक सुदेश कुमार महतो के नेतृत्व में राज्यपाल से शिष्टाचार मुलाकात कर लोकार्पण के लिए औपचारिक आमंत्रण पत्र सौंपा।

राज्यपाल ने समारोह के लिए अपने सहमति दे दी है। प्रतिनिधिमंडल में पूर्व जिप अध्यक्ष सुकरा सिंह मुंडा, जयपाल सिंह, सुनील सिंह, दुबराज महतो, श्याम महतो, मंजूमुंडा, रंगबहादुर महतो और किरीटी भूषण महतो शामिल थे।

बीसीआई टाइटेनियम स्मैश लीग महिला

एकल वर्ग में हिमानी बनी विजेता

संवाददाता ।

रांची। बीसीआई टाइटेनियम स्मैश लीग का आयोजन सोमवार को रांची में किया गया। इस अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि बीसीआई के मेंटर किशोर कुमार मंत्री ने लीग का शुभारंभ किया। प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया। महिला एकल वर्ग में हिमानी गुप्ता विजेता और नेहा सिंघानिया उपविजेता रहीं। पुरुष एकल में प्रिंस अग्रवाल ने खिताब अपने नाम

किया, जबकि शिव प्रकाश अग्रवाल उपविजेता रहे। महिला युगल में हिमानी गुप्ता और प्रीति अग्रवाल की जोड़ी विजेता बनी। पुरुष युगल में प्रिंस अग्रवाल एवं रणधीर कुमार सिंह ने जीत दर्ज की, जबकि प्रह्लाद कुमार अग्रवाल तथा

सौरभ घोष उपविजेता रहे। मिक्स्ड डबल्स में प्रथमेश अग्रवाल और वनीशा अग्रवाल विजेता और प्रिंस अग्रवाल एवं गुंजन सर्राफ उपविजेता बने। किड्स वर्ग में गुरमीत ग्रोवर और वंदना अग्रवाल विजेता रहे, जबकि तनिष्क बजोरिया एवं शनविका घोष उपविजेता बने। विशेष पुरस्कारों में ऊजार्वान खिलाड़ी का सम्मान अमित किशोर और उत्सव जालान को मिला। वहीं बेस्ट स्मैश ऑफ द लीग का पुरस्कार सौरभ घोष को प्रदान किया गया। आयोजन को सफल बनाने में उत्सव जालान, अमित किशोर और सुदर्शन अग्रवाल ने योगदान दिया।

आयोजन के दौरान सभी प्रायोजकों को सम्मानित किया गया। उद्घाटन समारोह के अवसर पर बीसीआई के निदेशक धीरज ग्रोवर, अजय कुमार, बीसीआई

टाइटेनियम की अध्यक्ष हिमानी गुप्ता, उपाध्यक्ष डॉ शिप्रा साह, सचिव अनुज अग्रवाल, कोषाध्यक्ष संतोष सोनी सहित अन्य लोगमौजूद थे।

उपायुक्त की अध्यक्षता में हुई स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक

65 डिलिवरी सेंटर में एनबीसीसी बनाने, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों के सुदृढ़ीकरण के दिए निर्देश

जमशेदपुर, संवाददाता

उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी की अध्यक्षता में शनिवार समाहरणालय सभागार में स्वास्थ्य विभाग की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। जिसमें संस्थागत प्रसव, टीकाकरण, कुपोषण, परिवार नियोजन, ममता वाहन, गैर-संचारी रोगों की रोकथाम के साथ साथ तमाम स्वास्थ्य सेवाओं की प्रगति व गुणवत्ता की समीक्षा की गई। इस दौरान सरकारी संस्थाओं में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता बनाए रखने पर विशेष बल देते हुए उपायुक्त ने कहा कि आंकड़ों पर ध्यान रखने से ज्यादा जरूरी है कि नागरिक इलाज से संतुष्ट होकर घर वापस लौटें। सदर अस्पताल में डायलिसिस सुविधा की समीक्षा में बताया गया कि अप्रैल से नवंबर माह तक कुल 835 लोग लाभान्वित हुए हैं। उपायुक्त द्वारा डायलिसिस यूनिट के बेहतर संचालन एवं मरीजों के उचित देखभाल का निर्देश भी दिया गया। साथ ही घाटशिला अनुमंडल अस्पताल में भी डायलिसिस यूनिट के बेहतर संचालन का निर्देश दिया गया। ताकि घाटशिला अनुमंडल क्षेत्र के लोगों को डायलिसिस के लिए जमशेदपुर न आना पड़े।

वहीं अनुमंडल अस्पताल में सी-सेक्शन से भी इलाज की समीक्षा की गई। उपायुक्त ने सभी स्वास्थ्य विभागीय पदाधिकारी-कर्मी एवं विशेषकर एमओआईसी को संस्थागत प्रसव को प्राथमिकता देने, संस्थागत प्रसव को लेकर लोगों के बीच जागरूकता लाने का निर्देश भी दिया। उन्होंने कहा कि पहला एएनसी (गर्भावस्था पूर्व देखभाल) रजिस्ट्रेशन में अपेक्षित सुधार लाएं और चौथे एएनसी तक फॉलो अप करें। ताकि संस्थागत प्रसव सुनिश्चित किया जा सके। सभी लाभार्थियों को जननी सुरक्षा योजना एवं प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना जैसी योजनाओं का लाभ दिलाया जाए। कोई भी सुयोग्य लाभुक स्वास्थ्य योजनाओं का लाभ लेने से वंचित न रहे इसे सुनिश्चित करें। जबकि बहरागोड़ा, चाकुलिया, पटमदा और गोलमुरी सह जुगसलाई प्रखंडों में टीकाकरण की प्रगति संतोषजनक नहीं पाई गई। जिसको लेकर उन्होंने निर्देश दिया कि इन क्षेत्रों में विशेष कार्ययोजना बनाते हुए कार्य करें। कुपोषण उपचार केंद्र में बेड ऑक्यूपेंसी बढ़ाने, गैर-संचारी रोगों की स्क्रीनिंग गतिविधियों को सशक्त बनाने का निर्देश भी दिया गया। उन्होंने ममता वाहन की संख्या बढ़ाने की आवश्यकता जताते हुए कहा कि सभी एमओआईसी संबंधित बीडीओ के साथ बैठक कर प्रत्येक पंचायत में कम से कम एक वाहन जरूर टैग करें।

डेंगू और मलेरिया जैसी मौसमी बीमारियों की रोकथाम के लिए विशेष सतर्कता बरतने, फॉगिंग, जागरूकता अभियान एवं नेशनल वेक्टर बॉर्न डिजीज कंट्रोल प्रोग्राम के तहत सभी गतिविधियों की कड़ी निगरानी सुनिश्चित करने का निर्देश भी दिया गया। बैठक में राष्ट्रीय कुष्ठ उन्मूलन कार्यक्रम, टीबी उन्मूलन अभियान विशेष रूप से दूरस्थ क्षेत्रों में एनीमिया जांच अभियान का विस्तार करने के निर्देश भी दिए गए। परिवार नियोजन के अंतर्गत नसबंदी जैसे स्थायी उपायों को प्रखंड स्तरीय सीएचसी की क्षमता के अनुरूप योजनाबद्ध तरीके से लागू करने, सभी चिकित्सीय संसाधनों को अपडेट रखने एवं ऑब्जर्वेशन प्रक्रिया का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में सिविल सर्जन डॉ साहिर पाल, एसीएमओ डॉ जोगेश्वर प्रसाद, डॉ रंजीत पांडा, डॉ ए मित्रा, डॉ मृत्युंजय धावड़िया, सभी एमओआईसी, डीपीसी, डीपीएम, डीडीएम, बीएएम, बीपीएम, बीडीएम व स्वास्थ्य विभाग के अन्य पदाधिकारी-कर्मी भी मौजूद थे।

एमजीएम पोखारी चोरी मामले का पुलिस ने किया खुलासा, चार गिरफ्तार, गहने बरामद

जमशेदपुर, संवाददाता

बीते दिनों एमजीएम थाना अंतर्गत पोखारी गांव निवासी महेश गौड़ के घर का ताला तोड़कर हुई 15 लाख रुपए मूल्य के गहनों की चोरी के मामले में पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जिसमें संकोसाई रोड नंबर 5 निवासी सुंदर कुजूर उर्फ कल्लू, एकता नगर निवासी रोहित गोप, बोड़ाम मिजार्डीह निवासी मनीष राय और उलीडीह डिमना बस्ती का रहने वाला बिक्की सिंह शामिल हैं। इनकी निशानदेही पर पुलिस ने चोरी हुए सोने का एक ब्रेसलेट, सोने का एक मंगलसूत्र, सोने की एक अंगुठी, सोने का दो जोड़ी टॉप्स, दो जोड़ी पायल, एक सोने का हार, एक सोने की चेन, कान का एक-एक पीस सोने का टॉप्स, दो जोड़ी चांदी की बिछिया, चोरी के पैसे से खरीदा गया मोबाइल, एक जोड़ी सोने का टॉप्स, एक सोने की चेन, एक बाइक और लोहे का औजार बरामद किया गया है। मामले का खुलासा शनिवार पुलिस ऑफिस में एसपी ग्रामीण ऋषभ गर्ग ने प्रेसवार्ता में किया। मौके पर थाना प्रभारी सचिन कुमार दास समेत अन्य पुलिसकर्मी भी मौजूद थे। वार्ता में एसपी ने बताया कि चोरी की घटना 29-30 नवंबर की रात्रि घटी थी। घटना के समय परिवार के सभी सदस्य एक शादी समारोह में शामिल होने गए थे। जहां से लौटने पर देखा कि दरवाजे का ताला टूटा हुआ है और घर के अंदर सभी सामान बिखरे पड़े हैं। जिसके बाद पुलिस ने वादी की शिकायत पर थाने में मामला भी दर्ज किया था। उन्होंने बताया कि चोरी की घटना को आरोपी सुंदर कुजूर और रोहित गोप ने अंजाम दिया था। साथ ही दोनों ने चोरी का सामान आपस मे बांट लिया था। सुंदर ने चोरी के गहने मनीष राय को बेचने के लिए दिया था। जिसमें सोने की चेन बिक्की सिंह को 10 हजार रुपए में बेचा गया। उन्होंने कहा कि गिरफ्तार आरोपियों का पूर्व में आपराधिक इतिहास भी रहा है। फिलहाल सभी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। टीम में पटमदा डीएसपी बचनदेव कुजूर, थाना प्रभारी सचिन कुमार दास, एसआई प्रदीप वर्मा, एएसआई नरेंद्र बिहारी सिंह, आरक्षी फिरोज आलम, राजेश कुमार, सरोज मिश्रा और मोनू कुमार भी शामिल थे।

बाल विकास परियोजना कार्यालय की हुई मासिक समीक्षात्मक बैठक

कोडरमा, संवाददाता

डोमचांच प्रखंड अंतर्गत सभागार में बाल विकास परियोजना कार्यालय की मासिक समीक्षात्मक बैठक शुक्रवार को रखी गई। जिसमें सभी आंगनबाड़ी केंद्र की सेविकाएं उपस्थित रही। वहीं बिना किसी सूचना के अनुपस्थित रहने वाली सेविकाओं के मानदेय कटौती का भी निर्देश दिया गया। इस दौरान प्रखंड विकास पदाधिकारी सह बाल विकास योजना पदाधिकारी के द्वारा पोषण ट्रैक्रर के सभी इंडिकेटर, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, अपार आईडी, समर अभियान ,आधारभूत संरचना, सक्षम आंगनवाड़ी, मुख्यमंत्री कन्यादान योजना सहित सभी इंडिकेटर पर चर्चा की गई। जिन केंद्रों के द्वारा लक्ष्य प्राप्ति नहीं की गई थी। उन्हें सत प्रतिशत लक्ष्य प्राप्ति करने का निर्देश दिया गया एवं कार्य मे लापरवाही बरतने पर मानदेय कटौती का भी निर्देश दिया गया है। साथ ही यह भी निर्देश दिया गया कि अगले माह से जो सेविकाएं अंतिम पांच में रहेगी। उनको सभी को कारण पृच्छा करते हुए चयन मुक्त करने की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाएगी। मौके पर महिला पर्यवेक्षिका कुमारी अनुश्री, पोषण अभियान प्रखंड समन्वयक अंजु कुमारी, कार्यालय सहायक कर्मी भारत किशोर महतो, कार्यालय ऑपरेटर मोहम्मद अनस तथा सभी सेविकाए मौजूद रही।

भाजपा प्रतिनिधिमंडल ने जे.पी. नड्डा को सौंपा ज्ञापन, आवास खाली कराने के आदेश पर हस्तक्षेप की मांग

धनबाद, संवाददाता

भारतीय जनता पार्टी धनबाद जिला ग्रामीण के जिला अध्यक्ष घनश्याम ग्रोवर तथा सिंदरी नगर भाजपा अध्यक्ष अरविंद पाठक के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार को देवघर सर्किट हाउस में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय रसायन एवं उर्वरक मंत्री जे.पी. नड्डा से मुलाकात कर सिंदरी की आवासीय समस्या से संबंधित ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल ने अवगत कराया कि सिंदरी एक औद्योगिक नगरी है, जहां लोग कई दशकों से शांतिपूर्वक रह रहे हैं। लेकिन बीते वर्ष सेल कंपनी एवं एफसीआई लिमिटेड सिंदरी यूनिट द्वारा डोमगढ़ क्षेत्र के निवासियों को आवास खाली करने का निर्देश दिया गया है। कंपनी का तर्क है कि डोमगढ़ में ओवी (ओवरबर्डन) डंप किया जाएगा, जबकि प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि कुछ किलोमीटर की दूरी पर खाली भूमि उपलब्ध है, जहां डंपिंग की जा सकती है। आरोप लगाया गया कि सेल कंपनी परिवहन लागत बचाने के उद्देश्य से बसे-बसाए क्षेत्र को अस्थिर करना चाहती है। इसके साथ ही एफसीआई के अन्य आवासों को भी पीपी कोर्ट के माध्यम से खाली कराने का आदेश जारी किया जा रहा है, जबकि स्थानीय लोग न्यायोचित किराया देने को तैयार हैं। एफसीआई द्वारा 23 वर्षों का किराया एकमुश्त मांगने का विरोध करते हुए प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि निवासी वर्तमान से किराया देने को सहमत हैं और सहयोग करना चाहते हैं। मंत्री नड्डा ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि ज्ञापन को वे तत्काल फर्टिलाइजर मंत्रालय एवं सचिव को भेजेंगे। साथ ही जल्द ही एक प्रतिनिधिमंडल सिंदरी भेजकर आवासीय क्षेत्रों का निरीक्षण कराएगा और स्थानीय लोगों से भी बातचीत की जाएगी। इसके बाद आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए जाएंगे। प्रतिनिधिमंडल ने उम्मीद जताई कि मंत्री के हस्तक्षेप से सिंदरी की लंबित समस्याओं का समाधान होगा। प्रतिनिधिमंडल में नगर मंत्री राघव तिवारी, युवा मोर्चा जिला मंत्री अरविंद सिंह तथा जिला महामंत्री निताई रजवार शामिल थे।

धान खरीद में हो रही देरी से किसान परेशान, सस्ती दर पर बेचने को विवश : महेंद्र वर्मा

कोडरमा, संवाददाता

जिले के भाजपा वरिष्ठ नेता सह समाजसेवी महेंद्र प्रसाद वर्मा ने हेमंत सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि अभी तक राज्य के द्वारा पैक्सों में धान की खरीदारी शुरू नहीं होने के कारण मजबूरन किसान बिचौलियों के हाथों अपनी धान फसल 15 रुपये किलो बेचने को विवश है। अभी तक सरकार के द्वारा कोई तरह का पैक्सों में धान फसल की खरीदी को लेकर अधिसूचना या फिर नयी कोई दरें आधिकारीक रूप से घोषणाएं नहीं की गई है। पहले चक्रवर्ती तूफान मोथा ने किसानों के फसलों को प्रभावित किया और अब सरकार के द्वारा पैक्सों का समय पर नहीं खुलने से किसान को नुकसान हो रहा है। मजबूरन अपने धान फसल को बिचौलियों के हाथों बेच दे रहे हैं। उन्होंने सरकार से जल्द पैक्सों को खोले जाने की मांग की है। साथ उन्होंने कहा कि कोडरमा के जिले के डोमचांच क्षेत्र अंतर्गत कई सहकारिता विभाग के द्वारा मिनी कोल्ड स्टोर बनाए गए हैं। परंतु उन कोल्ड स्टोर को संचालित नहीं किया जा रहा है। लाखों लाख रुपए लगाकर सिर्फ कोल्ड स्टोर भवन का निर्माण करवाया जा रहा है। यह सिर्फ कमीशन खोरी का भेंट चढ़ गया है। परंतु इसका उपयोग किसानों को फसल सब्जियों को रखने के लिए नहीं हो रहा है। ऐसे में जल्द से जल्द सरकार सुनिश्चित करें कि इन तमाम मिनी कोल्ड स्टोर को सुचारू रूप से संचालित करवाया जाय ताकि स्थानीय किसानों को इसका लाभ मिल सके।

पलामू के पिपराटांड़ थाना प्रभारी निलंबित, जमीन मामले में पैसे मांगने का आरोप

पलामू, संवाददाता

जिले के पिपराटांड़ थाना प्रभारी सुबोध कुमार को निलंबित कर दिया गया है. सब इंस्पेक्टर पर जमीन के एक मामले में पैसा मांगने का आरोप है. किशनपुर ओपी प्रभारी नीलेश कुमार को पिपराटांड़ का नया थाना प्रभारी बनाया गया है. जबकि सब इंस्पेक्टर रंजीत कुमार सिंह को किशुनपुर ओपी का प्रभारी बनाया गया है.

एसपी ने की निलंबन की पुष्टि

पिपराटांड़ के थाना प्रभारी सुबोध कुमार पर आरोप है कि जमीन के एक मामले में उन्होंने दलाल के माध्यम से 20 हजार रुपए की डिमांड की थी. इस पूरे मामले में जोनल आईजी से शिकायत भी की गई थी. जिसके तहत कार्रवाई करते हुए एसपी रीष्मा रमेशन ने पिपराटांड़ थाना प्रभारी सुबोध कुमार को निलंबित कर दिया है. एसपी रीष्मा रमेशन ने निलंबन की कार्रवाई की पुष्टि की है.

पहले भी हो चुके हैं पीपराटांड़ थाना प्रभारी सस्पेंड

बता दें कि इससे पहले भी पीपराटांड़ के थाना प्रभारी को अफीम के मामले में भूमिका संदिग्ध मिलने के बाद निलंबित कर दिया गया था. निलंबन के बाद टाउन थाना में तैनात सब इंस्पेक्टर सुबोध कुमार की पिपराटांड़ थाना प्रभारी के पद पर तैनाती की गई थी. सुबोध कुमार 2018 बैच के सब इंस्पेक्टर हैं. नए थाना प्रभारी निलेश कुमार भी 2018 बैच के सब इंस्पेक्टर हैं. पिपराटांड़ का इलाका चतरा से सटा हुआ है और यह इलाका नक्सली गतिविधि एवं अफीम की खेती के लिए चर्चित रहा है. पिपराटांड़ से कई नक्सल अभियान भी चलाए गए हैं.

संविधान निमार्ता डॉ भीमराव आंबेडकर की 69वां महापरिनिर्वाण दिवस मनाया गया

पलामू, संवाददाता

शनिवार को हुसैनाबाद व्यापार मंडल अध्यक्ष सह अखिल भारतीय धोबी महासंघ पलामू के जिला अध्यक्ष कृष्णा बैठा के हुसैनाबाद स्थित आवास परिसर में संविधान निमार्ता भारतरत्न लोकनायक, गरीबों के मसीहा, भारत प्रथम कानूनमंत्री डॉक्टर भीम राव आंबेडकर की के महापरिनिर्वाण दिवस के अवसर पर उनके चित्र पर माल्यार्पण एवं चरणों में पुष्प अर्पित कर शत शत नमन किया। इस अवसर पर बैठा ने कहा कि बाबा साहेब आंबेडकर ने साधारण मानव से महामानव की दर्जा अपने मेधा के आधार पर ही हासिल किया उन्होंने कहा कि भारत ही नहीं बल्कि विश्व के लिए बहुत कुछ कर के गए हैं उन्हें जितना भी नमन किया जाए बहुत कम होगा। आज उन्हीं के द्वारा दिया संविधान के बदौलत एसी एसटी ओबीसी के लोग भारत देश के शीर्ष पदों पर विराजमान हैं। मौके पर विकाश रजक, धर्मेंद्र यादव, रामसेवक विश्वकर्मा, कुणाल यादव गुडु रजक, सहित अन्य लोग मौजूद थे!।

बोकारो थर्मल के गोविंदपुर ई पंचायत भवन में लगा सरकार आपके द्वार कार्यक्रम

बोकारो, संवाददाता

बोकारो थर्मल के गोविंदपुर ई पंचायत सचिवालय भवन में सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन शुक्रवार को किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन जीप सदस्य शहजादी बानो,मुखिया विश्वनाथ महतो, पंचायत समिति सदस्य अनीता देवी ने विधिवत दीप प्रज्वलित कर किया। जीप सदस्य शहजादी बानो ने बताई की सरकार आपके द्वार के माध्यम से सरकार के हर योजनाओं को आपके द्वारा पहुंचाया जायगा । अगर किसी कारण वश आपके कार्य को पूरा नहीं होता हैं तो आपके कार्य के लिए प्रखंड कार्यालय हमेशा तत्पर हाजिर रहेगा। वहीं मुखिया विश्वनाथ महतो ने कहा की आज सरकार महिलाओं के लिए आगे बढ़कर कार्य कर रहीं हैं आज महिलाएं सवालम्बी बन रहीं हैं। इसका हिस्सेदारी हम सभी को मिलजुलकर लाभ लेना चाहिए। सरकार आपके द्वार के तहत हर योजनाओं को पहुंचाया जा रहा हैं, जनता मो लाभ लेने की जरुरत हैं। इसका लाभ हर परिवार को लाभ उठानी चाहिए। पंचायत समिति सदस्य अनीता देवी ने बताई अगर किसी भी प्रकार का इस आयोजन में अपना फार्म नहीं भर सके तो वह पंचायत प्रतिनिधि से मिलकर अपना समस्या का समाधान कर सकेंगे। वहीं कई योजनाओं का वितरण कर गोद भराई किया गया। मौके पर उप मुखिया कोकिल कुमार महतो,पंचायत सचिव नरेश कुमार यादव,वार्ड सदस्य महेश महतो,आशा देवी,पिंकी देवी, गोविन्द महतो, पंचायत प्रतिनिधि सुनील महतो, जेएसएलपीएस के रेशमा भारती, सावित्री देवी, गीता देवी, बसंती देवी, रुक्मणि देवी, घनश्याम महतो आदि लोग उपस्थित थें।

बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की पुण्यतिथि पर विधायक ने अर्पित की श्रद्धांजलि

बोकारो, संवाददाता

भारत रत्न और भारतीय संविधान के शिल्पकार बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की पुण्यतिथि पर बोकारो की विधायक श्वेता सिंह के आवास पर श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। विधायक ने चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि बाबा साहेब सामाजिक न्याय और समता के प्रतीक थे, जिनकी विचारधारा आज भी देश का मार्गदर्शन कर रही है। डॉ. अंबेडकर ने शिक्षा, समानता और मानवाधिकारों के लिए आजीवन संघर्ष किया और संविधान निर्माण के माध्यम से हर नागरिक को न्याय, स्वतंत्रता और समान अवसर का अधिकार दिलाया। कार्यक्रम में पवन झा, विश्वजीत सिंह, पूनम यादव, शाहिद राजा सहित कई सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी मौजूद रहे। सभी ने बाबा साहेब के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने और सामाजिक समरसता को मजबूत करने का संकल्प लिया।

उज्ज्वल भविष्य-निर्माण के लिए शिक्षक देश की सबसे मजबूत दीवार : उपायुक्त

विद्यार्थी-केन्द्रित हितकारी शिक्षा सुनिश्चित करने को ले डीपीएस बोकारो में शिक्षाविदों का बड़ा जुटान

बोकारो, संवाददाता

डॉ. राधाकृष्णन सहोदया स्कूल कॉम्प्लेक्स, बोकारो की ओर से एमएसएमई व नीति आयोग से संबद्ध सीईडी फाउंडेशन के तत्वावधान में शनिवार को डीपीएस बोकारो में स्कूल लीडरशिप समिट एंड अवाड्र्स-2025 के 18वें संस्करण का आयोजन हुआ। झारखंड, बिहार और ओडिशा के 100 से अधिक प्राचार्यों व शिक्षकों की भागीदारी वाले इस सम्मेलन में विद्यार्थी-केन्द्रित शिक्षा तथा एनईपी 2020 के प्रभावी क्रियान्वयन पर व्यापक मंथन किया गया। विभिन्न मानकों पर चयनित शिक्षाविदों को उत्कृष्ट शैक्षणिक योगदान के लिए सम्मानित भी किया गया। मुख्य अतिथि उपायुक्त अजय नाथ झा ने इसे शिक्षा क्षेत्र में मील का पत्थर बताते हुए कहा कि शिक्षक राष्ट्र-निर्माण की सबसे मजबूत दीवार हैं। उन्होंने प्राचार्यों से विद्यार्थियों को सक्षम व संवेदनशील नागरिक बनाने का आह्वान किया। इसके बाद झारखंड, बिहार और ओडिशा के 35 वरिष्ठ शिक्षाविदों को शिक्षक रत्न, शिक्षक गौरव और भारतीय गौरव सम्मान प्रदान किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलन से हुई। स्वागत गान, गणेश वंदना और लोकनृत्य की प्रस्तुतियों ने वातावरण को उल्लासपूर्ण बनाया। सहोदया अध्यक्ष एवं डीपीएस बोकारो के प्राचार्य डॉ. ए. एस. गंगवार ने एनईपी 2020 को भारत के भविष्य का ब्लूप्रिंट बताया। अतिथि वक्ताओं डॉ. प्रियदर्शी नायक, प्रो. (डॉ.) सी. बी. शर्मा और डॉ. चीनू अग्रवाल ने नई शिक्षा नीति, मूल्यांकन प्रणाली, तनावमुक्त शिक्षा एवं छात्र-हित पर अपने विचार साझा किए। एनईपी 2020 के पाठ्यक्रम, मूल्यांकन और शिक्षण प्रणाली पर प्रभाव को लेकर एक महत्वपूर्ण पैनल डिस्कशन भी हुआ। अंत में धन्यवाद ज्ञापन सहोदया महासचिव विश्वजीत पात्रा ने किया और कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान से हुआ।

35 किसानों के बीच चना बीज का हुआ वितरण

बोकारो, संवाददाता

नवाडीह प्रखंड के सदर पंचायत भवन में शनिवार को चना बीज वितरण समारोह आयोजित किया गया। इस दौरान कृषि पशुपालन एवं सहकारिता विभाग झारखंड सरकार द्वारा 35 किसानों के बीच चना बीज का वितरण किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद प्रतिनिधि सुरेश कुमार महतो ने कहा कि किसान चना की खेती कर अच्छी आमदनी कर सकते हैं। चना की खेती में ज्यादा मेहनत नहीं करनी पड़ती है। क्षेत्र के किसानों को सरकार की ओर से उत्तम किस्म के चना का बीज निशुल्क दिया जा रहा है। मौके पर मुखिया किरण देवी, पंसस निर्मल महतो, विधायक प्रतिनिधि संदीप कुमार महतो, बीटीएम सुरेश रजक, एटीम संतोष कुमार, प्रभारी प्रखंड कृषि पदाधिकारी आकाश कुमार, भी एल डब्लू दामोदर स्वरूप, कृषि मित्र टिकेन्दर महतो, भुनेश्वर महतो आदि मौजूद थे।

जीविका दीदियों के 2 लाख-मुफ्त योजनाओं के पैसे वसूलेगी सरकार

सर्किल रेट दो गुना तक बढ़ाने की तैयारी, घर बनाना होगा महंगा, बिजली के रेट बढ़ेंगे

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 से पहले नीतीश सरकार ने बिजली मुफ्त (125 यूनिट तक) की, जीविका दीदियों को 10-10 हजार रुपए दिए। अब 2-2 लाख रुपए देने हैं। सरकार ने मुफ्त की योजनाओं के लिए पैसा जुटाने का खास प्लान बनाया है। सरकार के नए प्लान के मुताबिक, बिजली, जमीन खरीदना, घर बनाना तक महंगा हो सकता है। नए साल से सरकार सर्किल रेट दोगुना करने जा रही है। अवैध खनन पर सख्ती की जा रह है, जिससे बालू की कीमत बढ़ सकती है। सरकार ने शीतकालीन सत्र में 91 हजार 717 करोड़ रुपए का सप्लीमेंट्री बजट पास कराया। मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के लिए 21 हजार करोड़ रुपए, 125 यूनिट फ्री बिजली के लिए 6462 करोड़ रुपए और बुजुर्गों को पेंशन देने के लिए 1885.65 करोड़ रुपए रखे। महिलाओं को स्वरोजगार के लिए 2-2 लाख रुपए देने हैं। गयाजी, भागलपुर, दरभंगा और सहरसा में एयरपोर्ट बनाने पर 500 करोड़ रुपए खर्च होंगे। इसी तरह बच्चों की पढ़ाई के लिए 4,196.89 करोड़ रुपए और दूसरी योजनाओं के लिए पैसे चाहिए। इन जरूरतों को पूरी करने के लिए सरकार कमाई बढ़ाने पर ध्यान दे रही है। 125 यूनिट बिजली फ्री करने से बिहार के 1.89 करोड़ परिवारों को लाभ मिल रहा है। सरकार हर माह करीब 2.36 अरब यूनिट बिजली की सब्सिडी दे रही है। अब बिजली कंपनियों ने बिहार में घरेलू, किसान और उद्योगों सहित सभी तरह की श्रेणी की बिजली की दर 35 पैसे प्रति यूनिट महंगा करने का प्रस्ताव भेजा है। इस पर बिहार विद्युत विनियामक आयोग 6 जनवरी से जनसुनवाई करेगी और फैसला लेगी। सुनवाई में आमलोग भी अपनी राय दे सकते हैं। बिजली कंपनियों ने दिया ये प्रस्ताव घरेलू बिजली- घरेलू उपभोक्ताओं के लिए बिजली दर 7.42 रुपए से बढ़ाकर 7.77 रुपए प्रति यूनिट किया जाए। 100 यूनिट से ज्यादा खपत पर 1.18 रुपए प्रति यूनिट की छूट का भी प्रस्ताव दिया गया है। इस समय सब्सिडी के बाद ग्रामीण इलाके में 2.45 रुपए प्रति यूनिट और शहरी इलाके में 5.52 रुपए प्रति यूनिट है। किसानों के लिए बिजली- सिंचाई के लिए दी जानी वाली बिजली 6.74 रुपए प्रति यूनिट से बढ़ाकर 7.09 प्रति यूनिट की जाए। सब्सिडी के बाद 55 पैसे प्रति यूनिट देना होता है। उद्योग और व्यवसाय के लिए बिजली- छोटे उद्योगों के लिए बिजली की दरें 7.79 रुपए प्रति यूनिट से बढ़ाकर 8.14 रुपए प्रति यूनिट की जाए। अन्य औद्योगिक/व्यावसायिक उपयोगों के लिए भी बिजली महंगी करने का प्रस्ताव दिया गया है। पटना, बेगूसराय और गया में होगी जन सुनवाई बिजली कंपनियों के प्रस्ताव पर आयोग ने लोगों से राय मांगी है। 6 जनवरी, 12 जनवरी, 19 जनवरी और 5 फरवरी को पटना, बेगूसराय और गया में जन सुनवाई होगी। इसके बाद अंतिम फैसला होगा। साफ है कि बिजली कंपनियों के प्रस्ताव के बाद आयोग उसे मंजूरी देता है तो सभी के लिए बिजली महंगी होगी। इसमें कुछ छूट का भी प्रावधान रखा जा सकता है। आपकी जेब पर कितना असर पड़ेगा? बिहार में वर्तमान में घरेलू इस्तेमाल के लिए बिजली की दरें 1.97 रुपए प्रति यूनिट से लेकर 5.52 रुपए प्रति यूनिट है। BPL परिवार द्वारा अगर 125 यूनिट से अधिक बिजली खर्च की जाए तो उन्हें 125 यूनिट के बाद की बिजली पर 2.45 रुपए प्रति यूनिट की दर से पैसे देने होते हैं। गांव के लोग अगर 125 यूनिट से अधिक बिजली खर्च करें तो 2.45 रुपए प्रति यूनिट पैसे देते हैं। शहर में रहने वाले लोग 125 यूनिट से अधिक खर्च करने पर 5.52 रुपए प्रति यूनिट पैसे देते हैं। अगर एक व्यक्ति गांव में रहता है। उसने 200 यूनिट बिजली एक महीने में खर्च की तो 75 यूनिट बिजली के पैसे देने होंगे। बिल 184 रुपए (75x2.45 रुपए) का आएगा। अगर बिजली की दर 35 पैसे प्रति यूनिट बढ़ जाती है तो बिल 210 रुपए आएगा। मतलब 26 रुपए ज्यादा। इसी तरह अगर एक व्यक्ति शहर में रहता है और एक महीने में 200 यूनिट बिजली खर्च करता है तो उसे 75 यूनिट के पैसे देने होते हैं। बिल 414 रुपए (75 x 5.52) आएगा। अगर बिजली की दर 35 पैसे प्रति यूनिट बढ़ा दी जाती है तो बिल 440 रुपए (75 x 5.87) का आएगा। मतलब 26 रुपए ज्यादा। इसके साथ ही एनर्जी चार्ज, फिक्स्ड चार्ज और दूसरे शुल्क ऊपर से देने होंगे। रजिस्ट्रेशन विभाग ने 2024-25 में आमदनी के अपने लक्ष्य 7500 करोड़ रुपए को हासिल कर लिया है। अब सरकार की कोशिश जमीन की खरीद-बिक्री से और अधिक पैसे पाने की है। सरकार ने जमीन के रिकॉर्ड, खाता, खेसरा, जमाबंदी आदि सुधारने का अभियान तेज कर दिया है। सरकार चाहती है कि जमीन से संबंधित विवादों और गड़बड़ियों का समाधान तेजी से हो। जमीन का रजिस्ट्रेशन सरकार के लिए राजस्व का बड़ा जरिया है। अभी राज्य में जमीन का सर्वे चल रहा है। इसके बाद जमीन का रेट फिर से तय होगा। पहले चरण में 961 गांवों में सर्वे हो गया है।

गोलू पर जानलेवा हमले के मामले में FIR

भोजपुर। के भकुरा गांव में श्राद्धकर्म के दौरान युवक को गोली मारने के मामले में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। धोबहा के दरियापुर गांव निवासी हरिओम सिंह को नामजद आरोपी बनाया गया है। गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। पटना मुफस्सिल थाना क्षेत्र की है। घायल सुजीत सिंह उर्फ गोलू सिंह ने पुलिस को दिए बयान में कहा कि पत्नी का हरिओम सिंह से अफेयर है। अवैध संबंध का विरोध करने पर उसने मेरे पर हत्या करने की नीयत से गोली चलाई। गोली लगने से वह गंभीर रूप से घायल हो गया, इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घायल ने बताया कि शनिवार की शाम अपने दोस्त राहुल सिंह के दादा के श्राद्धकर्म में शामिल होने के लिए भकुरा गांव गया था। साथ में मेरा दोस्त अभिषेक उर्फ गुलशन भी मौजूद था। कार्यक्रम समाप्त होने के बाद करीब सौ मीटर दूर अपनी बाइक लेने गया, तभी आरोपी हरिओम सिंह विपरीत दिशा से अचानक पहुंचा। पिस्टल निकालकर फायरिंग शुरू कर दी। फायरिंग के दौरान एक गोली मुझे लग गई। मौके पर ही गिर पड़ा। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। गोली लगने के बाद दोस्त ने अस्पताल पहुंचाया। आरोपी हरिओम सिंह मेरे मामा के गांव का रहने वाला है। पिछले तीन साल से पत्नी के साथ प्रेम-प्रसंग चल रहा था। जब उसने इसका विरोध किया तो आरोपी उससे रंजिश रखने लगा। इसी वजह से उसने जानलेवा हमला किया। थानाध्यक्ष दीपक कुमार ने बताया कि घायल और आरोपी पहले आपस में दोस्त थे। सहार थाना क्षेत्र के एक ही बालू घाट की कंपनी में साथ काम करते थे। प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर लगातार छापेमारी की जा रही है। जल्द ही मामले का खुलासा कर दिया जाएगा।

बाइक पर बैठने से किया मना, प्लंबर मिस्त्री को पीटा

पटना। के प्लंबर मिस्त्री और उसके सहयोगी के साथ मारपीट हुई है। पीड़ित मिस्त्री पवन (21) के अनुसार वे भवन निर्माण विभाग के आवास नंबर-15 अपूर्वा अपार्टमेंट के पास एक मकान में मोटर ठीक करने गए थे। बाइक सामुदायिक भवन के पास खड़ी की थी। बगल में सीढ़ी थी, उसी पर बैठे थे। मेरा सहयोगी भी साथ बैठा था। इसी एक एक शख्स आया और मेरी बाइक पर बैठ गया। उसे मैंने बाइक से उतरने का आग्रह किया, लेकिन वो गाली-गलौज करने लगा। गुस्से में मेरा कॉलर पकड़ा और मुझे सड़क पर पटक दिया। मेरा सिर फट गया। पीड़ित पवन फुलवारीशरीफ का रहने वाला है। थानेदार प्रमोद कुमार ने बताया कि मामला संज्ञान में है। पीड़ित की ओर से आवेदन दिया गया है। जिसके आधार पर FIR दर्ज कर ली गई है। आरोपी गर्दनीबाग का रहने वाला है। पहचान हो गई है। गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। बहुत जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

जांच में गड़बड़ियां पकड़ी, क्लीनिक संचालक ने डॉक्टर को पीटा

औरंगाबाद। में एक चिकित्सक ने सदर प्रखंड के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉक्टर श्याम कुमार पर हमला कर दिया। रविवार देर शाम डॉक्टर श्याम शहर के दानी बिगहा स्थित अपने निजी क्लीनिक में बैठे थे। तभी निजी क्लीनिक के संचालक डॉक्टर अरुण कुमार मिश्रा पहुंचे। उनके हाथ में फाइटर था। जिससे उन्होंने हमला कर दिया। जिससे डॉक्टर श्याम घायल हो गए। उनका इलाज सदर अस्पताल में कराया गया। डॉ. श्याम कुमार ने बताया कि डॉ. अरुण कुमार मिश्र साईं कंफ्लेक्स में निजी क्लीनिक चलाते हैं। क्लीनिक की जांच की गई थी। पता चला कि वे एमबीबीएस, एमडी की डिग्री के नाम पर क्लीनिक चला रहे थे, जबकि उनकी वास्तविक शैक्षणिक योग्यता बीडीएस पाई गई। इसके अलावा क्लीनिक के पंजीकरण में भी कई तरह की गड़बड़ियां पाई गईं। स्वास्थ्य विभाग की ओर से 50 हजार रुपए का जुर्माना लगाया गया और क्लीनिक को बंद करने का आदेश दिया गया। इसी कार्रवाई से आक्रोशित होकर डॉ. अरुण कुमार मिश्रा ने रविवार की शाम आए और हमला कर दिया डॉ. श्याम कुमार ने बताया कि हमलावर ने मेरा गला दबाकर जान से मारने का भी प्रयास किया। शोर मचाने पर क्लीनिक के स्टाफ और स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और किसी तरह उन्हें हमलावर के चंगुल से छुड़ाया।

घटना की सूचना मिलते ही नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी चिकित्सक को हिरासत में ले लिया। हालांकि इस दौरान आक्रोशित लोगों ने आरोपी डॉक्टर की जमकर पिटाई कर दी, जिससे वह भी जख्मी हो गया।

नगर थानाध्यक्ष उपेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि आरोपी चिकित्सक को हिरासत में लिया गया है और मामले की जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि घायल सदर प्रभारी को इलाज के लिए सदर अस्पताल भेजा गया है। पुलिस मामले में लिखित आवेदन के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है।

ज्वेलर्स के परिवार को बंधक बनाकर 66 लाख की डकैती

जमुई। के सिकंदरा थाना क्षेत्र में रविवार देर रात 1 बजे हथियारबंद ज्वेलर को बंधक बनाकर 66 लाख रुपए की डकैती हुई है। अपराधियों ने विरोध करने पर बेटी के अपहरण की भी कोशिश की। डर के मारे परिवार सहमा हुआ है। घटना महादेव सिमरिया बाजार स्थित शकुंतला ज्वेलर्स एवं बर्तन दुकान की है। करीब 12 की संख्या में आए हथियारबंद बदमाशों ने लोहे की रॉड से दुकान का शटर उठाया और अंदर घुस गए। व्यवसायी मुकेश ठठेरा के विरोध करने पर लुटेरों ने घर के सदस्यों को हथियारों के बल पर बंधक बना लिया। इसके बाद उन्होंने दुकान से 6 लाख रुपए कैश और 60 लाख रुपए से अधिक के सोने-चांदी के गहने लूट लिए। कुल मिलाकर लगभग 66 लाख रुपए की संपत्ति लूटी गई मुकेश कुमार साव ने बताया कि, मैं 30 साल से महादेव सिमरिया बाजार पाठकचक रोड में घर बनाकर रह रहा हूं। घर के आगे ही शकुंतला ज्वेलर्स के नाम से दुकान चला रहा हूं। रविवार रात करीब 12 बजे शटर तोड़कर 12 की संख्या में अपराधी घर में घुस गए। उस वक्त हम सोए हुए थे। अपराधियों ने परिवार के बाकी लोगों के सिर पर बंदूक तान दी। 2 घंटे तक लूटपाट की। इस दौरान परिवार के लोगों के साथ मारपीट भी की गई। अपराधी घर और दुकान में रखे 6 लाख 40 हजार कैश और 400 ग्राम सोना, 50 किलो चांदी को लूटकर भाग गए। ज्वेलर की पत्नी रेणु देवी ने बताया कि, हम सभी लोग पलंग पर सोए थे। तभी तीन-चार बदमाश उसके पास पहुंचे और कंबल को उठाकर हथियार सटा दिया और कहा कि जल्दी से बताओ सोना चांदी कहां है। रुपए कहां है नहीं तो तुम्हारी बेटी को उठा कर ले जाएंगे। जिस कारण हम लोग डर गए और जहां भी सोने चांदी और रुपए थे अपराधियों को बता दिया। मैंने जो गहने पहने थे वो भी उन्होंने उतरवा लिए। सभी ने अपने चेहरे ढंके हुए थे। मैं उनमें से कुछ लोगों की आवाज पहचानती हूं। अपराधियों ने एक युवती का अपहरण करने का भी प्रयास किया, लेकिन व्यवसायी के विरोध के कारण वे इसमें सफल नहीं हो पाए और मौके से फरार हो गए। भागते समय लुटेरे दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे और डीवीआर भी अपने साथ ले गए। घटना की सूचना मिलने पर डायल 112 की पुलिस टीम मौके पर पहुंची, लेकिन सिकंदरा थाने की पुलिस 5 घंटे बीत जाने के बाद भी घटनास्थल पर नहीं पहुंची। इस बात को लेकर स्थानीय लोगों में पुलिस प्रशासन के खिलाफ भारी नाराजगी देखी जा रही है। पूरा परिवार रात के खाने के बाद सोने के लिए अपने-अपने कमरों में चला गया। बच्चे सर्दी होने के कारण थोड़ा पहले ही सोने जा चुके थे। रात 12 से 2 बजे का समय रहा होगा। एक दर्जन नकाबपोश अपराधी जमुई के सिकंदरा थाना क्षेत्र के महादेव सिमरिया के शकुंतला ज्वेलर्स व घर में दाखिल हुए। घर में घुसने की पूरी योजना उन्होंने ने पहले ही बना ली थी। घर में घुसते ही दंपती के माथे पर तमंचा सटा दिया और बोले-कहां रखा है सोना-चांदी बताओ नहीं तो तुम्हारी बेटी को उठा ले जाएंगे। ऐसे में एक पिता के सामने क्या ही विकल्प बच जाते हैं। अपने परिवार के साथ घर को लुटते देखने के अलावा वो कर भी क्या सकते थे। नकाबपोश एक-एक कर के कमरों में दाखिल हो रहे थे।

भाजपा के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बने नितिन नबीन

पटना। बिहार सरकार में मंत्री नितिन नबीन को भाजपा का राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया है। रविवार को भाजपा के पार्लियामेंट्री बोर्ड के इस फैसले की जानकारी राष्ट्रीय महामंत्री अरुण सिंह ने दी बीजेपी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बनाने के बाद नितिन नबीन ने सोमवार को पटना के हनुमान मंदिर में पूजा अर्चना की। इसके बाद वो अपने पिता को श्रद्धांजलि देने पहुंचे। नितिन नबीन सोमवार सुबह इंडिगो की फ्लाइट से 8.25 बजे की फ्लाइट से दिल्ली जाने वाले थे, लेकिन उनकी फ्लाइट 4 घंटे लेट हो गई है। वो दोपहर 1 बजे दिल्ली पहुंचे। दिल्ली बीजेपी दफ्तर में लंच को लेकर लिट्टी-चोखा, पुड़ी सब्जी, दही-चूड़ा और मखाने की खीर बनाई जा रही है।भाजपा ने साल 2020 में जेपी नड्डा को राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया था। 2024 में उनका कार्यकाल खत्म हुआ था। तब से वे एक्सटेंशन पर थे। नड्डा अभी केंद्र में स्वास्थ्य मंत्रालय संभाल रहे हैं। माना जा रहा है कि नितिन नबीन को ही राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया जाएगा। बीजेपी की ऐसे ही परंपरा रही है।नितिन नबीन दिल्ली एयरपोर्ट पहुंच चुके हैं।वो यहां से सीधे बीजेपी दफ्तर जाएंगे। यहां उनके भव्य स्वागत की तैयारी की गई है। बिहार के मंत्री नितिन नबीन को भाजपा का राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बनाए जाने पर उन्होंने कहा, हमेरी ओर से नितिन नबीन को बहुत-बहुत बधाई। ये सुयोग्य, युवा हैं, संगठन के साथ सरकार का भी अनुभव है। पार्टी को ये आगे बढ़ाएंगे यही कामना है। दिल्ली पहुंचने के बाद बीजेपी मुख्यालय में नितिन नबीन मेन गेट से अंदर जाएंगे। उसके बाद जेपी नड्डा उनको रिसीव करेंगे। ग्राउंड फ्लोर पर पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के कक्ष में नितिन नबीन पदभार संभालेंगे। दिल्ली बीजेपी मुख्यालय में बिहारी डिश की व्यवस्था की गई है। पुड़ी सब्जी, मखाने की खीर, दही चूड़ा और तिलकुट की व्यवस्था की गई है। बीजेपी के नए कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन थोड़ी देर में दिल्ली के लिए रवाना होंगे। दिल्ली जाने से पहले नितिन नबीन के आवास पर डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी पहुंचे। दोनों नेताओं के बीच बंद कमरे में मुलाकात हुई है। बीजेपी के कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नबीन आज दिल्ली जाएंगे। दिल्ली बीजेपी दफ्तर में उनके स्वागत की भव्य तैयारी की गई है।भारतीय जनता पार्टी ने रविवार को बिहार सरकार में मंत्री नितिन नबीन को पार्टी का नया कार्यकारी अध्यक्ष बनाया है। जेपी नड्डा के बाद अब पार्टी की जिम्मेदारी वही संभालेंगे। वहीं, राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बनने के बाद बिहार के मंत्री नितिन नबीन ने कहा- यह पार्टी कार्यकताओं की कड़ी मेहनत का नतीजा है और मेरा मानना है कि कार्यकर्ता के रूप में काम करने से पार्टी के वरिष्ठ नेता हमेशा इस पर ध्यान देते हैं। बांकीपुर से बीजेपी विधायक और पथ निर्माण मंत्री नितिन नबीन पर 5 आपराधिक मामले दर्ज हैं। इनके पास 92.71 लाख रुपए की चल संपत्ति है। अचल संपत्ति नहीं है। नितिन नबीन की पत्नी दीपमाला श्रीवास्तव के पास 66.52 लाख रुपए की चल और 1.47 करोड़ रुपए की अचल संपत्ति है। बीजेपी के कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नबीन को आज सुबह 8.25 की फ्लाइट से दिल्ली रवाना होना था, लेकिन उनकी फ्लाइट 2 घंटे लेट हो गई है। अब वो 10.25 की फ्लाइट से दिल्ली रवाना होंगे। नितिन नबीन ने कहा कि पिता जी के निधन के बाद पार्टी ने मुझे मौका दिया। कार्यकताओं के साथ काम सीखते हुए हम इस स्थान पर पहुंचे हैं। पिता जी के जो विचार थे। पार्टी को हमेशा अपने मां के समान समझना। देश को ऊंचाई पर रखना। उसी आधार पर हमलोगों ने काम किया है। मैं पिता जी को नमन करता हूं। उनके सम्मान को बढ़ाने का प्रयास करूंगा।

संक्षिप्त डायरी

बिहार में 4 दिनों तक छाया रहेगा घना कोहरा

पटना। बिहार में लगातार ठंड बढ़ रही है। इसके साथ ही सुबह-सुबह घना कोहरा छाए रहने से विजिबिलिटी कम दर्ज हो रही है। मौसम विभाग के अनुसार बक्सर, बेगूसराय, आरा, पटना समेत कई जिलों में विजिबिलिटी कम है। बक्सर में 20 मीटर की विजिबिलिटी है। कोहरे की वजह से वहां कार और ट्रक में टक्कर हो गई। सभी कार सवार सुरक्षित हैं। कार पर स्वास्थ्य विभाग का स्टीकर लगा हुआ है। सभी बनारस से लौट रहे थे। अगले तीन से चार दिनों तक सुबह के समय राज्य के अधिकांश क्षेत्रों में घना कोहरा छाया रहेगा। विजिबिलिटी के 150 से 200 मीटर के आसपास बने रहने की संभावना है। साथ ही 8 डिग्री न्यूनतम तापमान के साथ किशनगंज सबसे ठंडा जिला रहा। जबकि पटना का तापमान 14 डिग्री के आसपास दर्ज किया गया। बीते 24 घंटों के दौरान न्यूनतम तापमान में 0.5 से 1.5 डिग्री तक का उतार-चढ़ाव दर्ज की गई है। इसके अलावा, पटना में अइक्यूलेवल 151 से 333 तक पहुंच गया है। पटना एयरपोर्ट और वेटनरी मैदान के आसपास की हवा लगातार खराब हो रही है हावड़ा से प्रयागराज रामबाग 12333 विभूति एक्सप्रेस 4 घंटे 20 मिनट की देरी से चल रही है। ई दिल्ली जंक्शन से हावड़ा 12304 पूर्वा एक्सप्रेस 1 घंटे 40 मिनट की देरी से चल रही है बरौनी से दानापुर जंक्शन चलने वाली गाड़ी नंबर 63217 30 मिनट की देरी से चल रही है।आने वाले समय में कैसा रहेगा मौसममौसम विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में ठंड और भी बढ़ सकती है। दिन में हल्की धूप निकलने से तापमान सामान्य के आसपास रहने की संभावना है। फिलहाल बारिश की संभावना नहीं है। मौसम विज्ञान केंद्र ने लोगों को सलाह दी है कि वे सुबह-शाम ठंड से बचाव के लिए आवश्यक सावधानी बरतें। खासकर बुजुर्गों और बच्चों का विशेष ध्यान रखें।बक्सर जिले के चौसा में सोमवार की सुबह धुंध के कारण ट्रक से कार की टक्कर हो गई। सभी कार सवार सुरक्षित हैं। कार पर बिहार सरकार स्वास्थ्य विभाग लिखा हुआ है। सभी बनारस से लौट रहे थे। मधेपुरा में आज मौसम साफ है। घना कुहासा नहीं है, लेकिन कनकनी महसूस हो रही है। विजिबिलिटी 200 मीटर है। न्यूनतम तापमान 10.5 डिग्री सेल्सियस है।

एफसीआई के रिटायर्ड कर्मी के घर में चोरी

पटना। बाढ़ थाना क्षेत्र के अगवानपुर पंचायत स्थित ललितपुर गांव में एफसीआई के सेवानिवृत्त कर्मी के बंद घर से लाखों रुपए की चोरी हो गई। सोमवार सुबह जब परिवार घर पहुंचा, तो उन्हें चोरी का पता चला। चोरों ने घर से सोने-चांदी के गहने, कीमती बर्तन, नए कपड़े और नगदी चुरा ली। परिवार ने बताया कि वे मुगलसराय में रहते हैं और कभी-कभी ही गांव आते हैं। सोमवार सुबह करीब 5 बजे जब वे ललितपुर स्थित अपने घर पहुंचे, तो बाहर से घर बंद था, लेकिन अंदर कमरे का दरवाजा खुला मिला। चोरों ने दरवाजे की कुंडी तोड़कर वारदात को अंजाम दिया।सेवानिवृत्त कर्मी के परिजनों के अनुसार, वे लगभग 20 दिन पहले यहां आए थे और उसके बाद घर में ताला लगाकर चले गए थे। निरंजन नामक एक परिजन ने बताया कि चोरी पिछले 20 दिनों के अंतराल में हुई है। उन्होंने लगभग ढाई लाख रुपए की चोरी का अनुमान लगाया है। मौके से चोरों का एक मफलर भी बरामद हुआ है। सुंदरी देवी ने बताया कि चोर कांसा, पीतल और चांदी के बर्तन, सोने-चांदी के गहने, कपड़े और 15-20 हजार रुपए नगद ले गए हैं। परिजन ने घटना की जानकारी डायल-112 को दी है, जिसके बाद पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पटना में जमीन विवाद पर फायरिंग, एक गिरफ्तार

फुलवारीशरीफ। पटना के बेउर में जमीन विवाद को लेकर एक व्यक्ति पर गोलीबारी की घटना सामने आई है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से एक लाइसेंसी बंदूक और तीन खाली खोखे बरामद किए गए हैं। यह घटना रविवार को बेउर थाना क्षेत्र की वृंदावन कॉलोनी में हुई। पीड़ित कृपानंद सिंह अपनी जमीन की बाउंड्री देखने गए थे। आरोप है कि इसी दौरान उनके पड़ोसी रामजीवन कुमार ने उनसे गाली-गलौज की और अपने घर की छत से अपनी लाइसेंसी बंदूक से तीन राउंड फायरिंग की।गोलीबारी में किसी के हताहत नहीं हुई इस गोलीबारी में किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है। घटना के बाद कृपानंद सिंह ने बेउर थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई। शिकायत मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी रामजीवन कुमार को उनके घर से गिरफ्तार कर लिया। छानबीन के दौरान पुलिस ने रामजीवन कुमार की डीबीबीएल बंदूक और तीन खाली खोखे जब्त किए। फुलवारी शरीफ के पुलिस अनुमंडल पदाधिकारी सुशील कुमार ने घटना की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है।

पटना में मिला बच्चे का कटा हुआ पैर

पटना। के दीघा इलाके के कुर्जी मोड़ के पास रविवार को एक लावारिस बच्चे का पैर नाला से मिला है। इसके बाद इलाके में सनसनी फैल गई है। दरअसल, आवारा कुत्ते कुर्जी मोड़ के पास नाले में पड़े पैर को ट्रैफिक पुलिस के चेकपोस्ट के करीब लाकर नोच रहे थे। इसी बीच वहां से गुजर रहे राहगीरों की नजर पड़ी, और देखते देखते भीड़ जमा हो गई। राहगीरों ने कुत्तों को भगाया। इसके बाद राहगीरों में से किसी एक ने पुलिस को इन्फॉर्म किया। जिसके बाद दीघा थाने की पुलिस वहां पहुंची। बच्चे की बॉडी के लिए चला सर्च ऑपरेशन इलाके में पहले बच्चे की बॉडी के लिए सर्च ऑपरेशन चलाया गया। चेक पोस्ट से लेकर गंगा नदी के घाट तक तकरीबन डेढ़ घंटे तक पुलिस बॉडी की तलाश में खाक छानती रही। लेकिन पैर के अलावा बॉडी नहीं मिली।

सेमाग्लूटाइड का पेटेंट समाप्त होते ही मधुमेह और मोटापे की दवाएं होंगी सस्ती

दवाओं में 80 फीसदी तक कटौती की संभावना

नई दिल्ली ।

मार्च 2026 में टाइप-2 मधुमेह की प्रमुख दवा सेमाग्लूटाइड का पेटेंट समाप्त होने जा रहा है। इसके बाद भारत में इसकी जेनेरिक दवाओं का बाजार खुल जाएगा, जिससे दवा की कीमत में लगभग 80 प्रतिशत तक की गिरावट होने की संभावना है। इस बदलाव से मधुमेह और मोटापे के मरीजों के लिए इलाज अधिक सस्ता और सुलभ हो जाएगा। जीएलपी-1 दवाओं का बाजार तेजी से बढ़ रहा है। फार्माट्रैक के एक अधिकारी के अनुसार शुरुआती उच्च कीमतों के कारण यह बाजार 1,000 करोड़ रुपये से ऊपर पहुंच गया था। लेकिन पेटेंट खत्म होने के बाद कीमतें घटेंगी, जिससे कंपनियों की आमदनी पर असर और बाजार में प्रतिस्पर्धा तेज होगी। डॉ. रेड्डीज, सिप्ला, मैनकाइंड फार्मा और सन फार्मा जैसी कंपनियां पहले से ही सेमाग्लूटाइड के जेनेरिक संस्करण के लिए तैयारी कर रही हैं। देश में चिकित्सा सेवाओं के विस्तार से मरीजों की संख्या बढ़ेगी, लेकिन जीएलपी-1 दवाओं के साइड इफेक्ट जैसे मतली, उल्टी, दस्त, कब्ज और कुछ मामलों में बालों का झड़ना भी बढ़ सकते हैं। डॉक्टरों के अनुसार, अधिक मरीजों को दवा देने से उपचार बीच में छोड़ने की दर यानी ड्रॉपआउट बढ़ सकती है। शुरुआती मांग में उछाल कुछ महीनों में स्थिर हो सकता है। हालांकि, दवा की सस्ती कीमत से उपभोक्ता आधार बढ़ेगा लेकिन कंपनियों को नई प्रतिस्पर्धा और बदलते खपत पैटर्न का सामना करना पड़ेगा।

कोरोना रेमेडीज़ आईपीओ की जोरदार लिस्टिंग

नई दिल्ली ।

गुजरात स्थित फार्मास्यूटिकल कंपनी कोरोना रेमेडीज़ के शेयर सोमवार को बाजार में गिरावट के बावजूद मजबूती के साथ लिस्ट हुए। बीएसई पर शेयर 1,452 रुपये पर लिस्ट हुए, जो आईपीओ की अपर प्राइस 1,062 रुपये से 36 फीसदी अधिक है। वहीं एनएसई पर शेयर 1,470 रुपये पर लिस्ट हुए, जो आईपीओ प्राइस से 38 फीसदी ज्यादा है। हालांकि लिस्टिंग के बाद शेयर लगभग 2 फीसदी नीचे कारोबार कर रहे थे। लिस्टिंग से पहले कंपनी के अनलिस्टेड शेयर ग्रे मार्केट में 1,404.5 रुपये पर कोट किए जा रहे थे।

इससे अनुमान लगाया जा रहा था कि आईपीओ प्राइस के मुकाबले ग्रे मार्केट प्रीमियम लगभग 32 फीसदी रहेगा। लिस्टिंग के परिणाम ने इस अनुमान को पार करते हुए निवेशकों को उत्साहित किया। कोरोना रेमेडीज़ के आईपीओ के लिए निवेशकों का उत्साह अत्यधिक देखा गया। इश्यू अंतिम दिन कुल 144.54 गुना सब्सक्राइब हुआ। कंपनी ने 6.2 लाख शेयरों के ऑफर फॉर सेल के जरिए 655.3 करोड़ रुपये जुटाने का लक्ष्य रखा था।

मारुति का भारत में ईवी योजना के लिए स्थानीयकरण पर जोर

– कंपनी अगले साल घरेलू बाजार में अपना पहला ईवी ई-वीटारा, पेश करेगी

नई दिल्ली ।

मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) अगले कुछ वर्षों में अपने इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) के बैटरी उत्पादन और अन्य महत्वपूर्ण घटकों के स्थानीयकरण की योजना बना रही है। कंपनी फिलहाल बैटरियों का आयात करती है, लेकिन कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार इसे चरणबद्ध तरीके से देश में तैयार करने की संभावना है। इस कदम से कंपनी भारत में ईवी निर्माण क्षमता बढ़ाने और स्थानीय उत्पादन को मजबूत बनाने का प्रयास कर रही है। एमएसआई अगले साल घरेलू बाजार में अपना पहला ईवी, ई-वीटारा पेश करने वाली है। इसके साथ ही ई-वीटारा का निर्यात भी शुरू हो चुका है, और अब तक 10,000 इकाइयाँ 26 देशों में भेजी जा चुकी हैं। कंपनी का लक्ष्य ईवी पोर्टफोलियो में आने वाले वर्षों में और भी मॉडल शामिल करना है। अधिकारी ने कहा कि भारत में ईवी की लोकप्रियता तभी बढ़ेगी जब ग्राहक इसे मुख्य वाहन के रूप में अपनाने के लिए भरोसा महसूस करें। वर्तमान में अधिकांश खरीदार ईवी का उपयोग अतिरिक्त वाहन के रूप में कर रहे हैं। ड्राइविंग रेंज और शुरुआती उत्पादों के अनुभवों ने ग्राहकों में नकारात्मक धारणाएँ उत्पन्न की हैं। एमएसआई का लक्ष्य 2029-30 तक अपने उत्पाद खंड में 5 ईवी मॉडल शामिल करना है। इसके अलावा कंपनी डीलर पार्टनर और चार्जिंग पॉइंट ऑपरेटर के साथ साझेदारी में लगभग 1 लाख चार्जिंग स्टेशन 2030 तक स्थापित करना चाहती है। इस पहल से कंपनी ईवी क्षेत्र में नेतृत्व स्थिति हासिल करने और देश में बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की दिशा में कदम बढ़ा रही है।

सर्दियों के उड़ान शेड्यूल में इंडिगो आगे, एयरइंडिया समूह पीछे

- अंतरराष्ट्रीय उड़ानों और सीटों की संख्या में बड़ा बदलाव, बाजार हिस्सेदारी में भी उलटफेर

नई दिल्ली । इस सर्दियों के उड़ान शेड्यूल (अक्टूबर से मार्च) में भारत की सबसे बड़ी निजी एयरलाइन इंडिगो ने अंतरराष्ट्रीय उड़ानों और सीटों की संख्या के मामले में एयरइंडिया समूह को पीछे छोड़ दिया है। एक वैश्विक विमानन डेटा कंपनी के आंकड़ों के अनुसार इंडिगो ने अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेजी से विस्तार किया है, जबकि एयरइंडिया समूह को घरेलू और संचालन संबंधी कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। वैश्विक विमानन डेटा कंपनी के मुताबिक, इस सर्दियों में इंडिगो की अंतरराष्ट्रीय उड़ानों की संख्या 14.5 प्रतिशत बढ़कर 44,035 हो गई है। पिछली सर्दियों में यह आंकड़ा 38,481 था। साथ ही इंडिगो ने अपनी अंतरराष्ट्रीय सीटों की संख्या 74 लाख से बढ़ाकर 86 लाख कर दी है। इसके चलते भारत से आने-जाने वाली अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में इंडिगो की बाजार हिस्सेदारी 20 प्रतिशत से बढ़कर 22.1 प्रतिशत हो गई है। एयरइंडिया और एयर इंडियन एक्सप्रेस को मिलाकर बने एयरइंडिया समूह ने इस सर्दियों में अपनी अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में 9 प्रतिशत से अधिक की कटौती की है। पिछले साल जहां समूह की 45,958 उड़ानें थीं, वहीं इस बार यह संख्या घटकर 41,626 रह गई है। सीटों के मामले में भी गिरावट दर्ज की गई है। पिछले सर्दियों में 92 लाख सीटों के मुकाबले इस बार यह संख्या घटकर 83 लाख रह गई है, जिससे समूह की बाजार हिस्सेदारी 24 प्रतिशत से घटकर 21 प्रतिशत हो गई। विशेषज्ञों के अनुसार, पर्याप्त पायलटों के बिना तेजी से विस्तार और नए फ्लाइट ड्यूटी नियम एयरइंडिया की मुश्किलें बढ़ा रहे हैं। वहीं, नागरिक उड्डयन मंत्रालय की नीति के तहत विदेशी एयरलाइनों को व्यस्त भारतीय रूट्स पर सीमित अनुमति मिलने से घरेलू एयरलाइनों को फायदा हुआ है। हालांकि, आलोचकों का कहना है कि इससे प्रतिस्पर्धा और यात्रियों के विकल्प सीमित हो सकते हैं। इस सर्दियों में कई विदेशी एयरलाइनों ने अपनी उड़ानें घटाई हैं। वहीं, भारतीय एयरलाइन अकासा एयर ने सबसे तेज बढ़त दर्ज की है, हालांकि बड़े विमानों की कमी के कारण वह लंबी दूरी के रूट्स पर उड़ानें नहीं चला पा रही है।

रुपए की कमजोरी और चिप संकट से टीवी महंगे होने की संभावना

रुपये के कमजोर होने से इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनियों की लागत बढ़ी

मुंबई । नए साल से टीवी की कीमतों में बढ़ोतरी की संभावना है। रुपये के कमजोर होने से इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनियों की लागत बढ़ गई है। रुपए ने हाल ही में पहली बार डॉलर के मुकाबले 90 का स्तर पार किया है। टीवी के प्रमुख कंपोनेंट जैसे ओपन सेल, सेमीकंडक्टर चिप और मदरबोर्ड बड़े पैमाने पर आयात होते हैं। इसलिए रुपये की कमजोरी सीधे टीवी की कीमतों पर असर डाल रही है। दुनियाभर में मेमोरी चिप की कीमतें तेज़ी से बढ़ रही हैं। एआई सर्वर्स की बढ़ती मांग के कारण ड्रम और फ्लैश मेमोरी की आपूर्ति टीवी और पारंपरिक इलेक्ट्रॉनिक्स के लिए सीमित हो गई है। कंपनियां मुनाफे वाले एआई चिप्स पर फोकस कर रही हैं, जिससे सप्लाई और कीमतों पर दबाव बढ़ गया है। इंडस्ट्री रिपोर्ट्स के अनुसार एलईडी टीवी के दाम 3-4 फीसदी तक बढ़ सकते हैं। वहीं सुपर प्लास्ट्रोनिक्स प्राइवेट लिमिटेड के अनुसार कुछ ब्रांड्स में 7-10 फीसदी तक की बढ़ोतरी संभव है। यदि टीवी की कीमत 50,000 रुपये है, तो यह बढ़ोतरी 1,500 से 5,000 रुपये तक हो सकती है। हाल ही में सरकार ने 32 इंच और उससे बड़े टीवी पर जीएसटी 28 फीसदी से घटाकर 18 फीसदी कर दिया था, जिससे कीमतों में औसतन 4,500 रुपये की राहत मिली। लेकिन बढ़ती लागत और सप्लाई संकट के कारण यह राहत उपभोक्ताओं तक पूरी तरह नहीं पहुंच पाएगी।

भारतीय म्यूचुअल फंड ने 25 सालों में बनाया 80 लाख करोड़ का रिकॉर्ड

मुंबई । भारतीय म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री ने नवंबर 2025 तक एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) में नया रिकॉर्ड स्थापित किया है। इंडस्ट्री का एयूएम बढ़कर 80.80 लाख करोड़ रुपए हो गया है, जबकि 2000 में यह केवल 1.03 लाख करोड़ रुपए था। यूटीआई का दबदबा उस समय 66 फीसदी था। 2020 से 2025 के बीच इंडस्ट्री ने लगभग तीन गुना वृद्धि दर्ज की। फोलियो की संख्या मई 2021 में 10 करोड़ थी, जो नवंबर 2025 तक बढ़कर 25.86 करोड़ हो गई। निवेशक अब अधिकतर इक्विटी और हाइब्रिड योजनाओं में निवेश कर रहे हैं। एसआईपी ने निवेश को नियमित आदत में बदल दिया है, जिससे बाजार में स्थिर पूंजी प्रवाह बना हुआ है। डिजिटल प्लेटफॉर्म्स ने निवेश प्रक्रिया आसान कर दी है, जिससे छोटे शहरों और गांवों के निवेशक भी शामिल हो रहे हैं। इसके अलावा भारतीय शेयर बाजार का लंबी अवधि में मजबूत प्रदर्शन निवेशकों का आत्मविश्वास बढ़ा रहा है।

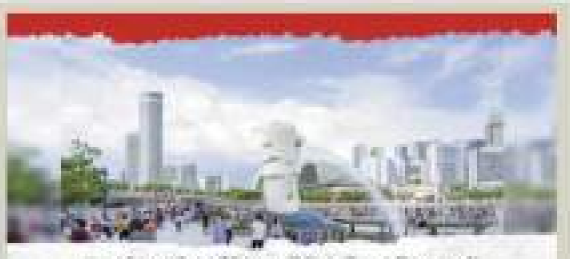
भारतीय पर्यटक सिंगापुर में विलासिता की वस्तुओं पर सबसे अधिक खर्च करने वाले शामिल हुए

भारतीय पर्यटक सिंगापुर में विलासिता पर अधिक खर्च करने वालों में शामिल

- 2025 की पहली छमाही में भारतीय पर्यटकों ने 81.217 करोड़ सिंगापुर डॉलर खर्च किए

सिंगापुर ।

सिंगापुर पर्यटन बोर्ड (एसटीबी) के आंकड़ों के अनुसार, 2025 की पहली छमाही में भारतीय पर्यटकों ने 81.217 करोड़ सिंगापुर डॉलर खर्च किए, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 4.40 फीसदी अधिक है। एक बिजनेस एसोसिएशन के मुताबिक भारतीय यात्री सिंगापुर के सबसे महत्वपूर्ण बाजारों में शामिल हैं। औसतन 6.3 दिन तक ठहरने वाले ये पर्यटक खुदरा, भोजन, मनोरंजन, दर्शनीय स्थलों और आवास पर अधिक खर्च करते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, चीन और इंडोनेशिया के पर्यटक भी सिंगापुर में विलासिता पर अधिक खर्च कर रहे हैं, जबकि वैश्विक स्तर पर विलासिता खर्च में गिरावट देखी जा रही है। एसटीबी के आंकड़ों के अनुसार जनवरी से अक्टूबर 2025 तक भारतीय पर्यटकों की संख्या 10 लाख तक पहुंच गई, जो पिछले वर्ष की तुलना में 2.6 फीसदी अधिक है। कुल मिलाकर, सिंगापुर में इस अवधि में 1425 लाख पर्यटक आए, जिनमें 2.5 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई।

भारतीय उपभोक्ता सबसे आशावादी, वैश्विक संघर्षों का कम असर

नई दिल्ली । भारतीय उपभोक्ताओं का विश्वास मजबूत आर्थिक वृद्धि से प्रभावित होकर पूरे वर्ष स्थिर रहा। बीसीजी की नवीनतम ग्लोबल कंज्यूमर रडार रिपोर्ट के अनुसार 61 प्रतिशत भारतीय लगातार अच्छे समय की उम्मीद रखते हैं। यह उन्हें दुनिया के सबसे आशावादी बाजारों में शामिल करता है। रिपोर्ट में बताया गया कि केवल 17 प्रतिशत भारतीय उपभोक्ता मानते हैं कि हाल के वैश्विक राजनीतिक संघर्ष या घटनाएं देश की वृद्धि को धीमा करेंगी। यह चीन के बाद सबसे कम आंकड़ा है। इसके विपरीत, ब्रिटेन, फ्रांस और जर्मनी में 60 प्रतिशत से अधिक लोग आर्थिक मंदी की आशंका जताते हैं। रिपोर्ट में विकसित देशों (फ्रांस, जर्मनी, ब्रिटेन, अमेरिका, जापान) और विकासशील देशों (भारत, चीन, मैक्सिको, ब्राजील) को शामिल किया गया। भारत में 34 प्रतिशत उपभोक्ता बेरोजगारी या मंदी की चिंता करते हैं। कुल मिलाकर, भारत चीन के बाद दूसरा सबसे आशावादी बाजार है और वैश्विक औसत -12 प्रतिशत से काफी ऊपर बना हुआ है।

वेकफिट इनोवेशंस के आईपीओ की सुस्त लिस्टिंग

- 195 रुपए पर सपाट लिस्ट हुए शेयर

नई दिल्ली । होम और स्लीप सॉल्यूशन प्रोवाइडर वेकफिट इनोवेशंस का आईपीओ सोमवार 15 दिसंबर को सूचीबद्ध हुआ। इस इश्यू के जरिए कंपनी ने कुल 1,288.89 करोड़ जुटाए, जिसमें 1.93 करोड़ शेयरों का फ्रेश इश्यू 377.18 करोड़ रुपए और 4.68 करोड़ शेयरों के ओएफएस से 911.71 करोड़ रुपए शामिल थे। प्राइस बैंड 185-195 रुपए रखा गया था और लॉट साइज 76 शेयर थी। आईपीओ करीब 2.52 गुना सब्सक्राइब हुआ। एनएसई पर शेयर 195 रुपए प्रति शेयर पर लिस्ट हुआ, जबकि बीएसई पर 194.10 रुपए पर खुले। यह प्रदर्शन अपेक्षाकृत सुस्त रहा। डेब्यू से पहले डी-स्ट्रीट पर अनलिस्टेड शेयर 199 रुपए के भाव पर कोट थे, जिससे जीएमपी 4 रुपए प्रति शेयर या लगभग 2.05 फीसदी था। लिस्टिंग ग्रे मार्केट अनुमानों से थोड़ी कम रही।

थोक मूल्य मुद्रास्फीति नवंबर में शून्य से नीचे, खाद्य और ईंधन सस्ते

- नवंबर 2025 में डब्ल्यूपीआई -0.32 फीसदी दर्ज, लगातार दूसरा महीना नकारात्मक रहा

नई दिल्ली ।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार नवंबर 2025 में थोक मूल्य आधारित मुद्रास्फीति (डब्ल्यूपीआई) -0.32 फीसदी दर्ज की गई। यह लगातार दूसरा महीना है जब थोक मुद्रास्फीति शून्य से नीचे रही। अक्टूबर में यह -1.21 फीसदी थी। खाद्य और ईंधन की कीमतों में गिरावट मुख्य कारण रही। नवंबर में खाद्य वस्तुओं की थोक मुद्रास्फीति -2.60 फीसदी रही, जबकि अक्टूबर में यह -5.04 फीसदी थी। प्याज के दाम सालाना आधार पर 64.70 फीसदी, आलू 36 फीसदी, सब्जियों 20.23 फीसदी और दालों 15.21 फीसदी घटे। गेहूं, धान और फलों की कीमतों में भी गिरावट देखी गई। ईंधन की कीमतों में भी कमी रही। कच्चे तेल के दाम 13.92 फीसदी, रसोई गैस 12.78 फीसदी, पेट्रोल 1.75 फीसदी और डीजल 1.64 फीसदी सस्ते हुए। अन्य वस्तुओं की कीमतें या तो स्थिर रहीं या वृद्धि दर धीमी रही। खुदरा मुद्रास्फीति (सीपीआई) दिसंबर में 0.71 फीसदी रही, जो संकेत देती है कि आम जनता के लिए महंगाई भी नियंत्रण में है। रिजर्व बैंक ने चालू वित्त वर्ष की मुद्रास्फीति का अनुमान 2 फीसदी कर दिया है। तीसरी तिमाही में 0.6 फीसदी और चौथी तिमाही में 2.9 रहने की संभावना है। अगले वित्त वर्ष की पहली और दूसरी तिमाही में मुद्रास्फीति क्रमशः 3.9 और 4 फीसदी रहने की उम्मीद है। खाद्य और ईंधन की कीमतों में गिरावट के कारण थोक और खुदरा मुद्रास्फीति दोनों कम रहीं। यह स्थिति उपभोक्ताओं के लिए राहत भरी है, लेकिन विशेषज्ञ अगले वित्त वर्ष में वैश्विक कीमतों और मांग के आधार पर मुद्रास्फीति बढ़ने की संभावना भी जताते हैं।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 54, निफ्टी 19 अंक गिरा

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार सोमवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 54.30 अंक टूटकर 85,213.36 अंकों पर बंद हुआ। इसी तरह 50 शेयरों वाला एनएसई का निफ्टी भी 19.65 अंक नीचे आकर 26,027.30 अंकों पर बंद हुआ। वहीं पिछले कारोबारी दिवस शुक्रवार को बाजार बढ़त के साथ बंद हुआ था।

आज सेंसेक्स की 30 में से 16 कंपनियों के शेयर गिरावट पर बंद हुए। वहीं 14 कंपनियों के शेयरों में तेजी रही। इसी प्रकार निफ्टी की 50 में से केवल 22 कंपनियों के शेयर ही तेजी के साथ बंद हुए। वहीं बची हुई 27 कंपनियों के शेयर नीचे आये जबकि एक कंपनी के शेयर में बदलाव नहीं रहा।

आज सेंसेक्स की कंपनियों में शामिल हिंदुस्तान यूनिलीवर के शेयर सबसे ज्यादा 1.37 फीसदी की बढ़त लेकर बंद हुए और महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयर सबसे ज्यादा 1.92 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुए। वहीं ट्रेंट के शेयर 1.11 फीसदी, एचसीएल टेक 0.68 फीसदी, इंफोसिस 0.57 फीसदी, एशियन पेंट्स 0.53 फीसदी, टाटा स्टील 0.52 फीसदी, टीसीएस 0.42 फीसदी, एलएंडटी 0.40 फीसदी, कोटक महिंद्रा बैंक 0.37 फीसदी, आईटीसी 0.37फीसदी। वहीं दूसरी ओर, सोमवार को मारुति सुजुकी के शेयर 0.89 फीसदी, अडाणी पोर्ट्स 0.81 फीसदी, बजाज फिनसर्व 0.75 फीसदी, टाइटन 0.64 फीसदी, एचडीएफसी बैंक 0.56 फीसदी, भारती एयरटेल 0.54 फीसदी, बजाज फाइनेंस 0.53 फीसदी, पावरग्रिड 0.53फीसदी, एनटीपीसी 0.37 फीसदी।

इससे पहले आज सुबह तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स कमजोरी के साथ 84,891 अंक पर खुला। बाजार खुलते ही बिकवाली का दबाव बढ़ता गया, जिससे इंडेक्स और नीचे फिसल गया। सुबह शुरुआत के बाद सेंसेक्स 363.30 अंक की गिरावट के साथ 84,904.36 अंक पर कारोबार करता नजर आया। बैंकिंग, आईटी और ऑटो शेयरों में दबाव का असर सेंसेक्स पर साफ दिखाई दिया। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 भी गिरावट के साथ 25,930 अंक पर खुला। शुरुआती सत्र में इसमें और कमजोरी आई। मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में भी सीमित दबाव देखने को मिला।

एशियाई बाजारों में सोमवार को गिरावट देखने को मिली। वॉल स्ट्रीट में पिछले सप्ताह के अंत में आई कमजोरी का असर इन बाजारों पर पड़ा। निवेशकों ने एआई आधारित तेजी से कुछ समय के लिए दूरी बना ली। दक्षिण कोरिया का कोस्पी 2.16 फीसदी टूट गया, जापान का निक्केई 225 में 1.3 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। जबकि ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी/एएसएक्स 200 इंडेक्स 0.66 फीसदी फिसल गया।

अमेरिका में भी कमजोरी- अमेरिका में वॉल स्ट्रीट के प्रमुख इंडेक्स भी कमजोरी के साथ बंद हुए। निवेशकों ने टेक्नोलॉजी शेयरों से पैसा निकालकर अन्य सेक्टरों में लगाया। इससे एसएंडपी 500 और नैस्डैक में 1 फीसदी से ज्यादा की गिरावट आई।

कवच 4.0 रेल सुरक्षा प्रणाली विकसित करने नोवा और टाटा एलेक्सी ने की साझेदारी

– कवच प्रणाली की प्रति किलोमीटर लागत लगभग 50-60 लाख रुपए

नई दिल्ली ।

नोवा कंट्रोल टेक्नोलॉजिक्स, ईडुई ट्रांसपोर्टेशन इन्फ्रास्ट्रक्चर की डीपटेक क्षेत्र की सहायक कंपनी, और टाटा एलेक्सी ने मिलकर भारत की स्वदेशी स्वचालित रेल सुरक्षा प्रणाली कवच 4.0 की अगली पीढ़ी विकसित करने का निर्णय लिया है। इस साझेदारी के तहत नोवा प्राथमिक ओईएम के रूप में विनिर्माण, परीक्षण और एकीकरण की जिम्मेदारी संभालेगी, जबकि टाटा एलेक्सी हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर डिजाइन, प्रोटोटाइपिंग, सुरक्षा प्रमाणन और साइबर सुरक्षा इंजीनियरिंग का नेतृत्व करेगी। नोवा के एक प्रमुख अधिकारी के अनुसार कवच प्रणाली की प्रति किलोमीटर लागत लगभग 50-60 लाख है। प्रारंभिक रूप से भारतीय रेलवे के लगभग 40,000 किलोमीटर नेटवर्क में इसे लागू किया जाएगा। प्रत्येक रेल इंजन के लिए शुरुआती निवेश 70-80 लाख रुपए होगा। इसके चलते चरण-1 के लिए कुल निवेश लगभग 50,000 करोड़ रुपए होने का अनुमान है। परियोजना का कार्यान्वयन अगले 6-7 वर्षों में पूरा होने की संभावना है। कंपनियां दक्षिण पूर्व एशिया, अफ्रीका और पश्चिम एशिया जैसे निर्यात बाजार को भी लक्षित कर रही हैं, जिससे भविष्य में कारोबार में वृद्धि की संभावना है। टाटा एलेक्सी के प्रमुख ने बताया कि कवच 4.0 का डिजाइन इस तरह से किया जा रहा है कि भविष्य में कवच 5.0, जिसमें साइबर सुरक्षा और मूविंग ब्लॉक जैसी सुविधाएं होंगी, आसानी से जोड़ी जा सके। 2013-14 में भारतीय रेलवे द्वारा सुरक्षा पर खर्च 39,463 करोड़ था, जो 2025-26 में बढ़कर लगभग 1.16 लाख करोड़ रुपए होने की संभावना है। इस परियोजना से भारतीय रेलवे के सुरक्षा नेटवर्क को आधुनिक और विश्वसनीय बनाने में महत्वपूर्ण योगदान मिलेगा।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सोमवार को भारतीय रुपया 26 पैसे की गिरावट के साथ ही 90.75 पर बंद हुआ। विदेशी निवेशकों द्वारा लगातार पूंजी निकासी के कारण सोमवार को शुरुआती कारोबार में रुपया कमजोर हो गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सुबह 90.53 पर खुला और गिरकर अब तक के सबसे निचले स्तर 90.58 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। यह पिछले बंद भाव के मुकाबले नौ पैसे की गिरावट दिखाता है। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के अनुसार निवेशक भारत-अमेरिका व्यापार समझौते से जुड़े स्पष्ट संकेतों का इंतजार कर रहे हैं, जिससे बाजार में सतर्कता बनी हुई है। इससे रुपये पर दबाव बढ़ा है। उल्लेखनीय है कि इससे पहले शुक्रवार को रुपया 17 पैसे टूटकर 90.49 प्रति डॉलर के सर्वकालिक निचले स्तर पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की मजबूती को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.05 फीसदी की हल्की गिरावट के साथ 98.35 पर रहा।

सीएम योगी ने सरदार पटेल को दी श्रद्धांजलि

बोले: आजादी के आंदोलन का उन्होंने नेतृत्व किया, विभाजन के विरोधी रहे

लखनऊ। लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की पुण्यतिथि पर लखनऊ में श्रद्धांजलि कार्यक्रम रखा गया। इसमें सीएम योगी ने सरदार पटेल को याद किया। उन्होंने कहा- आजादी के आंदोलन में उन्होंने नेतृत्व किया।देश के विभाजन का पुरजोर विरोध करते रहे।

वहीं, इस दौरान डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने भाजपा संगठन की बात की। उन्होंने कहा- बिहार सरकार में मंत्री नितिन नबीन को भाजपा का राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया है। यह युवा नेतृत्व के लिए पार्टी का बड़ा संदेश है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा- आज पूरा देश लौहपुरुष को याद कर रहा है। राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान के लिए कृतज्ञता व्यक्त कर रहा है। सरदार पटेल सामान्य किसान परिवार में जन्मे, लेकिन अपनी प्रतिभा और उच्च शिक्षा का उपयोग विदेशी हुकूमत की नौकरी के बजाय भारत माता की सेवा के लिए किया। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सरदार पटेल ने स्वतंत्रता आंदोलन को नेतृत्व दिया और देश की आजादी के लिए कई बार जेल की यातनाएं सहीं।

उन्होंने भारत के विभाजन का पुरजोर विरोध किया और राष्ट्रीय एकता के लिए जीवनभर संघर्ष किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज का भारत उनकी दूरदर्शिता और मजबूत इच्छाशक्ति का परिणाम है। मुख्यमंत्री ने कहा- सरदार पटेल राष्ट्रीय एकता के शिल्पकार थे। उन्होंने 567 रियासतों का भारत में विलय कर अखंड भारत की नींव रखी। उनका जीवन आज की पीढ़ी के लिए प्रेरणा है। देश को एक सूत्र में बांधने का मार्ग दिखाता है। जम्मू कश्मीर पंडित नेहरू के हाथ में था, लेकिन उन्होंने जम्मू कश्मीर को इतना विवादित किया कि आजादी के बाद तक भारत को डसता रहा है।

ये उग्रवाद, अलगाववाद उसी कश्मीर से पंडित नेहरू की वजह से भारत को मिला। उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने बिहार के मंत्री नितिन नबीन को भाजपा का राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बनाए जाने पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि पार्टी कार्यकर्ताओं और उत्तर प्रदेश की जनता की ओर से नवनियुक्त अध्यक्ष को हार्दिक बधाई दी जाती है। यह नियुक्ति पूरे देश के युवाओं के लिए स्पष्ट संदेश है कि भाजपा युवा पीढ़ी को साथ लेकर चलना चाहती है और उन्हें नेतृत्व देना चाहती है। भाजपा में प्रतिभा और परिश्रम के आधार पर आगे बढ़ने के अवसर मिलते हैं। उपमुख्यमंत्री ने विपक्षी दलों, विशेषकर कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि उनके पास देश को बताने के लिए कुछ नहीं बचा है। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष ने देश के हितों के साथ समझौता किया है। देश की जनता उन्हें कभी माफ नहीं करेगी।

ढाढा चीनी मिल ने किसानों को लिया 2976 लाख गन्ना मूल्य भुगतान

संवाददाता

कुशीनगर। ढाढा चीनी मिल के गेट क्षेत्र में शरदकालीन गन्ना बुआई का क्षेत्रफल बढ़ाने तथा गन्ना की वैज्ञानिक खेती के प्रति कृषकों को जागरूक को लेकर सुकरौली ब्लॉक के ग्राम नाढमुन्डा में शरदकालीन गन्ना विकास गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी में उप्र गन्ना किसान संस्थान प्रशिक्षण केन्द्र पिपराईच गोरखपुर के पूर्व सहायक निदेशक डा. ओपी गुप्ता ने बताया कि जलवायु परिवर्तन हो रहा है इसका प्रभाव फसलों पर पड़ेगा गन्ना ही एक ऐसी फसल है जो विपरीत परिस्थितयों को सहन कर सकता है। चार फुट की दूरी पर गन्ना बोये। उपज 400 कुन्तल प्रति एकड़ होगा। गन्ना में गेंहू, मसूर, सरसों, सब्जी मटर, गोभी, टमाटर बोये। इससे किसानों की आय बढ़ेगी। मिल के अधिशासी अध्यक्ष आरकेल्लगुप्ता ने बताया कि 15 दिसंबर तक 17 लाख कुन्तल पेरकर 2976 लाख गन्ना मूल्य का भुगतान होगा। उपाध्यक्ष गन्ना रविन्द सिंह ने बताया कि अपनी पर्ची पर ही गन्ना बेचें बेल्कि कोटा बढ़ायें क्रेसरो पर कम दाम पर गन्ना ना बेचें कोई समस्या हो तो हमसे मिलें। अध्यक्षता करते हुए भाजपा मण्डल उपाध्यक्ष सुकरौली अंबालाल ने कहा कि रास्ते के अभाव मे इस गांव के लोग गन्ना नहीं बो रहे है बोना चाहते है। जिसपर गन्ना समिति के चेयरमैन पन्टी सिंह ने रास्ते के समाधान का आश्वासन दिया। अध्यक्षता गन्ना विकास अधिकारी विजय चौधरी ने किया। किसान महतू गुप्ता, अंबालाल, रामदरस, रामलखन, सचिन्द सिंह, छोटेलाल, पुरुषोत्तम, शंकर यादव आदि मौजूद थे।

त्रिपुरा विधानसभा की प्राक्कलन समिति के सभापति सहित सदस्यों ने किया बुद्ध का दर्शन

संवाददाता

कसया। त्रिपुरा विधानसभा की प्राक्कलन समिति के सभापति सहित आठ सदस्य दल ने तथागत बुद्ध का दर्शन कर चीवर चढ़ाया। सोमवार को प्रदेश में अध्ययन भ्रमण पर आई त्रिपुरा विधानसभा की प्राक्कलन समिति के सभापति श्रीराम पदा जमातिया के नेतृत्व में आठ सदस्यीय दल में शामिल श्रीमती नीलेश्वर जमातिया, सदस्य अभिषेक देवराय, संजय मनिक त्रिपुरा, मानब देव बर्मा, विस्वजीत कलाई, दीपांकर सेन, निर्मल विस्वास ने महा परिनिर्वाण मंदिर में बुद्ध की लेटी प्रतिमा का दर्शन, पूजन कर चीवर चढ़ाया व स्तूप की परिक्रमा की। सभापति श्रीराम पदा जमातिया और सदस्यों को लेखपाल निलेश रंजन राव ने समिति के सदस्यों को कुशीनगर के पर्यटकीय, पुरातात्विक, ऐतिहासिक महत्व की जानकारी दी। त्रिपुरा विधानसभा की प्राक्कलन समिति प्रदेश के नौ दिवसीय भ्रमण पर 12 दिसंबर को पहुंची है जो पर्यटकीय, दर्शनीय स्थलों के भ्रमण के साथ ही प्रदेश के विकास का अध्ययन करेगी। इस दौरान त्रिपुरा विधानसभा से जुड़े अधिकारी व कानूनगो ब्रजेश मणि, शैलेन्द्र दूबे आदि मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान: दी गई 51 क्षय रोगियों को पोषण पोटली व आर्थिक सहायता

संवाददाता

कुशीनगर। प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र परिसर में जागरूकता एवं सहायता वितरण कार्यक्रम का आयोजन कर 51 क्षय रोगियों को पोषण पोटली व एक - एक हजार रुपये की नगद आर्थिक सहायता प्रदान की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ क्षेत्रीय विधायक सुरेन्द्र कुमार कुशवाहा एवं मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. चंद्रप्रकाश ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। विधायक श्री कुशवाहा ने कहा कि टीबी जैसी गंभीर बीमारी को जड़ से समाप्त करने के लिए सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध है। मरीजों को समय पर इलाज के साथ-साथ पोषण एवं आर्थिक सहयोग उपलब्ध कराना इस अभियान की महत्वपूर्ण कड़ी है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. चंद्रप्रकाश ने कहा कि टीबी मुक्त भारत अभियान का लक्ष्य जनसहभागिता और नियमित उपचार से ही प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने मरीजों से अपील की कि वे दवाओं का पूरा कोर्स लें और नियमित जांच कराते रहें। अभियान के नोडल अधिकारी एवं जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. एस.एन. त्रिपाठी ने बताया कि जिले में टीबी नियंत्रण को लेकर लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। मरीजों को पोषण सहायता प्रदान कर उन्हें शीघ्र स्वस्थ बनाने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। सीएचसी अधीक्षक डॉ. उमाशंकर नायक ने कहा कि किसी भी टीबी मरीज को इलाज से संबंधित किसी प्रकार की समस्या होने पर सीएचसी से संपर्क कर समाधान प्राप्त किया जा सकता है। कार्यक्रम का संचालन सत्येन्द्र कुमार पाण्डेय ने किया। इस अवसर पर डॉ. साजिद हुसैन, डॉ. अराफात, डॉ. एन.एन. प्रसाद, अनुज तिवारी, आदित्य प्रकाश तिवारी, अनीता कुशवाहा, किरन राव, शहनाज परवीन, अनुराग कुशवाहा, कमरूल होदा, सत्येन्द्र सिंह सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

नरसर गांव में श्रम विभाग ने शिविर लगाकर किया 20 श्रमिकों का पंजीयन

संवाददाता

कुशीनगर। उत्तर प्रदेश भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए विकास खंड पडरौना के ग्राम सभा नरसर में आयोजित शिविर में विभाग ने 20 श्रमिकों का पंजीयन किया। सोमवार को विभाग के कर्मचारी शशि शेखर मिश्र ने जीरो पावर्टी परिवारों व मजदूरों को विभाग में पंजीयन/नवीनीकरण कराकर योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए जागरूक किया। उपस्थित मजदूरों को समीप के जनसेवा केन्द्र पर पहुंच कर जनसेवा केन्द्र के माध्यम से यूपी बीओसीडब्ल्यू के साइड पर श्रमिक पंजीयन कराने तथा पूर्व में पंजीकृत श्रमिकों को ससमय नवीनीकरण कराकर विभाग द्वारा श्रमिकों के हित में संचालित विभिन्न प्रकार के जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठाने की अपील की। इस दौरान उमेश, संजू, सुनील, इंदू, सुनीता, तारा, आरती, छोटेलाल, फूलचंद, नंदलाल, मोहन पटेल, मिथिलेश, ज्योति, पिंकी, देवेंद्र, सहित दर्जनों श्रमिक मौजूद रहे।

भैया बोलने पर चिढ़े डॉक्टर, कहा: मैं सर हूं

मेरठ। 'भैया' कहने पर एक डॉक्टर भड़क उठा। भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) यानी BKU का एक पदाधिकारी सोमवार को अपनी बेटी का इलाज कराने डॉक्टर के पास पहुंचा था। उन्होंने डॉक्टर को भैया बोल दिया। यह शब्द सुनते ही डॉक्टर नाराज हो उठा। डॉक्टर ने पर्चा फेंकते हुए कहा- मैं सर हूं। तुम्हारा भैया नहीं। सर कहकर बुलाया करो। मामला पीएल शर्मा जिला अस्पताल का है। यह बात जब संगठन के जिला अध्यक्ष अनुराग चौधरी को पता चली तो उन्होंने अस्पताल के अधीक्षक का घेराव कर हंगामा कर दिया। पदाधिकारी का आरोप है कि डॉक्टर ने उनके मरीज का इलाज नहीं किया। इसके बाद अस्पताल के कार्यवाहक अधीक्षक योगेश अग्रवाल ने हाथ जोड़कर माफी मांगी। तब किसान शांत हुए। जिस यूनियन पदाधिकारी के साथ डॉक्टर ने बदसलूकी की, उनका नाम बिट्टू जगेठी है। वे यूनियन के जिला सचिव हैं। उनकी 6 साल की बेटी शिवांशी को सर दर्द की समस्या थी। इसलिए, वे बेटी को स्कूल से सीधे जिला अस्पताल लेकर पहुंचे थे। उन्होंने बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. श्रीओम को दिखाया। उन्होंने डॉक्टर श्रीओम को भैया कहकर बेटी को देखने के लिए कहा। डॉक्टर ने न सिर्फ बिट्टू को फटकार लगाई, बल्कि पुलिस भी बुला ली। इसके बाद बिट्टू और उनकी बेटी को अपनी ओपीडी रूम से बाहर कर दिया। बिट्टू जगेठी ने बताया- बच्ची के सिर में दर्द था, तो वह उसको लेकर जिला अस्पताल पहुंचे। इसके बाद डॉक्टर ने बच्ची का इलाज नहीं किया और पर्चा फेंक दिया।

शिवपाल यादव बोले: भाजपा घबराकर पंकज चौधरी को लाई

कानपुर। पीडीए से भाजपा की सरकारी घबराई हुई है। इसलिए, पंकज चौधरी को प्रदेश अध्यक्ष बनाया है। इनके सभी प्रयास हम सपा के लोग फेल करेंगे। 2027 में हमारी पार्टी संगठन के बल पर भाजपा को हराएगी।' ये दावा सपा महासचिव शिवपाल यादव ने रविवार को किया। वे सपा विधायक नसीम सोलंकी के घर कानपुर के जाजमऊ पहुंचे। नसीम सोलंकी और उनके पति पूर्व विधायक इरफान सोलंकी ने उनका स्वागत किया। उन्होंने भाजपा पर जमकर निशाना साधा। शिवपाल ने कहा- भाजपा जीत के लिए बेईमानी करती, मशीनों का दुरुपयोग और अफसरों का इस्तेमाल करती है। लोगों में रुपए बांटती है। इरफान सोलंकी 34 महीने बाद 30 सितंबर को महराजगंज जेल से छूटे थे। पारिवारिक सूत्रों ने इस मुलाकात को अनौपचारिक बताया है। वोटर लिस्ट के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन पर शिवपाल यादव ने कहा- जो वोट सही हैं, वो कटने नहीं पाए और फर्जी वोट बढ़ने नहीं चाहिए। 18 साल के ऊपर के सभी लोगों के वोटर लिस्ट में नाम दर्ज हो जाना चाहिए। यही हमारी पार्टी का प्रयास है। भाजपा सरकार, एसआईआर के सहारे षडयंत्र कर रही हैं। इसका मुकाबला जनता ही जमकर करेगी। भाजपा एक षडयंत्रकारी पार्टी है, इसे बचना और लड़ना पड़ेगा। इसे 2027 में यूपी से हटाना पड़ेगा और सपा आएगी। शिवपाल ने कहा- PDA (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) से भाजपा की सरकारी घबराई हुई है। इसलिए पंकज चौधरी को प्रदेश अध्यक्ष बनाया है। हमारा प्रयास है कि हर बूथ पर हम मजबूत हों, ताकि बूथस्तर पर हमारा संगठन मुकाबला करते हुए भाजपा को हराएं। भाजपा हर तरह से बेईमानी करती है। मशीनों का दुरुपयोग करती है। अधिकारियों का दुरुपयोग करती है, पैसे बांटती है। सपा के लोग अब खुलकर इनका मुकाबला करेंगे और यूपी में सपा की सरकार लाकर रहेंगे। बंगाल में बाबरी मस्जिद की नींव रखे जाने पर शिवपाल ने कहा- मंदिर बन रहे हैं तो मस्जिद भी बना दें तो कौन सी बात है। भाजपा के लोग केवल जनता को भटकाने का काम करते हैं। अब चुनाव आ रहा तो इस तरीके का प्रोपेगेंडा कर रहे हैं। विकास कुछ करना नहीं है, वादे तक पूरे नहीं किए। विकास, महंगाई और बेरोजगारी के साथ भ्रष्टाचार पर कोई ध्यान नहीं है। इन मुद्दों पर कोई काम किया नहीं है। अब केवल जनता को भटकाने का काम कर रहे हैं। कभी मंदिर तो कभी मस्जिद, बस इन्हीं सब चीजों में पब्लिक को उलझाकर रखा है। वे यही काम करेंगे, इसके अलावा कुछ नहीं करेंगे। मीडिया ने पूछा- क्या सोलंकी परिवार को 2027 में दो टिकट मिलेंगे? इस पर शिवपाल ने कहा- ये तो हमारी पार्टी फैसला करेगी। 2027 के चुनाव पर कहा- इस बार 2027 में समाजवादी पार्टी विधानसभा चुनाव जीतने जा रही है।

भाजपा को हरा देगी। जनता की समस्याओं को लेकर सरकार में आने वाले हैं। स्मार्ट सिटी के नाम पर सिर्फ घोटाला हुआ है। आज तक स्मार्ट सिटी का 10 सालों में वादा पूरा नहीं हुआ, बिजली बहुत महंगी है। बेरोजगारी खत्म नहीं हुई, आउट सोर्सिंग में बहुत कम पैसा दिया जा रहा है। एक भी भर्ती नहीं हुई है। इन्हीं सब मुद्दों को लेकर इस बार सपा सरकार में आने वाली है।

संक्षिप्त डायरी

श्रीराम की भक्ति से जीवन में आनंद की प्राप्ति: ओंकार नाथ द्विवेदी

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। कसया ब्लाक क्षेत्र अंतर्गत जनता इंटरमीडिएट कालेज धुरिया धाम के परिसर में आयोजित श्री श्री 1008 श्री पांचदिवसीय श्रीराम कथा महा महोत्सव के तीसरे दिन राष्ट्रीय कथा वाचक श्रीराम जन्मभूमि दशरथ गद्दी अयोध्या ओंकार नाथ द्विवेदी ने कहा कि प्रभु श्रीराम की भक्ति से जीवन में आनंद की प्राप्ति होती है। रविवार की रात में आयोजित श्रीराम कथा में कथावाचक श्री द्विवेदी ने भगवान श्रीराम के अवतरण की कथा सुनाते हुए उनके अवतरण की कथा पर प्रकाश डाला। कथा में श्रीराम जन्म होते ही पूरे पंडाल में उपस्थित श्रद्धालुओं ने जय श्रीराम के जयकारे लगाए। महिलाओं ने मंगलगीत और सोहर भक्ति भाव से गाए। व्यास गद्दी की पूजा यजमान संरक्षक भृगुनाथ श्रीवास्तव, संजय कौशिक, ब्राइट मीडिया पवन शर्मा ने की। एक दिन पूर्व चुमन भारती ने व्यास गद्दी का पूजन किया। आयोजक समिति के प्रकृति अनाथ आश्रम के राष्ट्रीय प्रबंधक मनोज कुमार दास और अतिथियों ने आरती की। इस दौरान संरक्षक जयंती राय, संयोजक मुन्ना सिंह, कोषाध्यक्ष रणजीत सिंह, हर्ष गोंड, राम कवास यादव, सूरज प्रसाद, हीरा मधेशिया, बंधु मधेशिया, चमन प्रसाद, विनय, बड़े लाल गोंड सहित सैकड़ों श्रद्धालु मौजूद रहे।

जिलाधिकारी ने जरूरत मन्दों को बांटे कम्बल

संवाददाता

हमीरपुर । जिलाधिकारी घनश्याम मीना ने कलेक्ट्रेट कार्यालय में जनसुनवाई कर आम लोगों की शिकायतों को सुनकर अधिकारियों को शिकायतों का यथा पर बेहतर तरीके से निस्तारण करने के निर्देश दिये, इसके साथ ही जन सुनवाई के दौरान अपनी फरियाद लेकर आए जरूरतमंदों को सर्दी के मद्देनजर कम्बल वितरित किये। इस दौरान 95 शिकायतें आई, जिनमें ज्यादा तर का जिलाधिकारी ने मौके पर फौरन निस्तारण कर दिया। बाकी शिकायतों के निस्तारण के लिये जिलाधिकारी ने सभी एसडीएम, खंड विकास अधिकारी सहित सभी अधिकारियों के साथ वर्चुअल,जूम एप के जरिये से बैठक कर उनके फौरन निस्तारण के लिये निर्देशित किया।

तबीयत बिगड़ने से ब्राजीलियन पर्यटक की मौत, कुल्लू-मनाली से पश्चिम बंगाल जा रही थीं सिलीविया रेजीना

कानपुर। साथी पर्यटकों के साथ पश्चिम बंगाल घूमने जा रही ब्राजील निवासी महिला की सोमवार दोपहर को कानपुर देहात में तबीयत बिगड़ गई। इस पर साथी पर्यटक एंबुलेंस से महिला को मेडिकल कॉलेज ले गए। वहां डॉक्टर ने उनको मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मामले में छानबीन शुरू की है। ब्राजील के गावयेटस पिवालिपस बोम्बा यूसीएलडी निवासी सिलीविया रेजीना (62) भारत भ्रमण पर आई थीं। सोमवार को वह साथी पर्यटक मार्टिन (29), रूस की ओल्गा (35) के साथ मथुरा के गया थाना क्षेत्र के बलदेव लाल निवासी राकेश की कार बुक कर कुल्लू-मनाली से पश्चिम बंगाल जा रही थीं। दोपहर 2 बजे के करीब चालक ने कानपुर-इटावा हाईवे पर कुंभी स्थित पेट्रोल पंप पर कार में सीएनजी डलवाने के लिए रोकी थी। तभी लघुशंका के लिए गईं सिलीविया रेजीना बेहोश होकर शौचालय के पास गिर गईं। साथी पर्यटक व कार चालक एंबुलेंस की मदद से उनको मेडिकल कॉलेज लेकर पहुंचे। वहां डॉ. निशांत पाठक ने उनको मृत घोषित कर दिया। डॉ. निशांत ने बताया कि महिला की अस्पताल लाए जाने से पहले ही मौत हो चुकी थी। घटना की जानकारी पर एसडीएम नीलिमा यादव, अकबरपुर थानाध्यक्ष हरमीत सिंह ने मौके पर पहुंच कर साथी पर्यटकों से घटना के संबंध में जानकारी ली। थानाध्यक्ष हरमीत सिंह ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम करवाने के लिए कार्रवाई की जा रही है।

मुरादाबाद: ट्रैक्टर-ट्रॉली की चपेट में आकर दो युवकों की मौत

मुरादाबाद। उत्तराखंड के पेपर मिल से मजदूरी कर घर लौट रहे बाइक सवार दो युवकों की शनिवार देर शाम ट्रैक्टर-ट्रॉली की चपेट में आकर मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।मुरादाबाद के थाना भगतपुर के ग्राम भदगंवा निवासी मोहित सिंह (25) पुत्र कल्याण सिंह और इसी गांव के ऋषभ सिंह (28) पुत्र राकेश सिंह आईटीआई थाना क्षेत्र के गांव महुआखेड़ा गंज (उत्तराखंड) स्थित एक पेपर मिल में मजदूरी करते थे। शनिवार शाम दोनों ड्यूटी खत्म करके बाइक पर घर लौट रहे थे। रात करीब 8:30 बजे महुआखेड़ा गंज में रेलवे क्रॉसिंग से पहले एक मोड़ पर लकड़ियों से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली की चपेट में आकर मोहित की मौके पर ही मौत हो गई जबकि ऋषभ गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे मुरादाबाद रोड स्थित निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उपचार के दौरान उसने भी दम तोड़ दिया। सूचना पर पहुंची आईटीआई थाने की पैगा चौकी पुलिस ने ट्रैक्टर-ट्रॉली को कब्जे में ले लिया। पुलिस के पहुंचने से पहले ही इसका चालक भाग गया। पुलिस ने घटना की सूचना मृतकों के परिजनों को दे दी है। रविवार को पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे मोहित के परिजन ने बताया कि वह दो साल के बेटे लव, चार साल की बेटी मानवी और पत्नी कुसुम को रोता बिलखता छोड़ गया है। वह तीन भाइयों में सबसे छोटा था जबकि बहन की शादी हो चुकी है। परिजनों ने बताया कि आठ बजे के करीब मोहित को फोन किया था। उसने बताया था कि छुट्टी हो गई है। वह और ऋषभ दोनों घर आ रहे हैं। उसके बाद से उनका फोन नहीं लग रहा था। वहीं ऋषभ के पिता राकेश सिंह ने बताया कि ऋषभ उनका छोटा बेटा था और अविवाहित था। रजत उनका बड़ा बेटा है। लखनऊ हाईवे पर शनिवार देर रात तीन बजे ट्रक की टक्कर लगने से अनियंत्रित कार रोडवेज बस से टकरा गई। हादसे में संभल के तीन कार सवार घायल हो गए। वह रामपुर में एक बारात में शामिल होकर घर लौट रहे थे। हाईवे पर चंद्रा ढाबे के नजदीक रामपुर की तरफ से आ रही ईको कार में पीछे आ रहे ट्रक ने टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि कार आगे चल रही रोडवेज बस से टकरा गई। कार में सवार संभल के वसीम, उनकी पत्नी अनम, रानी पत्नी फिराजुद्दीन घायल हो गए।

आदिवासी महिलाओं की भूमिका और नेतृत्व

लेखिका

सावित्री ठाकुर

भारत विविध सांस्कृतिक परंपराओं और जीवन-पद्धतियों वाला समृद्ध देश है, और इसमें अनुसूचित जनजातियों की आबादी 10.45 करोड़ से अधिक है, जो देश की कुल जनसंख्या का लगभग 8.6% है।यह केवल जनसंख्या का आँकड़ा नहीं, बल्कि भारत की जीवंत, प्राचीन और बहुविध सांस्कृतिक धरोहर का अद्वितीय स्वरूप है। यह समुदाय न केवल प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण का संवाहक रहा है, बल्कि अपनी समृद्ध परंपराओं, भाषा-भाषाई विविधता और मौलिक ज्ञान प्रणालियों के माध्यम से भारत की सांस्कृतिक पहचान को निर्मित करता रहा है। रामायण और महाभारत जैसे प्राचीन ग्रंथों में भी इनके पराक्रम, बुद्धिमत्ता और प्रकृति से गहरे संबंध का उल्लेख मिलता है।

फिर भी, लंबे समय तक आदिवासी समाज को मुख्यधारा के विकास से दूर रखा गया। उन्हें एक जीवित संस्कृति के संरक्षक के रूप में तो देखा गया, पर समान भागीदार के रूप में नहीं। विशेषकर आदिवासी महिलाओं के नेतृत्व, कौशल, सामाजिक समझ और समुदाय निर्माण में उनकी भूमिका को लंबे समय तक वह मान्यता नहीं मिली, जिसकी वे वास्तविक हकदार थीं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में इस सोच और व्यवस्था में स्पष्ट था उद्देश्य पूर्ण परिवर्तन देखने को मिला है। सरकार ने टोकनिज्म (प्रतीकात्मक पहल) से आगे बढ़कर टार्गेटेड एम्पावरमेंट (लक्ष्य आधारित सशक्तिकरण) की नीति अपनाई है। जनजातीय समुदायों के सर्वांगीण विकास के प्रति यह प्रतिबद्धता इस बात का प्रमाण है कि भारत की विकास यात्रा में अब कोई भी समुदाय पीछे न रह जाए।ह्व सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयासह्व का मंत्र इसी समावेशी दृष्टि का सशक्त उदाहरण बन चुका है।

इसी प्रतिबद्धता का प्रभाव बजट आवंटन में स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है। जनजातीय समुदायों के विकास हेतु कुल बजट 2024-25 में ?10,237.33 करोड़ से बढ़कर 2025-26 में ?14,925.81 करोड़ हो गया है, जो 45.79% की उल्लेखनीय वृद्धि दर्शाता है। यदि दीर्घकालीन दृष्टि से देखें, तो 2014-15 में ?4,497.96 करोड़ के बजट के मुकाबले यह राशि पहले 2021-22 में ?7,411 करोड़ तक पहुँची और अब यह वृद्धि 231.83% तक पहुँच गई है। केंद्रीय बजट 2025ञ्च26 में जनजातीय कार्य मंत्रालय के लिए बढ़े हुए आवंटन से स्पष्ट है कि अब आदिवासी समुदाय, खासकर महिलाएँ, विकास की यात्रा में केवल लाभार्थी नहीं बल्कि नेतृत्वकारी भूमिका में हैं।

भारत की आदिवासी महिलाएँ सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक जीवन की धुरी रही हैं। वे जल, जंगल और जमीन से जुड़ी पारंपरिक जीवन व्यवस्थाओं की संरक्षक हैं और सामुदायिक निर्णय, संसाधन प्रबंधन और सांस्कृतिक परंपराओं के संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। आज यह भूमिका केवल पारिवारिक और सामुदायिक स्तर तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि शासन व्यवस्था से लेकर नीति निर्माण तक दिखाई दे रही है। इस परिवर्तन का सबसे प्रभावशाली प्रतीक यह है कि भारत के सर्वोच्च संवैधानिक पद पर एक आदिवासी महिला, राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू आसीन हैं।

सरकार ने आदिवासी महिलाओं के सामाजिक-सांस्कृतिक सशक्तिकरण, आर्थिक उत्थान एवं उनके नेतृत्व को संस्थागत आधार प्रदान करने के लिए बहु-आयामी दृष्टिकोण अपनाया है, जिससे विकास केवल सुविधाओं का विस्तार न होकर, सम्मान, पहचान और आत्मनिर्भरता को भी सुनिश्चित करे।इनमें आदिवासी महिला सशक्तिकरण योजना के अंतर्गत राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति वित्त एवं विकास निगम द्वारा आदिवासी महिलाओं को स्वरोजगार एवं उद्यमिता के लिए 72 लाख तक का ऋण मात्र 4% ब्याज दर पर प्रदान किया जा रहा है, जिससे वे हस्तशिल्प, कृषि-आधारित कार्य, बांस उत्पाद, पशुपालन, प्रसंस्करण एवं सेवा क्षेत्र में उद्यमशीलता विकसित कर रही हैं।

विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों (इस्ळक्ष) के लिए शुरू किया गया प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान (छट-खअठटअठ) इन समुदायों तक बुनियादी सुविधाएँ पहुँचा रहा है।यह अभियान 18 राज्यों और 1 केंद्र शासित प्रदेश के 75 इस्ळक्षसमुदायों के उन इलाकों में विकास सुनिश्चित कर रहा है, जो लंबे समय से मुख्यधारा से दूर रहे हैं।लगभग ?24,104 करोड़ के निवेश के साथ छट-खअठटअठ आवास, स्वच्छ जल, स्वास्थ्य सेवा, पोषण, शिक्षा, सड़क संपर्क और सतत आजीविका जैसे क्षेत्रों में समग्र सुधार ला रहा है।

इसके अतिरिक्त, एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय (एटफर) आदिवासी बच्चों को निःशुल्क एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कर रहे हैं, जिससे उनके कौशल विकास के नए अवसर सृजित हो रहे हैं। साथ ही, छात्रवृत्ति योजनाओं ने विशेषरूप से बालिकाओं में स्कूल छोड़ने की प्रवृत्ति को कम करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

उम्र-उत्कर्ष ने स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से आदिवासी महिलाओं की वित्तीय निर्णय लेने की क्षमता, सामूहिक उत्पादन, विपणन और आर्थिक आत्मनिर्भरता को सुदृढ़ किया है।वहीं सक्षम आंगनवाड़ी और पोषण अभियान ने गर्भवती महिलाओं एवं स्तनपान कराने वाली माताओं के पोषण स्तर और मातृ-स्वास्थ्य संकेतकों को सुधारने का कार्य किया हैं।

पैसा (इएरअ) पंचायत (अनुसूचितक्षेत्रोंतकविस्तार) अधिनियम, 1996 के माध्यम से पाँचवीं अनुसूची वाले क्षेत्रों में रहनेवाले आदिवासी समुदायों को ग्राम सभाओं के माध्यम से स्वशासन की शक्ति दी गई है।इस कानून ने पंचायत और ग्राम सभा में महिला भागीदारी को संरचनात्मक स्तर पर सुनिश्चित किया है, जिसके लिए जनजातीय कार्य मंत्रालय द्वारा महिलाओं के लिए विशेष नेतृत्व प्रशिक्षण मॉड्यूल विकसित किए गए हैं।

आदि कर्मयोगी अभियान जनजातीय क्षेत्रों में एक ऐतिहासिक पहल के रूप में उभरा है। इस अभियान के तहत 20 लाख से अधिक परिवर्तनकारी प्रतिनिधियों (ठॅल्ली औल्ल३२), जिनमें महिला स्वयं-सहायता समूहों की सदस्याएँ, युवा और स्थानीय अधिकारी शामिल हैं, को शासन, सेवा वितरण और सामुदायिक सशक्तिकरण में स्थानीय नेतृत्व के रूप में प्रशिक्षित किया गया है। अभियान का लक्ष्य ह्व1 लाख जनजातीय गाँवह्व विजन 2030ह्व के माध्यम से सहभागी शासन प्रणाली को मजबूत करना है, जिसमें महिलाओं की केंद्रीय भूमिका सुनिश्चित की गई है। देश की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने भी इस अभियान की सराहना की है और कहा है कि जमीनी स्तर पर आदिवासी नेतृत्व ही विकसितभारत@2047 की आधारशिला है। आज अनेक जनजातीय बहुल गाँवों में महिलाएँ ग्राम संस्थाओं की अध्यक्ष के रूप में नेतृत्व कर रही हैं, स्वयं-सहायता समूहों का संचालन कर रही हैं, शासन प्रयोगशालाओं में परिवर्तनकारी नेतृत्व निभा रही हैं और अपने समुदाय को आजीविका एवं विकास योजनाओं से जोड़ रही हैं।

साथ ही, वर्ष 2024 में शुरू ह्यधरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियानह्न के तहत 63,000 से अधिक जन जातीय बहुल गाँवों में समग्र विकास के लिए ?79,000 करोड़ से अधिक की राशि स्वीकृत की गई है, जिसका एक मुख्य आधार ग्राम समितियों में महिलाओं की प्रत्यक्ष नेतृत्व भूमिका को मजबूत करना है।

भारत की विकास यात्रा में आदिवासी महिलाओं की बढ़ती भागीदारी यह दर्शाती है कि वे अब केवल सहभागी नहीं, बल्कि परिवर्तन की अग्रणी शक्ति बन रही हैं। अब हमारा ध्यान इस बात पर है कि जमीनी स्तर पर उनके नेतृत्व को कैसे और मजबूत बनाया जाए।इसी उद्देश्य से स्थानीय समुदायों में महिला नेतृत्व प्रशिक्षण सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है, ताकि अधिकाधिक महिलाएँ प्रशासनिक, आर्थिक और सामाजिक निर्णयों में सक्रिय भूमिका निभा सकें।

वन आधारित आजीविका और हस्त-उद्यमों को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय बाजारों से जोड़ना हमारी प्रमुख प्राथमिकताओं में है, जिससे उनके कार्य का मूल्य और सम्मान दोनों बढ़ें। स्वयं सहायता समूहों और आजीविका समूहों के माध्यम से महिलाएँ समाज में सकारात्मक परिवर्तन की सशक्त वाहक बन रही हैं।इस दिशा में डिजिटल साक्षरता और वित्तीय प्रबंधन प्रशिक्षण को और व्यापक रूप से लागू किया जा रहा है, ताकि प्रत्येक महिला आत्मनिर्भर बन सके।

साथ ही, आदिवासी बालिकाओं की उच्च शिक्षा और कौशल विकास तक पहुँच को निरंतर सुदृढ़ किया जा रहा है, ताकि वे आत्मविश्वास के साथ भविष्य के नेतृत्व पदों तक आगे बढ़ सकें।हमारा उद्देश्य स्पष्ट है- आदिवासी महिलाओं का सशक्तिकरण केवल सामाजिक संवेदना का विषय नहीं, बल्कि भारत के लोकतांत्रिक विस्तार, सतत विकास और समावेशी प्रगति की सबसे मजबूत नींव है।

(लेखिका महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री, भारत सरकार)

संपादकीय

भारत के लिए बेहद मुश्किल घड़ी

स्थिति इसलिए अधिक गंभीर है, क्योंकि रुपये की कीमत उन अधिकांश देशों की मुद्राओं की तुलना में गिरी है, जिनसे भारत कारोबार करता है। बीते एक साल में 40 विदेशी मुद्राओं के बास्केट की तुलना में रुपया सस्ता हुआ है।

रुपया गिरते-गिरते एक अमेरिकी डॉलर की तुलना में 90 की मनोवैज्ञानिक संख्या को पार कर गया है। मुद्रा की गिरती कीमत के साथ विनिमय बाजार में देश में उत्पादित सामग्रियां सस्ती होती हैं। उनके परिणामस्वरूप श्रम एवं लागत सामग्री का मूल्य गिरता है। इस तरह यह कुल मिलाकर संबंधित देश में जीवन स्तर को नीचे ले जाता है। भारत के साथ अभी ये बात इसलिए अधिक गंभीर हो गई है, क्योंकि रुपये की कीमत उन अधिकांश देशों की मुद्राओं की तुलना में गिरती चली जा रही है, जिनसे भारत कारोबार करता है। बीते एक साल में ऐसी 40 मुद्राओं के बास्केट की तुलना में रुपया सस्ता हुआ है। सबसे ज्यादा-15.4 प्रतिशत-कीमत यूरो की तुलना में गिरी है। अमेरिकी डॉलर की तुलना में ये गिरावट 6.1 फीसदी रही है। बताया गया है कि अक्टूबर में भारतीय निर्यात में 41 बिलियन डॉलर से अधिक की रिकॉर्ड गिरावट की खबर आने के बाद गिरावट की रफ्तार तेज हो गई। इससे जाहिर हुआ कि चालू खाता और पूंजी खाता दोनों में भारत को विदेशी मुद्रा गंवानी पड़ रही है। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक शेयर बाजार के नकदी सेगमेंट से इस वर्ष 17 बिलियन डॉलर से अधिक निकाल चुके हैं। बहरहाल, ये फौरी वजहें हैं। असल मुद्दा दीर्घकालिक रुझान का है। अभी गुजरे हफ्ते ही अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने भारत की विनिमय दर व्यवस्था को घुटना-टेक (क्राउल-लाइक) श्रेणी में डाल दिया। इसके पहले वह इसे फ्लोटिंग से गिराकर स्थिरकृत (स्टैबलाइज्ड) श्रेणी में रखा हुआ था। फ्लोटिंग श्रेणी में मुद्रा अपनी ताकत से अपना मूल्य बनाए रखती है। स्टैबलाइज्ड श्रेणी वह होती है, जिसमें सेंट्रल बैंक अपने हस्तक्षेप से रुपये की एक निश्चित कीमत बरकरार रखता है। जब सेंट्रल बैंक ऐसा करने की इच्छाशक्ति खो देता है, तो आईएमएफ मुद्रा को क्राउल-लाइक श्रेणी में रखता है। कुल मिलाकर मुद्रा का मूल्य अर्थव्यवस्था की मूलभूत शक्ति का आईना है। अमेरिकी टैरिफ ने भारतीय अर्थव्यवस्था को लेकर आशंकाएं बढ़ा रखी हैं। उसके परिणामस्वरूप चालू एवं पूंजी खातों की सूरत बिगड़ी है। उसकी झलक रुपये की कीमत में दिख रही है। कुल मिलाकर भारत के लिए बेहद मुश्किल घड़ी है।

चिंतन-मनन

सम्मान पाने के लिए मर्यादा का पालन जरूरी

संसार में भगवान राम मर्यादा पुरुषोत्तम के रूप में पूजे जाते हैं। इसका कारण यह है कि इन्होंने अपने जीवन में हर रिश्ते के साथ न्याय किया। इन्होंने कभी भी बड़ा होने का अभिमान नहीं दिखाया। इन्होंने छोटे भाइयों को सम्मान दिया और सदैव माता-पिता के आज्ञाकारी रहे। पत्नी की सुरक्षा के लिए रावण से लड़े और राजा के रूप में जनता को महत्व दिया। लेकिन जब कोई व्यक्ति अपनी मर्यादा की सीमा रेखा को तोड़कर आगे बढ़ने की कोशिश करता है तभी विवाद और क्लेश उत्पन्न होता है। वर्तमान समय में कई ऐसी घटनाएं सामने आ रही हैं कि बेटे ने पिता को घर से बाहर निकाल दिया। बेटे ने बाप की संपत्ति हड़प ली। ससुर का अपनी बहू से अनैतिक संबंध है और भाई ने बहन का अपमान किया। जब ऐसी घटनाएं होती हैं तो मर्यादा का हनन होता है। संसार में रिश्तों की डोर का निर्माण मर्यादा की रक्षा के लिए किया गया था। यही सामाजिक जीवन का आधार भी है।

जब कोई मार्यादा का उल्लंघन करता है तब सामाजिक व्यवस्था बिगड़ने लगती है और मर्यादा का उल्लंघन करने वाला और मर्यादा का हनन होने वाला दोनों ही अपमानित होता है। जब कोई किसी के साथ अमर्यादित व्यवहार करता है तो उसे भी अमर्यादित व्यवहार ही प्राप्त होता है। उदाहरण के तौर पर गंगा नदी जब तक अपनी सीमा में प्रवाहित होती है उसे माता का दर्जा प्राप्त होता है, लोग इसकी आरती उतारते हैं। लेकिन जब अपनी मर्यादा का उल्लंघन करके तटों को तोड़कर आगे बढ़ती है तब गंगा आदरणीय नहीं रह जाती है। नाले के जल में मिलकर गंगाजल गंदाजल कहलाने लगता है।

विजय गाथा, भारत के शौर्य की अमर कहानी

योगेश कुमार गोयल

विजय दिवस भारत में हर साल 16 दिसंबर को मनाया जाता है। 3 दिसंबर, 1971 को भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध की शुरुआत हुई, जो 13 दिनों तक चला और 16 दिसंबर को आधिकारिक रूप से समाप्त हो गया। इस युद्ध के बाद पाकिस्तानी सेना ने भारतीय सशस्त्र बलों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया था। पाकिस्तानी सेना के प्रमुख जनरल ए.ए. खान नियाजी ने 93,000 सैनिकों के साथ भारतीय सेना और बांग्लादेश के मुक्ति बहानी के सामने आत्मसमर्पण किया। भारतीय सेना की इसी कामयाबी को प्रतिवर्ष विजय दिवस के रूप में मनाया था। हर साल 16 दिसंबर को विजय दिवस या विक्टरी डे के रूप में मनाया जाता है। इस दिन राष्ट्र के उन सैनिकों को श्रद्धांजलि दी जाती है। जिन्होंने इस युद्ध में अपने देश के लिए अपने प्राणों की आहुति दी थी। एक तथ्य यह भी है कि इस दिन बांग्लादेश का जन्म हुआ था, इसलिए, बांग्लादेश हर साल 16 दिसंबर को अपना स्वतंत्रता दिवस मनाता है। सन 1971 से पहले, बांग्लादेश पाकिस्तान का एक हिस्सा था, जिसे पूर्वी पाकिस्तान कहा जाता था।

तब पूर्वी पाकिस्तान के लोगों को पाकिस्तानी सेना मारपीट, शोषण करती है , औरतों के साथ बलात्कार करती और वहां के लोगों की निर्मम हत्या करती थी, भारत ने पूर्वी पाकिस्तान में पाकिस्तानी सेना के द्वारा लोगों के उत्पीड़न का विरोध किया और पूर्वी पाकिस्तान के लोगों का समर्थन किया। उस समय पूर्वी पाकिस्तान में पाकिस्तान के सैन्य अधिकारी जनरल अयूब खान के खिलाफ भारी असंतोष था। 3 दिसंबर को पाकिस्तान ने 11 भारतीय हवाई क्षेत्रों पर हमला कर दिया था। जिसके जवाब में भारत ने भी मुंहतोड़ जवाब दिया। भारत सरकार ने पूर्वी पाकिस्तान के लोगों को बचाने के लिए भारतीय सेना को पाकिस्तान के खिलाफ युद्ध का आदेश दे दिया। पाकिस्तान के साथ इस युद्ध में भारत के 1400 से अधिक सैनिक शहीद हो गए। इस युद्ध को भारतीय सैनिकों ने पूरी बहादुरी के साथ लड़ा,इस युद्ध में पाकिस्तान को भारी नुकसान हुआ। जिसके बाद यह युद्ध सिर्फ मात्र 13 दिनों में ही समाप्त हो गया था।

अप्रत्यक्ष रूप से इस युद्ध में अमेरिका और सोवियत संघ दोनों महाशक्तियां शामिल हुई थीं। ये सब देखते हुए 14 दिसंबर को भारतीय सेना ने ढाका में पाकिस्तान के गवर्नर के घर पर हमला किया। उस समय पाकिस्तान के सभी बड़े अधिकारी मीटिंग करने के लिए इकट्ठा हुए थे। इस हमले से पाकिस्तान हिल गया और जनरल नियाजी ने युद्ध विराम का प्रस्ताव भेज दिया। परिणामस्वरूप 16 दिसंबर, 1971 को दोपहर के तकरीबन 2:30 बजे सरेंडर की प्रक्रिया शुरू हुई और उस समय लगभग 93,000 पाकिस्तानी सेना ने आत्मसमर्पण किया था। इस प्रकार 16 दिसंबर, 1971 को बांग्लादेश का एक नए राष्ट्र के रूप में जन्म हुआ और पूर्वी पाकिस्तान, पाकिस्तान से आजाद हो गया। ये युद्ध भारत के लिए ऐतिहासिक युद्ध माना जाता है। ऐसा कहा जाता है कि वर्ष 1971 के युद्ध में तकरीबन 3,900 भारतीय सैनिक शहीद हो गए थे और लगभग 9,851 घायल हुए थे।

भारत और पाकिस्तान के बीच 1971 में हुए इस युद्ध ने एक नए मुल्क बांग्लादेश को जन्म दिया था और पाकिस्तान के इतिहास में करारी हार के तौर पर 16 दिसंबर का दिन दर्ज हो गया। यूं तो यह जंग पाकिस्तान के पश्चिम और पूर्वी हिस्से के बीच चल रही थी, लेकिन पाक की ओर से इस दौरान भारत पर भी हवाई हमले किए गए। इसके जवाब में 3 दिसंबर, 1971 से भारत भी इस युद्ध में कूदा और पश्चिम से लेकर पूर्व तक में पाक सेना पर जोरदार हमला बोला। तीनों सेनाएं इस युद्ध में सक्रिय हुई और अंत में 16 दिसंबर, 1971 को 93 हजार पाक सैनिकों के सरेंडर के साथ जंग को जीता। यही नहीं, पड़ोस में एक नए मुल्क बांग्लादेश का भी उदय हुआ। इस युद्ध की शुरुआत से पहले तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने राष्ट्र के नाम संदेश जारी किया था।

आधी रात को देश के नाम संबोधन करते हुए इंदिरा गांधी ने कहा- मैं आप सभी से ऐसे वक्त में बात कर रही हूं, अभी कुछ घंटों पहले ही 5:30 बजे शाम को पाकिस्तान ने अचानक हमारे एयरफील्ड्स पर हमले किए हैं। उनकी थल सेना सुलेमानखी, खेमकरण, पुंछ और अन्य सेक्टर्स में गोलीबारी कर रही है, हम पूरी दुनिया से इस मसले के शांतिपूर्ण समाधान की अपील कर रहे हैं। हमारी यही मांग है कि उन लोगों के अधिकार दिए जाएं, जो सिर्फ लोकतंत्र में अपनी भागीदारी चाहते हैं। आज बांग्लादेश में चल रहा युद्ध भारत का युद्ध बन गया है। वह युद्ध मुझ पर और देश के लोगों पर थोपा गया है। हमारे पास देश को युद्ध में ले जाने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है। हमारे बहादुर अफसर और सैनिक चौकियों पर हैं और देश की रक्षा को आगे बढ़ रहे हैं। पूरे देश में आपातकाल घोषित किया जाता है। हम किसी भी चीज के लिए तैयार हैं। हमें लंबे समय तक संघर्ष और त्याग के लिए तैयार रहना होगा। हम शांति पसंद लोग हैं, लेकिन हम जानते हैं कि जब तक आप अपनी स्वतंत्रता, लोकतंत्र और जिंदगी की सुरक्षा नहीं कर पाते, तब तक शांति नहीं रह सकती। इसलिए आज हमें न सिर्फ अपनी अखंडता के लिए लड़ना है बल्कि अपने देश के मूलभुत आदर्शों को मजबूती देने के लिए लड़ना है।

(लेखक पत्रकार हैं)

तिरुवनंतपुरम की जीत और टूटता राजनीतिक मिथक

अजीत लाड़

केरल के स्थानीय निकाय चुनावों के नतीजों को केवल एक राज्य-विशेष की राजनीतिक घटना मानना एक गंभीर भूल होगी। तिरुवनंतपुरम नगर निगम में 45 वर्षों बाद भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) की जीत और कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ का अपेक्षाकृत सशक्त प्रदर्शन दरअसल उस राष्ट्रीय राजनीतिक प्रवृत्ति का विस्तार है, जो बीते एक दशक से भारतीय लोकतंत्र को नए सिरे से गढ़ रही है। ये नतीजे न सिर्फ 2026 के केरल विधानसभा चुनावों की भूमिका हैं, बल्कि 2029 के आम चुनावों की आहट भी अपने भीतर समेटे हुए हैं। राष्ट्रीय परिदृश्य में देखें तो बीजेपी का केरल में उभार एक रणनीतिक प्रतीक है। अब तक दक्षिण भारत, विशेषकर केरल, बीजेपी के लिए एक कठिन भूगोल रहा है। मजबूत वामपंथी परंपरा, सामाजिक सुधार आंदोलनों की विरासत और संवैध चेतना ने केरल को राष्ट्रीय दक्षिणपंथी राजनीति से काफी हद तक अलग रखा। ऐसे में तिरुवनंतपुरम जैसी राजधानी में जीत बीजेपी के लिए केवल एक सीट नहीं, बल्कि एक मनोवैज्ञानिक बढ़त है। यह संदेश दिल्ली से लेकर नागपुर तक स्पष्ट है, कि बीजेपी अब 'अजेय किले' माने जाने वाले राज्यों में भी धीरे-धीरे सेंध लगाने की स्थिति में है।

इतना ही नहीं यह परिघटना उस राष्ट्रीय रणनीति से भी मेल खाती है, जिसमें बीजेपी स्थानीय निकायों और शहरी संस्थाओं को राजनीतिक प्रयोगशाला की तरह इस्तेमाल कर रही है। उत्तर प्रदेश, गुजरात, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र के बाद अब दक्षिण में भी पार्टी शहरी मध्यवर्ग, युवा पेशेवरों और आकांक्षी मतदाताओं को लक्षित कर रही है। केरल में यह रणनीति खास तौर पर 'सुशासन', 'भ्रष्टाचार-मुक्त प्रशासन' और 'विकास बनाम वैचारिक जड़ता' जैसे नैरेटिव के जरिये आगे बढ़ती दिखती है। वहीं कांग्रेस के लिए केरल के ये नतीजे राष्ट्रीय स्तर पर दोहरी अहमियत रखते हैं। एक ओर, यह पार्टी के लिए राहत का संकेत है कि वह अभी भी कुछ राज्यों में बीजेपी-विरोधी राजनीति का केंद्र बन सकती है। दूसरी ओर, यह चेतावनी भी है कि यदि कांग्रेस अपनी वैचारिक स्पष्टता और संगठनात्मक ऊर्जा को पुनर्स्थापित नहीं करती, तो उसका स्थान बीजेपी और क्षेत्रीय दलों के बीच सिमटता जाएगा। राष्ट्रीय राजनीति में कांग्रेस आज जिस अस्तित्वगत संकट से जूझ रही है, केरल के स्थानीय चुनाव उसके छोटे लेकिन महत्वपूर्ण उत्तर की तरह सामने आते हैं कि जीत संभव है, पर शर्तें बदल चुकी हैं। वामपंथ के लिए यह पराजय सिर्फ राज्य सरकार के खिलाफ असंतोष नहीं, बल्कि राष्ट्रीय वाम राजनीति के क्षरण का प्रतिबिंब भी है। पश्चिम बंगाल और त्रिपुरा के बाद केरल ही वह प्रमुख राज्य बचा है, जहाँ वामपंथ सत्ता में है। स्थानीय चुनावों में आई गिरावट वह सवाल खड़ा करती है कि क्या वाम राजनीति अपने पारंपरिक सामाजिक आधार मजदूर, किसान, निम्न-मध्य वर्ग से धीरे-धीरे दूर होती जा रही है? राष्ट्रीय स्तर पर वाम दल पहले ही हाशिये पर हैं, और केरल में कमजोर होते संकेत उनके लिए एक गहरी वैचारिक चुनौती हैं। सामाजिक दृष्टि से भी केरल के नतीजे राष्ट्रीय बहस को प्रभावित करते हैं। लंबे समय तक केरल को 'राजनीतिक परिपक्वता' और 'सांप्रदायिक सौहार्द' का मॉडल माना गया। लेकिन हाल के वर्षों में यहाँ भी पहचान, धर्म और सांस्कृतिक राजनीति के प्रश्न उभरने लगे हैं। बीजेपी की शहरी सफलता और कांग्रेस-वाम की प्रतिक्रिया यह दर्शाती है कि केरल अब पूरी तरह उस राष्ट्रीय राजनीतिक धारा से अछूता नहीं रहा, जहाँ भावनात्मक मुद्दे, प्रतीकात्मक राजनीति और सोशल मीडिया के जरिये जनमत निर्माण निर्णायक भूमिका निभा रहे हैं।

इन चुनावों का एक अहम राष्ट्रीय संकेत यह भी है कि स्थानीय चुनाव अब 'छोटे चुनाव' नहीं रहे। जिस तरह दिल्ली, पश्चिम बंगाल और कर्नाटक में स्थानीय निकाय और विधानसभा चुनावों को राष्ट्रीय राजनीति से जोड़कर देखा गया, उसी तरह केरल के नतीजे भी केंद्र की राजनीति पर असर डालते हैं। 2024 के लोकसभा चुनावों के बाद बने नए राजनीतिक संतुलन में बीजेपी, कांग्रेस और क्षेत्रीय शक्तियाँ तीनों के लिए केरल एक रणनीतिक प्रयोगशाला बन सकता है। 2026 का केरल विधानसभा चुनाव इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि वह यह तय करेगा कि क्या बीजेपी दक्षिण में एक स्थायी राजनीतिक खिलाड़ी बन पाएगी, क्या कांग्रेस राष्ट्रीय विकल्प के रूप में अपनी विश्वसनीयता लौटाएगी, और

क्या वामपंथ अपने वैचारिक और संगठनात्मक संकट से उबर पाएगा। इन तीनों सवालों के उत्तर का असर केवल केरल तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि वह राष्ट्रीय राजनीति की दिशा को भी प्रभावित करेगा। अंततः, केरल के स्थानीय चुनाव यह स्पष्ट करते हैं कि भारतीय लोकतंत्र एक संक्रमण काल से गुजर रहा है। पुराने राजनीतिक मिथक टूट रहे हैं, नए प्रयोग हो रहे हैं और मतदाता पहले से कहीं अधिक सजग, असंतुष्ट और विकल्पों की तलाश में है। केरल का यह 'सेमीफाइनल' दरअसल पूरे देश के लिए एक संकेत है कि अब राजनीति में कोई भी क्षेत्र, कोई भी विचारधारा स्थायी सुरक्षित क्षेत्र नहीं रही। यही इस चुनाव का सबसे बड़ा राष्ट्रीय संदेश है।

Printed and Published by Manish KUMAR KASHYAP,Run by Vananchal Media & Wefare Trust, behalf of Palace of Publication,BALIHARI ROAD, NEAR - KALYAN BHAWAN NEW AREA MORABADI RANCHI- 834008,Ranchi- Jharkhand, and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222,Jharkhand And Published at Palace of Publication,Ranchi- Jharkhand,, PRGI. NO,JHAHIN/2023/88773 Editor- Editor SHAHOOD ALAM. Email:vananchaleye@gmail.com

'स्ट्रीट फाइटर' से हॉलीवुड में अपने डेब्यू के लिए तैयार हैं विद्युत जामवाल

विद्युत जामवाल फिल्म 'स्ट्रीट फाइटर' से हॉलीवुड में अपने डेब्यू के लिए तैयार हैं। अब फिल्म से उनका पहला लुक सामने आया है। अपने फर्स्ट लुक में विद्युत बाल्ड लुक में काफी दमदार नजर आ रहे हैं। उनका ये लुक रिवील होते ही सोशल मीडिया पर भी छाया हुआ है।

बोल्ड लुक में नजर आए विद्युत

लोकप्रिय वीडियो गेम पर आधारित फिल्म 'स्ट्रीट फाइटर' में विद्युत जामवाल योगी धल्सिम की भूमिका में नजर आएंगे। अब उनका पहला लुक सामने आया है। इस लुक में विद्युत बाल्ड (गंजे) नजर आ रहे हैं। फर्स्ट लुक में विद्युत मार्शल आर्ट की एक पोजिशन में नजर आ रहे हैं। वो हाथों, पैरों, गले और कानों में अजीब से भारी आभूषण पहने हुए हैं। सिर और चेहरे पर लाल रंग से लाइनें भी बनी हुई हैं। विद्युत का फर्स्ट लुक काफी आकर्षक लग रहा है। स्ट्रीट फाइटर 16 अक्तूबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

किताओ सकुराई का है निर्देशन

कैपकॉम के वीडियो गेम से प्रेरित 'स्ट्रीट फाइटर' का निर्देशन 'बैड ट्रिप' और 'आर्डवार्क' के निर्देशक किताओ सकुराई ने किया है। फिल्म में विद्युत जामवाल के अलावा नोआ सेंटिनियो केन मास्टर्स के रूप में, एंड्रयू कोजी र्यू के रूप में, कैलिना लियांग चुन-ली के रूप में, रोमन रेन्स अकुमा के रूप में, डेविड डस्टमाल्चियन एम. बाइसन के रूप में, ब्राइट स्टार कोडी रोड्स गाइल के रूप में, एंड्रयू शुल्ज डैन हिबिकी के रूप में, एरिक आंद्रे डॉन सौवेज के रूप में, कर्टिस 50 सेंट जैक्सन बैलरोग के रूप में और जेसन मोमोआ ब्लैंका के रूप में शामिल हैं। फिल्म में ओरविल पेक वेगा के रूप में, ओलिवियर रिचर्स जांगिफ के रूप में, हिरूकी गोटो ई. होंडा के रूप में, रायना वैलेंडिंगम जूली के रूप में, अलेक्जेंडर वोल्कानोव्स्की जो के रूप में, काइल मूनी मार्विन के रूप में और मेल जार्नसन कैमी के रूप में भी नजर आएंगे।

ऐसी है फिल्म की कहानी

1993 में आधारित यह फिल्म आगामी विश्व योद्धा टूर्नामेंट के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसके लिए स्ट्रीट फाइटर्स र्यू और केन मास्टर्स को रहस्यमयी चुन-ली द्वारा भर्ती किया जाता है। यह लड़ाई इन लड़ाकों को उनके अतीत के बुरे अनुभवों से भी लड़ने के लिए मजबूर करती है।

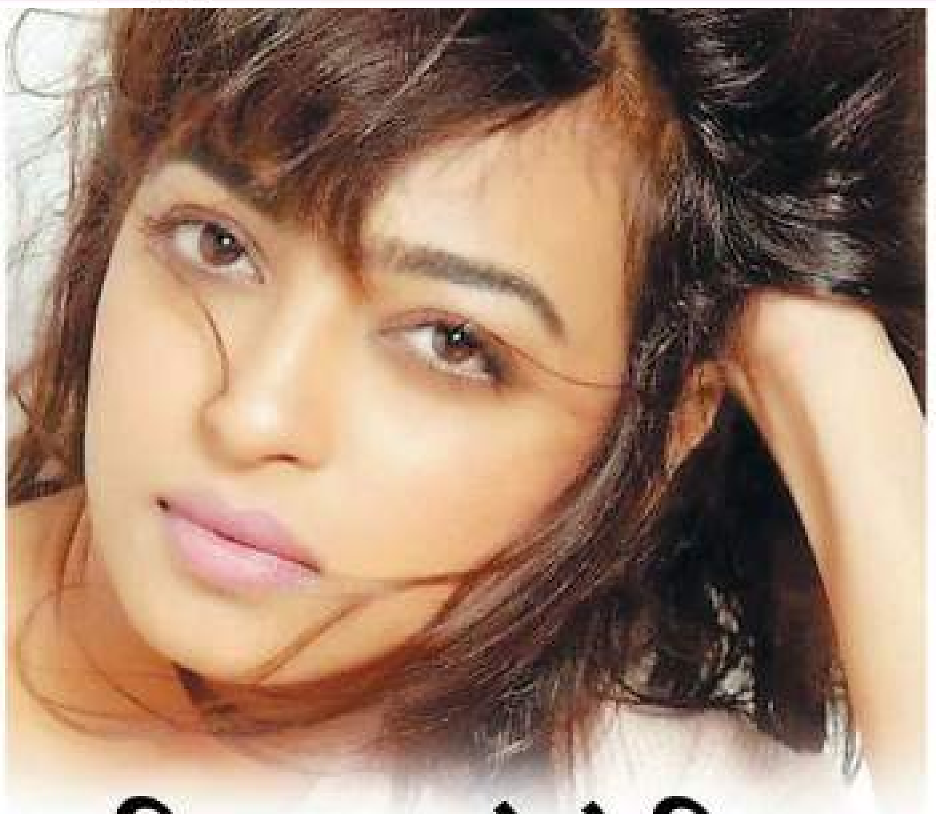

राधिका आप्टे ने फिल्म साली मोहब्बत से जुड़े अनुभव पर चर्चा की

ओटीटी प्लेटफॉर्म पर राधिका आप्टे, दिव्येन्दु शर्मा और अनुराग कश्यप की फिल्म साली मोहब्बत आई है जो कि थ्रिलर-ड्रामा फिल्म है। हसीन दिलरुबा के बाद बहुत समय के बाद एक ऐसी फिल्म आई है जिसमें प्यार, धोखा, नफरत और मरने-मारने की जिद नजर आती है। बातचीत में राधिका ने फिल्म से जुड़े अनुभव पर चर्चा की। पेश है उनसे हुई बातचीत के मुख्य अंश..

टिस्का ने हमें पूरी आजादी दी

फिल्म 'साली मोहब्बत' की निर्देशक टिस्का चोपड़ा के बारे में बात करते हुए राधिका आप्टे कहती हैं, 'एक अभिनेता का निर्देशक होना बड़े ही फायदे की बात है। उसे अभिनय से जुड़ी मुश्किलें पहले से पता होती हैं तो कई चीजें समझाने की जरूरत नहीं पड़ती। उससे बातचीत भी एक अलग स्तर पर हो जाती है। टिस्का इस मामले में बेहद संतुलित हैं। उन्होंने हमें बताया कि उन्हें क्या चाहिए और फिर हमें अपने तरीके से किरदार निभाने की आजादी दी।'

दिव्येंदु बारीकियों पर काम करने वाले अभिनेता हैं

वहीं अभिनेता दिव्येंदु शर्मा के साथ काम करने के अनुभव साझा करते हुए राधिका ने कहा, 'सेट पर माहौल हमेशा हल्का रहता था और हम दोनों की आपस में अच्छी बनती थी। वह एक अच्छे अभिनेता हैं...बारीकियों पर काम करने वाले और क्रिएटिव। उन्हें काम करते देखना दिलचस्प रहता था। कई बार हम दोनों एक-दूसरे का सीन देखकर हंस देते थे। कुल मिलाकर उनके साथ काम करने का अनुभव सहज रहा।'

ऐसा किरदार पहले नहीं निभाया

वहीं जब बात हुई किरदार की तो राधिका बोलीं, इस किरदार और मेरे पहले निभाए गए किरदारों में सबसे बड़ा फर्क यह है कि यह बहुत शांत और अंतर्मुखी है। वह ज्यादा बोलती नहीं है, अपने आप में रहती है। इस तरह का स्वभाव मैंने पहले किसी किरदार में नहीं निभाया था।'

कॉमेडी एक अलग तरह की चुनौती है, सीखने के तौर पर मैंने किस-किस को प्यार करूं-2 की

हिंदी, तमिल और बंगाली फिल्मों में काम करने वाली अभिनेत्री त्रिधा चौधरी की फिल्म किस-किस को प्यार करूं-2 शुक्रवार को रिलीज हो गई। इस बीच त्रिधा ने फिल्म से जुड़े अनुभव, अपने किरदार और कपिल शर्मा के बारे में खुलकर बात की है। अभिनेत्री त्रिधा चौधरी ने कहा कि मेरा मानना है कि एक्टर्स ऐसे रोल चुनते हैं जिनकी स्क्रिप्ट उन्हें ज्यादा मजबूत लगती है। मैंने आश्रम में बोल्ड और शातिर बबीता का किरदार निभाया था। उसके बाद टाइपकास्ट न किया जाए, इसके लिए हर तरह के किरदार निभाना चाहिए। हालांकि सीरीज आश्रम के बाद मुझे बोल्ड रोल ही ऑफर हुए थे। उन्होंने ये भी कहा कि चाहे मैं किसी को मुक्का मारूं या किस करूं, दोनों ही एक्टिंग हैं। फिल्म में अपने किरदार मीरा पर बात करते हुए अभिनेत्री ने कहा कि कॉमेडी एक अलग तरह की चुनौती है। लोगों को लगता है कि यह करना आसान है, क्योंकि आपको बस दूसरों को हंसाना ही तो है, लेकिन यह बहुत मुश्किल है। ऐसे में सीन के दौरान टाइमिंग, घबराहट, इमोशन्स हर चीज को थामकर चलना पड़ता है। मैंने आज से पहले कभी कॉमेडी नहीं की, इसलिए मैं इसे अपने सीखने का तौर पर करूंगी।
फिल्म की स्क्रिप्ट को लेकर त्रिधा चौधरी ने कहा कि फिल्म की स्क्रिप्ट बहुत अच्छे से लिखी गई है। जब आप फिल्म देखेंगे, तो आपको समझ आएगा कि मीरा कितनी जरूरी है। कई लोगों ने मुझसे पूछा, तुम अकेली हीरोइन नहीं हो तो यह फिल्म क्यों? लेकिन अब समय बदल गया है। हीरोइनों की गिनती से ज्यादा किरदार मायने रखता है। उन्होंने आगे बताया कि मीरा का किरदार उनकी असल जिंदगी जैसा ही है। मीरा चुलबुली है और त्रिधा भी असल जिंदगी में बहुत जॉली और चुलबुली हैं। उन्होंने आगे कहा कि मैं ऐसे रोल का इंतजार कर रही थी जहां मैं अपना ड्रामा और एनर्जी दिखा सकूं। मुझे अक्सर सीरियस या कंट्रोल्ड रहने के लिए कहा जाता था, लेकिन मीरा ने मुझे एक्सप्रेसिव और बेफिक्र रहने का मौका दिया। किस-किस को प्यार करूं-2 मल्टी एक्ट्रेस वाली फिल्म है, जिसमें चार अभिनेत्रियां लीड रोल में हैं। ऐसे में सेट पर बाकी हीरोइंस के साथ अपने एक्सपीरियंस पर त्रिधा ने कहा कि सेट पर थोड़ा नर्वस फील होने लगता था। रिहर्सल बहुत मुश्किल थी और मैं सबके सपोर्ट के बिना यह नहीं कर पाती।

एक्ट्रेस निमृत कौर अहलूवालिया ओटीटी डेब्यू के लिए तैयार

हिंदी वेबसीरीज की शूटिंग पूरी

लोकप्रिय टीवी एक्ट्रेस निमृत कौर अहलूवालिया पहले ही छोटी सरदारनी सीरियल से छा चुकी हैं। उन्हें हाल ही में पंजाबी फिल्म शौंकी सरदार में देखा गया है, जिसमें वे बब्बू मान और गुरु रंधावा के साथ देखी गई थीं, लेकिन अब अभिनेत्री ओटीटी पर भी अपना जलवा दिखाने के लिए तैयार हैं। उन्होंने हिंदी वेबसीरीज की शूटिंग भी पूरी कर ली है। अभिनेत्री निमृत कौर अहलूवालिया ने हाल ही में फिल्म के पर्दे के पीछे की कई तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की थी, जिनमें संजय कपूर, शाहीर शेख, मौनी रॉय, अविनाश मिश्रा, हर्मन सिंधा और आशीमा वरदान जैसे सितारे नजर आ रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक ये जल्द ही एक हिंदी वेबसीरीज में नजर आने वाली हैं, जिससे उनका ओटीटी डेब्यू होने जा रहा है। इस प्रोजेक्ट से जुड़े एक सूत्र ने खास बातचीत में बताया कि ये प्रोजेक्ट निमृत के अब तक के सबसे प्रॉमिसिंग प्रोजेक्ट्स में से एक है। पर्दे पर उनका किरदार अपनी भावनात्मक गहराई और बहुमुखी प्रतिभा से दर्शकों को मंत्रमुग्ध करने की ताकत रखता है। शूटिंग पूरी हो चुकी है। मुंबई और पंजाब में शूटिंग हुई है। हालांकि अभी रिलीज की तारीख और फिल्म से जुड़ी जानकारियों को गुप्त रखा गया है।
निमृत कौर अहलूवालिया को आखिरी बार फिल्म शौंकी सरदार में देखा गया, जो पर्दे पर 16 मई 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। फिल्म का निर्देशन धीरज केदारनाथ रतन ने किया है, जबकि फिल्म का निर्माण ईशान कपूर, शाह जंडियाली और धर्मेंद्र बाटोली ने किया है। शौंकी सरदार में भरपूर एक्शन और कॉमेडी देखने को मिली। दर्शकों ने भी फिल्म को मिला-जुला रेस्पॉन्स दिया। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर औसत रही। इसके अलावा एक्ट्रेस म्यूजिक वीडियो भी कर चुकी है। टीवी में अपना करियर शुरू करने से पहले साल 2018 में निमृत कौर अहलूवालिया ने फेमिना मिस मणिपुर का खिताब जीता था, जिसके बाद उन्हें पहला ब्रेक बी प्राक के म्यूजिक वीडियो मस्तानी में मिला था। ये गाना सुपरहिट साबित हुआ, लेकिन एक्ट्रेस को खास पहचान नहीं मिली, लेकिन साल 2019 में वे छोटी सरदारनी सीरियल में बतौर लीड रोल में दिखीं। एक्ट्रेस ने टीवी के कई रियलिटी शोज में भी हिस्सा लिया। वे साल 2022 से 2023 तक बिग बॉस 16 में दिखीं और उसके बाद साल 2024 में रोहित शेट्टी के शो खतरों के खिलाड़ी 14 में नजर आईं।

चाहता था कि लोग मुझे डांसर नहीं, एक्टर समझें

अरशद वारसी ने बॉलिवुड की सेफ स्टोरीज, ओटीटी की आजादी, किरदार में उतरने के अपने तरीके और थिएटर के पुराने दिनों को ऐसे अंदाज में याद किया कि हर बात में उनका अनुभव, ह्यूमर और साफगोई चमक उठी। अरशद कहने से नहीं चूकते कि फेल होने से मत डरिए, मजा तो उसी सफर में है।

अपनी शक्ल भूलकर बस किरदार में घुसना है

अरशद वारसी ने कहा, मैंने जब सर्किट का रोल किया था, तब भी बहुत लोग टपोरी टाइप के किरदार कर चुके थे। इस वजह से हमेशा सोचना पड़ता है कि ऑडियंस को नया क्या दे सकते हैं। मेरे लिए यह जरूरी हो जाता है कि अपने काम में ताजगी और ईमानदारी लाऊं। फिल्म भागवत में भी मैंने एक पुलिसवाले की भूमिका निभाई है और इसमें मेरी ईमानदारी साफ दिखाई दे रही है। मेरा मानना है, जब आप दिल से काम करते हो तो वो खुद-ब-खुद अलग नजर आता है। अगर सिर्फ ऊपर-ऊपर से करोगे तो हर किसी का काम एक जैसा लगेगा। यहां आपको अपनी शक्ल, आदतें भूलकर बस किरदार में उतरना है। किरदार पर फोकस रखो, फिर लोग खुद-ब-खुद आपकी तरफ ध्यान देंगे।

मराठी-साउथ की फिल्में बहुत आगे निकल चुकीं

मुझे नहीं लगता कि बॉलिवुड रिस्की स्टोरीज को स्वीकार करने वाली स्थिति तक अभी पहुंचा है। मराठी और साउथ की फिल्में इस मामले में आगे निकल चुकी हैं। वो एक्सपेरिमेंट कर रहे और रिस्क भी बेहिचक ले रहे हैं। हिंदी सिनेमा अब भी बहुत सेफ कहानियों के साथ खेल रहा और कदम फूंक-फूंककर रख रहा है। दरअसल, फिल्म बनाना एक अलग तरह का जोखिम है इसलिए कहानी चुनने में भी ज्यादा सावधानी बरती जाती है। यही वजह है कि मुझे ओटीटी एक कमाल का प्लेटफॉर्म लगता है। इसने इतने सारे टैलेंटेड ऐक्टरों को मौके दिए हैं, जिन्हें पहले फिल्मों में जगह ही नहीं मिल पाती थी। फिल्मों में अक्सर एक खास लुक या बॉडी लैंग्वेज देखी जाती है, जो हर कलाकार में नहीं होती। ऐसे कलाकारों के लिए ओटीटी सच में एक ब्लेसिंग है, यहां कहानी भी खुलकर कही जाती है और कलाकार को भी खुलकर जगह मिलती है।

पूरी सच्चाई से सीन को खुद में उतार लो

मैं जब कोई इमोशनल सीन करता हूं तो न मैकेनिकल मैथड अपनाता हूं और न अपनी असल जिंदगी की यादों को इस्तेमाल करता हूं। मेरे लिए यह सब बकवास है। लोग पूछते हैं कि मेरा तरीका क्या है, असल में मेरा कोई मैथड ही नहीं होता। आपको बस उस पल की बात को इतनी इंटेंसिटी से भीतर लेना होता है कि वह सच लगने लगे। एक्टिंग यही है कि एक छोटी सी चीज पर इतना यकीन कर लो कि वह आपको और देखने वाले को भी सच महसूस होने लगे। जिस सीन में जो लिखा है, उसे पूरी रूह के साथ अपने अंदर उतार लो, इमोशन अपने-आप बाहर आ जाते हैं।

सफलता के अलावा असफलता भी भर-भरकर देखी

मैंने सफलता के अलावा असफलता भी भर-भरकर देखी। इंसान अगर सिर्फ सक्सेस देखे तो जिंदगी का मजा क्या है। जिंदगी में थोड़ी तकलीफ होनी चाहिए। मुझे फेल होने से जरा भी फर्क नहीं पड़ता है।

लोग मेरी पहचान मेरे अभिनय से करें, ना कि सिर्फ मेरे डांस से

अरशद ने कहा, डांसिंग मेरा पैशन है। शुरुआत में जब आया था तो मैंने एक बात कही थी, जो लोगों को बहुत पसंद आई। मैंने कहा था कि मैं नहीं चाहता कि लोग मुझे ऐसे देखें कि ये डांसर है, जो ऐक्टिंग करने की कोशिश कर रहा है। मैं चाहता था कि लोग यह समझें कि ये एक्टर है, जो डांस भी कर सकता है। मैं एक्टिंग के प्रोफेशन में आ रहा था ना कि डांसिंग के प्रोफेशन में आ रहा था। यह बहुत बड़ा फर्क है। मेरी पूरी मेहनत इसी बात पर रही कि लोग मेरी पहचान मेरे अभिनय से करें, ना कि सिर्फ मेरे डांस से।

भारत ने रचा इतिहास, धर्मशाला टी20आई जीतकर ऑस्ट्रेलिया का बड़ा रिकॉर्ड तोड़ा

दुबई (एजेंसी)। धर्मशाला में खेले गए तीसरे टी20आई मैच में भारत ने दमदार प्रदर्शन करते हुए दक्षिण अफ्रीका को शिकस्त दी। इस जीत के साथ भारत ने न सिर्फ पांच मैचों की सीरीज में 2-1 की बढ़त हासिल की, बल्कि टी20I इतिहास में एक बड़ा कीर्तिमान भी अपने नाम कर लिया।

भारत ने ऑस्ट्रेलिया का रिकॉर्ड तोड़ा

इस जीत के साथ भारत ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सबसे ज्यादा टी20आई जीत दर्ज करने के मामले में ऑस्ट्रेलिया को पीछे छोड़ दिया। इससे पहले भारत और ऑस्ट्रेलिया दोनों के नाम 19-19 जीत थीं, लेकिन अब भारत ने 20वीं जीत के साथ बढ़त बना ली है। दक्षिण अफ्रीका की मजबूत T20 टीम के खिलाफ यह उपलब्धि भारत की निरंतरता और मजबूत व्हाइट-बॉल सेटअप को दर्शाती है।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सबसे ज्यादा टी20आई जीत

भारत - 34 मैचों में 20 जीत
ऑस्ट्रेलिया - 28 मैचों में 19 जीत
वेस्टइंडीज - 26 मैचों में 14 जीत
पाकिस्तान - 27 मैचों में 14 जीत
इंग्लैंड - 28 मैचों में 13 जीत

लक्ष्य का आसानी से पीछा

भारतीय गेंदबाजों के अनुशासित प्रदर्शन ने दक्षिण अफ्रीका को 118 रन के मामूली स्कोर पर रोक दिया। इसके बाद भारतीय बल्लेबाजों ने लक्ष्य का आसानी से पीछा करते हुए 15.5 ओवर में ही सात विकेट रहते मुकाबला अपने नाम कर लिया, जिससे मैच में भारत का दबदबा साफ नजर आया।

ऑलराउंड प्रदर्शन से सीरीज में बढ़त

तेज गेंदबाजों और स्पिनरों के संयुक्त प्रयास से दक्षिण अफ्रीका को सीम और उछाल मददगार परिस्थितियों में 117 रन पर समेट दिया गया। इसके बाद भारत ने 25 गेंद शेष रहते 118 रन का लक्ष्य हासिल कर लिया। अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा, वरुण चक्रवर्ती और कुलदीप यादव ने दो-दो विकेट लिए, जबकि हार्दिक पांड्या और शिवम दुबे को एक-एक सफलता मिली। सात ओवर के भीतर 30/4 पर सिमटने के बाद दक्षिण अफ्रीकी टीम मैच में वापसी नहीं कर सकी। लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत को अभिषेक शर्मा ने तेज शुरुआत दिलाई। उन्होंने पावरप्ले में 18 गेंदों पर 35 रन बनाए। शुभमन गिल (28) और तिलक वर्मा (नाबाद 25) को रन बनाने में थोड़ी दिक्कत हुई, जबकि सूर्यकुमार यादव 12 रन बनाकर आउट हुए। हालांकि अभिषेक की शुरुआती आक्रामक बल्लेबाजी के चलते लक्ष्य हमेशा भारत की पहुंच में रहा और अंत में शिवम दुबे (नाबाद 10) ने शानदार शॉट्स लगाकर मैच खत्म किया।

चौथे टी20 में शुभमन की जगह मिल सकता है सैमसन को अवसर

–टीम में हो सकते हैं तीन बदलाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुम्बई (ईएमएस)। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच चल रही जारी पांच मैचों की टी20 सीरीज के चौथे मुकाबले में विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन को अवसर मिल सकता है। बुधवार को लखनऊ में होने वाले इस मैच में भारतीय टीम प्रबंधन अंतिम ग्यारह में तीन बदलाव कर सकती है। इसके तहत हो उपकप्तान शुभमन गिल की जगह पर पारी की शुरुआत के लिए सैमसन को अवसर मिल सकता है। सैमसन अच्छे प्रदर्शन के बाद भी अक्टूबर 2025 के बाद से ही टीम से बाहर हैं, ऐसे में उन्हें जगह देने की मांग उठ रही है। वहीं शुभमन पिछले कुछ समय से रन नहीं बना पा रहे। पहले टी20 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उन्होंने 4 रन बनाये थे जबकि दूसरे मैच में वह शून्य पर ही आउट हो गये थे। तीसरे टी20 में उन्होंने 28 गेंद में 28 रन बनाए पर उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा। ऐसे में अंतिम ग्यारह में उन्हें जगह मिलना कठिन है।

सैमसन के अलावा स्पिनर अक्षर पटेल और तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को भी इस मैच में शामिल किया जा सकता है। तीसरे टी20 में इन दोनो को ही आराम दिया गया था। अब देखना अक्षर और बुमराह के शामिल होने से किसे बाहर किया जाता है। तीसरे टी20 में इनकी जगह पर हर्षित राणा और कुलदीप यादव को मौका मिला था और दोनों ने दो-दो विकेट लेकर अपने को साबित किया था।

वहीं अगर टीम प्रबंधन कुलदीप और हर्षित को बनाये रखता है तो अर्शदीप सिंह और वरुण चक्रवर्ती को बाहर किया जा सकता है। हर्षित और कुलदीप की तरह अर्शदीप और वरुण ने भी तीसरे टी20 में दो-दो विकेट लिए थे। चौथे टी20 में भारतीय टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव को भी बड़ी पारी खेलनी होगी। वह पिछले काफी समय से रन नहीं बना पाये हैं।

संभावित अंतिम ग्यारह: सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), तिलक वर्मा, अक्षर पटेल, हार्दिक पांड्या, शिवम दुबे, जितेश शर्मा, हर्षित राणा, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह।

खराब फार्म की बात से सूर्यकुमार ने इंकार किया, बोले जब जरुरत होगी रन आयेंगे

धर्मशाला। भारतीय टी20 क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव एक बार फिर रन बनाने में असफल रहे हैं। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीसरे टी20 में भी वह 12 रन ही बना पाये। वहीं जब उनसे फार्म में नहीं होने को लेकर पूछा गया तो सूर्यकुमार का जवाब सुनकर सभी हैरान हो गये। सूर्या ने लय में नहीं होने की बात को खारिज करते हुए कहा कि जब जरूरत होगी तो आ जाएंगे। कप्तान के तौर पर उनके इस बयान की आलोचना भी हो रही है। सभी प्रशंसकों का मानना है कि टीम जीत रही है, इसी लिए अधिक सवाल नहीं उठ रहे हैं पर कप्तान को आगामी विश्वकप को देखते हुए रन बनाने ही होंगे। विश्वकप से पहले भारतीय टीम को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दो टी20 और उसके बाद नए साल में न्यूजीलैंड के खिलाफ 5 मैचों की टी20 सीरीज खेलनी है।

सूर्यकुमार ने कहा, 'मैंने नेट में अच्छी बल्लेबाजी की है, इसलिए जब रन बनाने की जरूरत होगी, तब बनेंगे।' सूर्यकुमार ने इस सीरीज के तीन मैचों में 12, पांच और 12 रन बनाये हैं। उन्होंने कहा, 'ऐसा नहीं है कि मैं फॉर्म में नहीं हूं हालांकि रन नहीं बना पाया हूं।' उन्होंने कहा कि टीम ने पिछले मैच में मिली हार से सबक लेकर अच्छी वापसी की है।

बीसीसीआई ने जारी कर दिया फरमान!, रोहित-विराट को भी इस घरेलू टूर्नामेंट में खेलने होंगे दो मैच

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीसीसीआई ने भारतीय टीम के मौजूदा खिलाड़ियों के लिए 24 दिसंबर से शुरू हो रही विजय हजारे ट्रॉफी में कम से कम दो वनडे मैच खेलना अनिवार्य कर दिया है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आखिरी टी20 मैच (19 दिसंबर) और न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले वनडे (11 जनवरी, 2026) के बीच तीन सप्ताह से अधिक का अंतर है और बोर्ड चाहता है कि सभी सीनियर खिलाड़ी घरेलू क्रिकेट खेलें।

अजीत अगरकर की अध्यक्षता वाली चयन समिति ने सभी को यह निर्देश दे दिया है। इस साल की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट श्रृंखला में हार के बाद यह सिफारिश की गई थी। इसमें हर प्रारूप में घरेलू क्रिकेट पर अधिक जोर देने के लिए कहा गया था। विराट कोहली और रोहित शर्मा टूर्नामेंट के लिए अपनी उपलब्धता की सूचना दे चुके हैं। वहीं सीनियर खिलाड़ी शुभमन गिल, जसप्रीत बुमराह, केएल राहुल, हार्दिक पंड्या और सूर्यकुमार यादव को अपनी अपनी टीमों के लिये कम से कम दो मैच खेलने के लिए कहा जा सकता है।

बीसीसीआई के एक सीनियर अधिकारी ने कहा, 'विजय हजारे ट्रॉफी के 6 दौर 24 दिसंबर से खेले जाने हैं। यह खिलाड़ियों और उनके प्रदेश संघों पर निर्भर करता है कि वे कौन से दो दौर खेलना चाहते हैं। किसी को छूट तभी दी जाएगी जब उत्कृष्टता केंद्र से किसी को अनफिट घोषित किया जाता है लेकिन अधिकारियों का मानना है कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ श्रृंखला के बाद चोट से उबरने के लिए काफी समय होगा।'

इस निर्देश से यह धारणा भी टूटेगी कि चयन समिति और मुख्य कोच गौतम गंभीर सिर्फ कोहली और रोहित का उदाहरण देना चाहते हैं जिन्हें किसी को कुछ साबित नहीं करना है। इस बीच जसप्रीत बुमराह को धर्मशाला में तीसरे टी20 से पहले निजी कारणों से घर लौटना पड़ा। विश्वस्त सूत्रों के अनुसार उनके करीबी परिजन को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सूत्र ने कहा, 'सब कुछ ठीक रहा तो वह चौथे या पांचवें मैच के लिये लौट सकते हैं।'

जीएस दिल्ली एसेस ने पहली बार जीता टेनिस प्रीमियर लीग का खिताब

अहमदाबाद। GS दिल्ली एसेस ने यहां टेनिस प्रीमियर लीग (TPL) के फाइनल में यश मुंबई ईगल्स पर 51-36 से शानदार जीत के साथ पहली बार इस खिताब पर कब्जा किया। बेल्जियम की खिलाड़ी सोफिया कोस्टौलास ने रविवार देर रात एक बार फिर शानदार प्रदर्शन करते हुए रिया भाटिया को 18-7 से हराकर महिला एकल में अपना अजेय रिकॉर्ड बरकरार रखा। कोस्टौलास और जीवन नेदुनचेझियान की मिश्रित युगल जोड़ी ने दमदार रिटर्न और आत्मविश्वास से भरे नेट प्ले के साथ भाटिया और निक्की पुनाचा की जोड़ी को 16-9 से हराकर दिल्ली एसेस की बढ़त को और मजबूत कर दिया। पुरुष एकल में मुंबई ईगल्स के विश्व नंबर 57 दामिर जुम्हूर ने बिली हैरिस को 16-9 से हराया कुछ हद तक टीम की वापसी कराई लेकिन जीएस दिल्ली एसेस के पास अब भी 11 अंकों की बढ़त थी। पुरुष युगल हैरिस और नेदुनचेझियान ने संयमित और नियंत्रित प्रदर्शन करते हुए निक्की पुनाचा और जुम्हूर को 8-4 से हराकर दिल्ली की जीत पर मुहर लगा दी।

पंड्या ने बनाया नया रिकार्ड: 100 विकेट और 1000 रन बनाने वाले पहले तेज गेंदबाज बने

धर्मशाला। भारतीय टीम के ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीसरे टी20 मुकाबले में एक नया रिकार्ड अपने नाम किया है। पंड्या ने इस मैच में एक विकेट लेते ही टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपने 100 विकेट पूरे कर लिए। अब इस प्रारूप में 1,000 से ज्यादा रन और 100 विकेट लेने वाले वह पहले तेज गेंदबाज बन गये हैं। उनके अलावा केवल स्पिन गेंदबाजी ऑलराउंडर शाकिब अल हसन, मोहम्मद नबी और सिकंदर रजा ने ही ये कारनामा किया है। पंड्या इस प्रारूप में 100 विकेट लेने वाले तीसरे भारतीय तेज गेंदबाज हैं। उनसे पहले अर्शदीप सिंह ने 109 और जसप्रीत बुमराह ने इस प्रारूप में 101 विकेट लिए हैं। वहीं वरुण चक्रवर्ती ने भी दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ इस मैच में दो विकेट लेकर एक अहम उपलब्धि हासिल की। अब वरुण सबसे कम मुकाबलों में 50 टी20 अंतरराष्ट्रीय विकेट लेने वाले दूसरे भारतीय बन गए हैं। उन्होंने 32 मुकाबलों में ये आंकड़ा हासिल किया है, जबकि कुलदीप यादव ने 30 मुकाबलों में ये रिकार्ड बनाया है।

भारत ने पहली बार जीता स्क्वाश विश्व कप का खिताब, पीएम नरेंद्र मोदी ने दी बधाई

चेन्नई (एजेंसी)। भारत ने स्क्वाश विश्व कप के फाइनल में रविवार को हांगकांग को 3-0 से हराकर पहली बार इस खिताब को जीत इतिहास रच दिया। भारत यह उपलब्धि हासिल करने वाला पहला एशियाई देश बन गया। इससे पहले भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2023 में कांस्य पदक जीतना था।

यह खिताबी जीत भारतीय स्क्वाश के लिए निश्चित रूप से अच्छी खबर है क्योंकि यह खेल लॉस एंजिल्स 2028 में ओलंपिक में अपना पदार्पण करने जा रहा है। मिश्रित टीम स्पर्धा में भारतीय टीम का प्रदर्शन शानदार रहा। टूर्नामेंट में दूसरी वरीयता प्राप्त भारत ने बिना कोई मैच हारे खिताब अपने नाम किया। ग्रुप चरण में स्विट्जरलैंड और ब्राजील को समान 4-0 के अंतर से हराने के बाद भारत ने क्वार्टर फाइनल और सेमीफाइनल में क्रमशः दक्षिण अफ्रीका और दो बार के चैंपियन मिस्र को 3-0 से हराया।

विश्व रैंकिंग में 79वें स्थान पर काबिज जोशना चिनप्पा ने 37वीं रैंकिंग की खिलाड़ी ली का यी पर 3-1 की उलटफेर भरी जीत से फाइनल में भारत को शानदार शुरुआत दिलाई। एशियाई खेलों के पदक विजेता अभय सिंह (विश्व रैंकिंग में 29) ने 42वें स्थान पर काबिज एलेक्स लाउ को 3-0 से जबकि 17 वर्षीय अनाहत सिंह ने विश्व रैंकिंग में 31वें स्थान पर काबिज टोमाटो हो को इसी अंतर से हराकर भारत के लिए खिताब पक्का कर दिया।

पीएम मोदी ने दी बधाई

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इतिहास रचने और अपना पहला स्क्वैश वर्ल्ड कप जीतने के लिए भारतीय स्क्वैश टीम को बधाई दी। पीएम मोदी ने भारतीय खिलाड़ियों जोशना चिनप्पा, अभय सिंह, वेलवन सेंथिल कुमार और अनाहत सिंह की लगन और दृढ़ संकल्प की तारीफ की और कहा कि टीम ने पूरे देश को गौरवान्वित किया है। पीएम मोदी ने टीम को बधाई देते हुए कहा कि उनकी जीत देश को प्रेरित करेगी और युवाओं के बीच स्क्वैश की लोकप्रियता बढ़ाएगी।

पीएम मोदी ने X पर कहा, 'स्क्वैश वर्ल्ड कप 2025 में इतिहास रचने और अपना पहला वर्ल्ड कप खिताब जीतने के लिए भारतीय स्क्वैश टीम को बधाई! जोशना चिनप्पा, अभय सिंह, वेलवन सेंथिल कुमार और अनाहत सिंह ने जबरदस्त लगन और दृढ़ संकल्प दिखाया है। उनकी सफलता ने पूरे देश को गौरवान्वित किया है। यह जीत हमारे युवाओं के बीच स्क्वैश की लोकप्रियता को भी बढ़ाएगी।'

वर्तमान ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजी आक्रमण अब तक का सबसे बेहतर : ब्रेट ली

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज ब्रेट ली ने कहा है कि कप्तान पैट कमिंस की अगुवाई में वर्तमान गेंदबाजी आक्रमण सबसे बेहतर है। इस तेज गेंदबाज का कहना है कि एक समय जहां उनके साथ ग्लेन मैक्ग्रा, शेन वॉर्न और जेसन गिलेस्पी जैसे घातक तेज गेंदबाज थे। वहीं आज के समय में उससे भी बेहतर संयोजन कमिंस, मिचेल स्टार्क, जोश हेजलवुड और नाथन लॉयन जैसे गेंदबाजों के पास है। साथ ही कहा कि ये अब तक तक सबसे बेहतर गेंदबाजी आक्रमण माना जा सकता है। इसने सभी पिछले आक्रमणों को पीछे छोड़ दिया है। गौरतलब है कि अबतक कमिंस, स्टार्क, लायन और हेजलवुड ने कुल मिलाकर 389 टेस्ट मैचों में ही 1,586 विकेट निकाल लिए हैं। इन चार में से तीन गेंदबाजों ने 300 विकेट लिये हैं, जबकि हेजलवुड ने 295 विकेट लिए हैं और माना जा रहा है कि वापसी पर हेजलवुड भी 300 का आंकड़ा हासिल कर लेंगे। कमिंस स्टार्क, हेजलवुड और लायन ने एकसाथ मिलकर ऑस्ट्रेलिया के लिए अभी तक 33 टेस्ट खेले हैं, जिसमें से ऑस्ट्रेलियाई टीम को 22 में जीत मिली है जबकि नौ में टीम हारी है। वहीं चार मुकाबले ड्रॉ रहे हैं। एक साथ अंतिम ग्यारह में रहते हुए इन चारों ने कुल मिलकर रिकॉर्ड 567 विकेट लिए हैं। वहीं साल 2000 के दशक में ली ने मैक्ग्रा, वॉर्न और गिलेस्पी के साथ मिलकर कुल 1842 विकेट लिए थे। इन चारों ने मिलकर 16 टेस्ट खेले थे जिसमें ऑस्ट्रेलियाई टीम 10 में जीती थी पर इसके बाद भी ली का मानना है वर्तमान समूह ने बेहतर तरीके से उनकी जगह ले ली है। ली ने कहा, मुझे लगता है कि कमिंस और उनके साथी अब तक के सबसे अच्छे गेंदबाज हैं हालांकि किसी भी दौर की दूसरे से तुलना नहीं की जा सकती है पर मैं उन्हें हमसे ऊपर रखूंगा। अगर आप सिर्फ स्टैट्स देखें, तो सभी ने 250 से ज्यादा टेस्ट विकेट लिए है, और ऐसा पहले कभी नहीं हुआ।

श्रीलंका का पूर्व क्रिकेटर हुआ गिरफ्तार, भ्रष्टाचार के लगे आरोप

कोलंबो। श्रीलंका के पूर्व टेस्ट क्रिकेटर और विश्व कप विजेता कप्तान अर्जुन रणतुंगा के बड़े भाई दम्मिका को देश के भ्रष्टाचार रोधी आयोग ने गिरफ्तार किया था लेकिन सोमवार को उन्हें जमानत पर रिहा कर दिया गया। भ्रष्टाचार जांच आयोग (CIABOC) ने बताया कि 63 वर्षीय दम्मिका को 2017 में सरकारी संस्था सीलोन पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन (CPC) द्वारा कच्चे तेल की खरीद में गलत निविदा प्रक्रिया के लिए गिरफ्तार किया गया था। वह उस समय इसके अध्यक्ष थे। सीआईएबीओसी ने कहा कि दम्मिका के अनुचित प्रभाव के कारण सीपीसी को 80 करोड़ श्रीलंकाई रुपये का नुकसान हुआ था। CIABOC ने कोलंबो मजिस्ट्रेट कोर्ट को बताया कि दम्मिका के छोटे भाई अर्जुन को इस मामले में दूसरे आरोपी के रूप में नामित किया गया है। अर्जुन को गिरफ्तार नहीं किया जा सका क्योंकि वे विदेश में हैं। अर्जुन पेट्रोलियम उद्योग मंत्री थे जब दम्मिका सीपीसी के प्रमुख थे। दम्मिका ने 1989-90 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सलामी बल्लेबाज के रूप में दो टेस्ट मैच खेले थे। बाद में वह देश में इस खेल के शासी निकाय श्रीलंका क्रिकेट के पहले मुख्य कार्यकारी अधिकारी (CEO) बने।

युवा खिलाड़ियों से दुर्व्यवहार कर रहा था ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर, अनिश्चित काल के लिए लगा प्रतिबंध

न्यू साउथ वेल्स (ऑस्ट्रेलिया)। युवा खिलाड़ियों के साथ कथित दुर्व्यवहार की एक गंभीर शिकायत के बाद न्यू साउथ वेल्स (NSW) के एक क्रिकेटर पर किसी भी स्तर पर खेलने पर अनिश्चित काल के लिए प्रतिबंध लगा दिया गया है। सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड में छपी खबर के अनुसार, NSW और एक टी20 टीम के लिए खेल चुके एक खिलाड़ी का रजिस्ट्रेशन बोर्ड की एक आपात बैठक के बाद रद्द कर दिया गया है। यह संवेदनशील मामला है और पुलिस इसकी जांच कर रही है, लेकिन अभी तक कोई आरोप नहीं लगाया गया है। क्रिकेट न्यू साउथ वेल्स के एक प्रवक्ता ने एक बयान जारी कर बताया कि खिलाड़ी का रजिस्ट्रेशन रद्द कर दिया गया है। बयान में कहा गया है, 'एक गंभीर शिकायत के बारे में पता चलने के बाद क्रिकेट न्यू साउथ वेल्स बोर्ड ने तुरंत प्रभाव से एक खिलाड़ी का रजिस्ट्रेशन स्थायी रूप से रद्द करने का फैसला किया है। नतीजतन, उसे क्रिकेट से जुड़े सभी मामलों में शामिल होने से अनिश्चित काल के लिए निलंबित कर दिया गया है। जब तक जांच चल रही है, हम इस मामले पर और टिप्पणी नहीं कर सकते।' सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड की रिपोर्ट में बताया कि यह शिकायत खिलाड़ी के सिडनी ग्रेड क्लब से आई थी और यह हाल ही में की गई थी।

लक्ष्मी गुप्ता 73 किलोग्राम भार वर्ग में प्रथम

वाराणसी। बालिका सब जूनियर खेल विभाग एवं उत्तर प्रदेश कुश्ती संघ के समन्वय से 25 से 27 दिसंबर 2025 तक मऊ जिला खेल कार्यालय में आयोजित किया जा रहा है, जिसमें वाराणसी मंडल की टीम भाग लेगी, जिसके लिए जनपद स्तर पर 15 दिसंबर 2025 को सुबह 9:00 से 10:00 तक वजन एवं 11:00 बजे से चयन ट्रायल किया गया। बालिकाओं का रिजल्ट इस प्रकार है। 40 किलो में प्रिया यादव43 किलो में प्रिया बिन्द 46 किलो में नेहा पाल 49 किलो में रितिका कुमारी 53 किलो में सृष्टि यादव 57 किलो में खुशबू कुमारी 61 किलो में आराध्या यादव 65 किलो में खुशी चौहान 69 किलो में सोनी यादव 73 किलो में लक्ष्मी गुप्ता प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली सभी बालिका पहलवान वाराणसी जनपद का प्रतिनिधित्व करेंगी मंडल स्तर पर चंदौली गाजीपुर जौनपुर जनपद भी भाग लेगा। मंडल स्तर पर 18 दिसंबर 2025 को सुबह 10:00 बजे से 11:00 तक वजन 12:00 से चयन ट्रायल डॉ संपूर्णानंद स्पोर्ट्स स्टेडियम सिगरा वाराणसी में किया जाएगा।

हम आखिर हासिल क्या करना चाह रहे हैं, मेस्सी के G.O.A.T. दौरे पर बोले पूर्व ओलंपिक विजेता अभिनव बिंद्रा

नई दिल्ली (एजेंसी)। ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता भारत के पूर्व निशानेबाज अभिनव बिंद्रा ने अर्जेंटीना के महान फुटबॉलर लियोनेल मेस्सी के भारत दौरे के घटनाक्रम की आलोचना करते हुए कहा कि इस महान खिलाड़ी के करीब आने या उनके साथ तस्वीर खिंचवाने के लिए लाखों रुपए खर्च किए जाने को लेकर वह काफी दुखी हैं। मेस्सी के तीन दिन के भारत दौरे पर काफी अराजकता देखी गई चूंकि राजनेताओं, फिल्मी हस्तियों, उद्योगपतियों और अधिकारियों में उनके साथ तस्वीर लेने को लेकर होड़ रही।

कोलकाता में तो प्रशंसकों के सब्र का बांध टूट गया जो हजारों रुपए के टिकट खरीदने के बावजूद उनकी एक झलक भी नहीं पा सके। बिंद्रा ने एक्स पर लिखा, 'जैसे-जैसे उनका हालिया भारत दौरा आगे बढ़ा, कुछ जगहों पर अफरा तफरी हुई और मुझे काफी असहज लगा। इसने मुझे रुकने और सोचने पर मजबूर किया, इस बात की सच्ची चिंता में कि हम असल में क्या हासिल करने की कोशिश कर रहे थे।'

उन्होंने कहा, 'एक पल के लिए उनके करीब जाने या तस्वीर खिंचवाने के लिए लाखों रुपए खर्च किये जा रहे हैं। यह ईमानदारी से कमाया गया लोगों का पैसा है और वे चाहे जैसे इसे खर्च करें। लेकिन मैं दुखी हूं और मुझे हैरानी हो रही है कि क्या यह संभव था कि इस ऊर्जा और निवेश का एक हिस्सा भी हमारे देश में खेलों की बुनियाद पर खर्च किया जा सकता था।'

बिंद्रा ने हालांकि स्पष्ट किया कि अर्जेंटीना के विश्व कप विजेता कप्तान के लिए उनके मन में अपार सम्मान है जो इस समय दुनिया के सबसे चहेते खिलाड़ियों में से हैं। उन्होंने कहा, 'लियोनेल मेस्सी उन खास खिलाड़ियों में से हैं जिनकी कहानी खेल से कहीं आगे है। शारीरिक मुश्किलों से लड़ने वाले एक बच्चे से लेकर एक महान फुटबॉलर तक के उनके सफर ने दुनिया भर में लाखों लोगों को प्रभावित किया है। मैं उनकी उस खूबी के लिए बहुत सम्मान और तारीफ करता हूं जो उनमें नजर आती है मसलन लगन, विनम्रता और महानता।'

उन्होंने कहा, 'मैं खेलों का अर्थशास्त्र समझता हूं। मैं व्यावसायिक सच्चाई, वैश्विक ब्रांडिंग और महान खिलाड़ी के आकर्षण को समझता हूं। मैं मेस्सी को किसी भी तरह से गलत नहीं मानता। उन्होंने अपने रास्ते में आने वाले हर मौके को कमाया है और महानता की तारीफ करना स्वाभाविक है।' मेस्सी के G.O.A.T. दौरे का फुटबॉल से कोई सरोकार नहीं है और उनका कार्यक्रम मुलाकातों तक सीमित है जिसमें प्रशंसकों से सीधे मुलाकात नहीं है। बिंद्रा ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम के लिए इस्तेमाल किए गए संसाधनों का बेहतर इस्तेमाल हो सकता था।

बिंद्रा ने कहा, 'एक समाज के रूप में हम खेल संस्कृति का निर्माण कर रहे हैं या दूर से व्यक्ति पूजा कर रहे हैं। खेलों में महान देश पलों के आधार पर नहीं, तंत्र के आधार पर बनते हैं। संयम के साथ। असाधारण सपने देखने वाले साधारण बच्चे में भरोसा करके।' बिंद्रा ने कहा, 'मेस्सी जैसे आइकन हमें प्रेरित करते हैं और वह प्रेरणा काफी मायने रखती है। लेकिन प्रेरणा का उद्देश्य भी होना चाहिए। दीर्घकालिन प्रतिबद्धता। विकल्प ऐसे चुनने चाहिए जिनसे हम बस आज भर के लिए रोमांचित नहीं हों बल्कि कल को भी मजबूत करें।'

संक्षिप्त समाचार

बांग्लादेश में बढ़ी हिंसा-उम्मीदवार पर गोलीबारी, चुनाव आयोग ने शीर्ष अधिकारियों के लिए मांगी अतिरिक्त सुरक्षा

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में एक बार फिर बिगड़ती कानून-व्यवस्था के बीच चुनाव आयोग ने अपने शीर्ष अधिकारियों के लिए अतिरिक्त सुरक्षा की मांग की है। चुनाव आयोग ने पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) को पत्र लिखकर मुख्य चुनाव आयुक्त, अन्य आयुक्तों और वरिष्ठ अधिकारियों के लिए कड़ी सुरक्षा व्यवस्था करने को कहा है। चुनाव आयोग ने सुरक्षा के लिए चौबीसों घंटे पुलिस सुरक्षा और अतिरिक्त एस्कॉर्ट वाहन की मांग की है। यह मांग ऐसे समय की गई है, जब आगामी संसदीय चुनाव के एक उम्मीदवार और पिछले साल के जुलाई आंदोलन के प्रमुख नेता शरीफ उस्मान हादी को ढाका में गोली मार दी गई। वह अपने चुनाव प्रचार की शुरुआत कर रहे थे, तभी उन पर नजदीक से हमला हुआ। उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है। चुनाव आयोग ने बताया कि चुनाव कार्यक्रम घोषित होने के बाद दो जिलों, लक्ष्मीपुर और फिरोजपुर, में उसके दफ्तरों पर भी हमले हुए हैं। इसके चलते आयोग ने देशभर में अपने क्षेत्रीय, जिला और उप-जिला कार्यालयों की सुरक्षा बढ़ाने की मांग की है, क्योंकि वहां चुनाव से जुड़े अहम दस्तावेज और सामग्री रखी जाती हैं। अंतरिम सरकार ने हालात को देखते हुए देशभर में ऑपरेशन डेविल हंट-2 शुरू किया है। साथ ही चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों को आत्मरक्षा के लिए हथियार लाइसेंस देने का भी आश्वासन दिया गया है। वहीं विपक्षी दल बीएनपी ने सभी उम्मीदवारों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और हमले के दोषियों पर त्वरित कार्रवाई की मांग की है।

यूक्रेन युद्ध में सबसे खतरनाक काम करते थे उत्तर कोरियाई सैनिक, तानाशाह किम जोंग ने खुद कबूला

प्योंगयांग, एजेंसी। रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध में उत्तर कोरियाई सैनिकों की मौजूदगी ने एक वक्त पर जमकर सुर्खियां बटोरी थीं। अब इन सैनिकों के बारे में उनके तानाशाह ने खुलासा किया है कि इन्होंने कैसे युद्ध क्षेत्र का सबसे मुश्किल काम किया। तानाशाह किम के मुताबिक इस साल की शुरुआत में कुर्स्क क्षेत्र में भेजे गए उत्तर कोरियाई सैनिकों ने यहां पर बारूदी सुरंगे हटाने का काम किया, जिसकी वजह से हजारों रूसी सैनिकों की जान बची। शनिवार को उत्तर कोरिया के सरकारी मीडिया पर प्रसारित एक कार्यक्रम में किम जोंग उन ने रूस से वापस लौटे अपने इन सैनिकों की सराहना की। तानाशाह ने कहा, अगस्त से शुरू हुई 120 दिनों की तैनाती के दौरान हमारे सैनिकों ने अभूतपूर्व साहस दिखाया। चाहे अधिकारी हों या सैनिक सभी ने लगभग हर दिन अपनी कल्पना से परे मानसिक और शारीरिक दबावों पर काबू पाते हुए सामूहिक वीरता का परिचय दिया। बारूदी सुरंगें हटाने के काम के दौरान यह लोग अपने शहरों और गांवों को पत्र भी भेजते थे। किम ने आगे कहा, तीन महीने से भी कम समय में हमारे सैनिकों ने एक बड़े खतरनाक क्षेत्र को रूसी सेना के लिए पूरी तरह से सुरक्षित कर दिया। इसमें हमारे जिन भी सैनिकों की जान गई है। उनकी बहादुरी को हमेशा के लिए अमर बनाने के उद्देश्य से राज्य उनके सम्मान प्रदान करेगा। सरकारी मीडिया की तरफ से जारी की गई फोटोज में किम साफ तौर पर वापस आए सैनिकों को गले लगाते हुए देखे जा सकते हैं। इनमें से कुछ सैनिक घायल और व्हील चेयर पर भी दिखाई दिए। इससे पहले, उत्तर कोरिया शुरुआत से ही पुतिन की मदद के लिए कुर्स्क क्षेत्र में सैनिक भेज रहा है। पश्चिमी खुफिया एजेंसियों के मुताबिक इस युद्ध में उत्तर कोरिया ने हजारों सैनिक भेजे हैं। इसके बदले में रूस उसकी वित्तीय सहायता, सैन्य तकनीक, खाद्य सामग्री और ऊर्जा आपूर्ति में मदद कर रहा है। इसकी वजह से उसके परमाणु कार्यक्रम के कारण अलग-थलग पड़े इस देश को अपने अभियान चलाने में मदद मिल रही है।

इमरान खान को डराने के लिए..., जनरल फैज हमीद की सजा पर सिंध के नेता ने कहा

इस्लामाबाद, एजेंसी। सिंध राष्ट्रवादी नेता शफी बुरफत ने पाकिस्तान की सैन्य अदालत द्वारा जनरल फैज हमीद को 14 साल की सजा सुनाए जाने की तीखी आलोचना की है। उन्होंने इसे सैन्य ड्रामा करार देते हुए आरोप लगाया कि यह सजा सैन्य प्रभाव को बढ़ाने और राजनीतिक दबाव बनाने का एक षड्यंत्र है, खासकर इमरान खान जैसे नेताओं को डराने के लिए। बुरफत ने कहा कि इस सजा का उद्देश्य असल में जवाबदेही नहीं, बल्कि राजनीति में सैन्य दखल को और मजबूत करना है। उन्होंने 1971 के बंगाल नरसंहार और बलात्कार के मामले का जिक्र करते हुए पाकिस्तान की सेना पर आरोप लगाया कि उसने अपने उच्च अधिकारियों को कभी जवाबदेह नहीं ठहराया। बुरफत ने पाकिस्तान की सैन्य संलिप्तता के मामलों का जिक्र करते हुए पूर्व प्रधानमंत्री जुल्फिकार अली भुट्टो की न्यायिक हत्या, बेनजीर भुट्टो की हत्या और पाकिस्तान के पहले प्रधानमंत्री लियाकत अली खान की हत्या में सेना की भूमिका पर सवाल उठाया। साथ ही, बुरफत ने पाकिस्तान के सैन्य शासन को सिंध, बलूचिस्तान और अफगानिस्तान में संघर्ष के लिए जिम्मेदार ठहराया और आरोप लगाया कि पाकिस्तानी सेना वैश्विक शक्तियों के लिए एक हथियार बन चुकी है।

अमेरिका में फिर गोलीबारी; ब्राउन यूनिवर्सिटी में चलीं गोलियां, दो की मौत आठ घायल

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में एक बार फिर गोलीबारी की घटना हुई है। रोड आइलैंड स्थित ब्राउन यूनिवर्सिटी में हुई गोलीबारी में कम से कम दो लोग मारे गए और आठ लोग घायल हुए हैं। जांच अधिकारियों ने अभी घटना के बारे में विस्तृत जानकारी नहीं दी है। पुलिस ने बताया कि रविवार को ब्राउन यूनिवर्सिटी के इलाके में कई लोगों को गोली मारी गई। इसके बाद आइवी लीग स्कूल ने शूटर अलर्ट जारी किया और छात्रों और स्टाफ से सुरक्षित जगह शरण लेने की अपील की। पुलिस ने तुरंत पीड़ितों की संख्या, उनकी हालत या गोलीबारी की परिस्थितियों के बारे में कोई जानकारी नहीं दी है।

यूनिवर्सिटी ने इमरजेंसी नोटिफिकेशन सिस्टम से जारी किया अलर्ट : ब्राउन यूनिवर्सिटी के इमरजेंसी नोटिफिकेशन सिस्टम के जरिए जारी अलर्ट के अनुसार, यूनिवर्सिटी के अधिकारियों ने शुरू में छात्रों और स्टाफ को बताया कि एक संदिग्ध हिरासत में है, लेकिन बाद में कहा कि ऐसा नहीं है और पुलिस अभी भी संदिग्धों की तलाश कर रही है।

राष्ट्रपति ट्रंप को भी दी गई है गोलीबारी की जानकारी : स्थानीय नेता जॉन गोंसाल्वेस ने कहा, हमें अभी भी इस बारे में जानकारी मिल रही है कि क्या हो रहा है। हमने लोगों से अपने खिड़की-दरवाजे बंद रखने और सतर्क रहने की सलाह दी है। उन्होंने घटना पर दुख जताया। रिपोर्ट के अनुसार, गोलीबारी बारस और हॉली बिल्डिंग के पास हुई, जो एक सात मंजिला कॉम्प्लेक्स है, जिसमें यूनिवर्सिटी का स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग और भौतिकी विभाग है। यूनिवर्सिटी की वेबसाइट के अनुसार, बिल्डिंग में 100 से ज्यादा लैबोरेटरी, दर्जनों क्लासरूम और ऑफिस हैं। जब गोलीबारी हुई, तब बिल्डिंग में इंजीनियरिंग डिजाइन की परीक्षा चल रही थी। राष्ट्रपति ट्रंप को भी गोलीबारी की घटना के बारे में जानकारी दी गई है।

काले कपड़ों में आया और बरसाने लगा गोलियां: अमेरिकी यूनिवर्सिटी गोलीकांड पर क्या बोले अधिकारी: प्रोविडेंस शहर, एजेंसी। रोड आइलैंड के गवर्नर डैन मैकी ने कहा, जो सोचा भी नहीं जा सकता था, वहीं हो गया है। प्रोविडेंस के मेयर ब्रेट स्माइली ने कहा कि लोगों को अपने घरों या इमारतों के अंदर ही रहने को कहा गया है। उन्होंने विश्वविद्यालय परिसर के पास रहने वाले लोगों से खतरा खत्म होने तक बाहर न निकलने और आदेश खत्म होने तक घरों में ही रहने की अपील की। स्माइली ने कहा, हम संदिग्ध को पकड़ने के लिए सभी उपलब्ध संसाधनों का इस्तेमाल कर रहे हैं। केमिकल इंजीनियरिंग की छात्रा एमा फेरारो इंजीनियरिंग बिल्डिंग की लॉबी में फाइनल प्रोजेक्ट पर काम कर रही थीं, तभी उन्होंने पूर्व दिशा से तेज आवाजें सुनीं। जब उन्हें समझ आया कि ये गोलियों की आवाज है, तो वह दरवाजे की ओर भागीं और पास की एक इमारत में चली गईं, जहां उन्होंने कुछ घंटे तक इंतजार किया।

अस्पताल की प्रवक्ता केली ब्रेनन के मुताबिक, गोली लगने से घायल आठ लोगों को रोड आइलैंड अस्पताल ले जाया गया। इनमें से छह की हालत गंभीर है, लेकिन स्थिर है। एक अन्य की हालत गंभीर है और एक की हालत स्थिर बताई गई है। विश्वविद्यालय के अधिकारियों ने शुरू में छात्रों और कर्मचारियों से कहा था कि एक संदिग्ध हिरासत में है, लेकिन बाद में बताया कि ऐसा नहीं है। मेयर ने कहा कि शुरू में एक व्यक्ति को इस गतिविधि में शामिल समझकर रोका गया था, लेकिन बाद में यह स्पष्ट हुआ कि उसका इस घटना से कोई संबंध नहीं है।

गोलीबारी के करीब पांच घंटे बाद टैक्टिकल गियर पहने पुलिसकर्मियों ने परिसर की इमारतों से कुछ छात्रों को बाहर निकालकर एक फिटनेस सेंटर में पहुंचाया। यह गोलीबारी बारस और हॉली इमारत में हुई, जो सात मंजिला परिसर है और जिसमें इंजीनियरिंग स्कूल और भौतिकी विभाग स्थित है। विश्वविद्यालय की वेबसाइट के अनुसार, इस इमारत में 100 से ज्यादा प्रयोगशालाएं, दर्जनों कक्षाएं और कार्यालय है।

75 साल की दोस्ती को नया आयाम, भारतीय राजदूत बोले- रिश्तों को नए स्तर पर ले जाने का अवसर

अम्मान, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 15 और 16 दिसंबर को जॉर्डन के दो दिवसीय दौरे पर जाएंगे। यह उनका जॉर्डन का पहला द्विपक्षीय दौरा होगा। इस दौरे को भारत और जॉर्डन के बीच रिश्तों के लिहाज से बेहद अहम माना जा रहा है। ऐसे में पीएम मोदी के इस दौरे को लेकर जॉर्डन में भारत के राजदूत मनीष चौहान ने कहा है कि यह यात्रा दोनों देशों की दोस्ती को और मजबूत करने के साथ-साथ रिश्तों को एक नए स्तर पर ले जाने का अवसर है। उन्होंने कहा कि यह दौरा ऐसे समय हो रहा है जब भारत और जॉर्डन अपने राजनयिक संबंधों के 75 साल पूरे होने का जश्न मना रहे हैं। चौहान ने कहा कि यह मौका ऐतिहासिक है और इस वर्ष की सबसे यादगार घटनाओं में से एक होगा। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी 15 दिसंबर को जॉर्डन पहुंचेंगे और 16 दिसंबर तक वहां रहेंगे। उन्होंने कहा कि यह इस सदी में किसी भारतीय प्रधानमंत्री का पहला ऐसा दौरा है।

2018 में जॉर्डन गए थे पीएम मोदी, लेकिन : बता दें कि इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी 2018 में जॉर्डन सिर्फ ट्रांजिट (रुकते हुए) आए थे। यह यात्रा जॉर्डन के राजा किंग अब्दुल्ला द्वितीय के निमंत्रण पर हो रही है। राजदूत ने कहा कि यह दौरा भारत-जॉर्डन संबंधों और पूरे क्षेत्र के लिए बहुत महत्वपूर्ण समय पर हो रहा है। इस दौरान दोनों देश न सिर्फ अब तक की मजबूत दोस्ती पर चर्चा करेंगे, बल्कि भविष्य में सहयोग को और आगे बढ़ाने पर भी बात करेंगे।

जॉर्डन में पीएम मोदी का कार्यक्रम : राजदूत चौहान ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी का कार्यक्रम काफी व्यस्त रहेगा। वे जॉर्डन के राजा किंग अब्दुल्ला द्वितीय से मुलाकात करेंगे। इस बैठक में राजनीतिक, आर्थिक, व्यापारिक और सांस्कृतिक सहयोग सहित कई अहम मुद्दों पर चर्चा होगी। दोनों नेता क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर भी अपने विचार साझा करेंगे। इसके अलावा प्रधानमंत्री मोदी और किंग अब्दुल्ला द्वितीय भारत-जॉर्डन बिजनेस इवेंट को भी संबोधित करेंगे। इस कार्यक्रम का उद्देश्य दोनों देशों के बीच व्यापार और निवेश को बढ़ावा देना है। प्रधानमंत्री जॉर्डन में रहने वाले भारतीय समुदाय से भी मुलाकात करेंगे। विदेश मंत्रालय के अनुसार, भारत और जॉर्डन के रिश्ते हमेशा से दोस्ताना और मजबूत रहे हैं। दोनों देशों के नेताओं के बीच अच्छा तालमेल है। आर्थिक क्षेत्र में भी दोनों देशों के संबंध मजबूत हैं।

अमेरिकी यूनिवर्सिटी में इमिग्रेशन रेड्स से बचने के लिए छात्रों ने निकाला जुगाड़

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के लोयोला यूनिवर्सिटी शिकागो के छात्र ट्रंप सरकार की इमिग्रेशन रेड्स को डॉक्यूमेंट करने में जुटे हैं। दरअसल ये छात्र एक गूगल मैप अपडेट कर रहे हैं, जहां हर लाल पिन कैंपस और आसपास के इलाकों में फेडरल इमिग्रेशन एजेंट्स की साइटिंग को दिखाता है। इससे लोगों को रियल टाइम में पता चल जाता है कि कैंपस के किस इलाके में इमिग्रेशन की रेड चल रही है या फिर सरकारी एजेंट मौजूद हैं।

ट्रंप की प्रेसिडेंसी में नया खेल : ये युवा छात्र और पत्रकार इमिग्रेशन रेड्स को डॉक्यूमेंट कर रहे हैं। उनका मकसद ऑनलाइन अफवाहों को फैक्ट्स से चुनौती देना और लोगों को उन इलाकों का मैप देना है जहां एजेंट्स ज्यादा सक्रिय हैं, ताकि हाल के महीनों में फैली दहशत कम हो। ट्रंप के व्हाइट हाउस लौटने के बाद उनकी सरकार ने बड़े इमिग्रेंट समुदायों वाले शहरों में आक्रामक स्वीप्स शुरू किए, ताकि गैरकानूनी रहने वालों को डिपोर्ट करने का कैंपेन वादा पूरा हो सके। शिकागो इसमें प्रमुख शहर है। डीएचएस का कहना है कि ये हिंसक अपराधियों को टारगेट कर रहे हैं, और अब तक 4,300 से ज्यादा गिरफ्तारियां हो चुकी हैं। एक स्पोकसपर्सन ने कहा, हमारे प्रयास जारी हैं, हम शिकागो को नहीं छोड़ रहे। ऑपरेशन से पहले ही विश्वविद्यालय कैंपस पर अफवाहें फैल चुकी थीं। महीनों पहले यूएस सेंसस ब्यूरो का एक व्यक्ति डॉर्म में आया, तो झूठी खबर फैली कि आईसीई आ गया। छात्रों ने द फीनिक्स स्टाफ से पूछा कि क्या ये सच है। लोयोला यूनिवर्सिटी लंबे समय से गैरकानूनी इमिग्रेंट्स को जगह देती रही है, खासकर उन छात्रों को जो बच्चे के रूप में अमेरिका आए। ये यूनिवर्सिटी का सोशल जस्टिस मिशन है। अक्टूबर की शुरुआत में दो छात्रों ने गूगल मैप शुरू किया। इसमें रियल टाइम में हर पिन फोटो, टाइमस्टैम्प्ड वीडियो या कई गवाहों से वेरिफाई की जाती है। ये पिन्स लोगों को बताते हैं कि एजेंट्स कहां इकट्ठा हो रहे हैं। मसलन नोट्स में डिटेल्स कुछ ऐसे होते हैं, 12 अक्टूबर को वेस्ट नॉर्थ शोर एवेन्यू पर आर्म्ड एजेंट्स स्पॉट हुए, 21 अक्टूबर को नॉर्थ लिंकन एवेन्यू होम डिपो पर गिरफ्तारी हुई। डीएचएस ने इनकी पुष्टि की है।

महिला बनती है दूल्हा, पार्टी भी असली; पाकिस्तान में युवा कर रहे हैं फेक वेडिंग

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान में इन दिनों फेक वेडिंग (नकली शादी) का चलन तेजी से बढ़ रहा है। यह एक ऐसा संगठित सामाजिक कार्यक्रम है जो लोगों को शादी से जुड़ी आजीवन प्रतिबद्धता या पारिवारिक दबावों के बिना शानदार जश्न मनाने और सामाजिक मेलजोल का मौका देता है। पहली नजर में, शादी का मंच आम पाकिस्तानी मेहंदी जैसा दिखता है। गेंदे के फूलों से सजा, दूल्हा-दुल्हन के बैठने की जगह चमकीले पीले रंगों से सजी हुई दिखती है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, दूल्हा एक महिला होती है। यह समलैंगिक विवाह नहीं, बल्कि एक फेक वेडिंग है, जो युवाओं को सामाजिक दबाव से मुक्त होकर एक शानदार रात का आनंद लेने का अवसर देती है। 2023 से यह चलन जोर पकड़ रहा है। लाहौर यूनिवर्सिटी ऑफ

मैनेजमेंट साइंसेज द्वारा 2023 में आयोजित एक फेक वेडिंग को राष्ट्रीय और वैश्विक मीडिया पर काफी ध्यान मिलने के बाद इस तरह के आयोजनों की लोकप्रियता बढ़ गई थी। हालांकि इस ट्रेंड की लोकप्रियता युवाओं और प्रभावशाली लोगों के बीच बढ़ी, लेकिन मीडिया कवरेज के कारण इसे ऑनलाइन काफी आलोचना और विरोध का सामना भी करना पड़ा। एलयूएमएस छात्र परिषद के पूर्व अध्यक्ष सैयम एच. मिरान ने डॉयचे वेले को बताया कि घटना के फुटेज वायरल होने के बाद विश्वविद्यालय के छात्रों को ऑनलाइन ट्रोल झेलना पड़ा। उन्होंने कहा कि मीडिया और लोग अक्सर एलयूएमएस को एक अभिजात्य विश्वविद्यालय के रूप में देखते हैं, जो वास्तविकता से कटा हुआ है जिसके कारण नकारात्मक खबरें अधिक ध्यान आकर्षित करती हैं। विश्वविद्यालय छात्रों के लिए सामाहिक सामाजिक कार्यक्रम आयोजित करता है और माना जाता था कि फेक वेडिंग समारोह, जश्न और मौज-मस्ती के लिए एक अधिक पारंपरिक और सामाजिक रूप से स्वीकृत स्थान प्रदान करते हैं। हालांकि, आलोचना के बाद, छात्र परिषद और विश्वविद्यालय ने छात्रों की सुरक्षा और गोपनीयता सुनिश्चित करने के लिए सावधानी बरती। महिलाओं के लिए सुरक्षित स्थान समाज के दबाव या परिवार की निगरानी के बिना शादी के उत्सवों का आनंद लेना ही इन फेक वेडिंग कार्यक्रमों का मुख्य आकर्षण है। यह महिलाओं के लिए आकर्षण का केंद्र है। इस दौरान पारंपरिक पाकिस्तानी शादी का मेहंदी समारोह का आयोजन किया जाता है। इस दौरान मुख्य रूप से महिलाओं को मेहंदी लगाया जाता है।

दक्षिण अफ्रीका मंदिर हादसा: मृतकों की संख्या बढ़कर हुई चार, एक भारतीय भी शामिल; प्रशासन को जांच के आदेश

जोहानसबर्ग, एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका के डरबन के उत्तर में स्थित रेडक्लिफ इलाके में बीते शुक्रवार दोपहर को अहोबिलम टेंपल ऑफ प्रोटेक्शन के निर्माण स्थल पर हुए भीषण हादसे में मरने वालों की संख्या बढ़कर चार हो गई है। वहीं अभी भी कई लोगों के मलबे में फंसे होने की संभावना जताई जा रही है। मलबे में फंसे लोगों को बाहर निकालने के लिए राहत और बचाव अभियान चलाया जा रहा है। स्थानीय मीडिया के अनुसार, राहत और बचाव कर्मी पिछले दो दिनों से मलबे में दबे एक पांचवें शव को निकालने की कोशिश कर रहे थे।

हालांकि, शनिवार दोपहर खराब मौसम के कारण रेस्क्यू ऑपरेशन को रोकना पड़ा। तेज बारिश और खराब हालात के चलते मलबे में काम करना बेहद मुश्किल हो गया। बता दें कि पहले मीडिया रिपोर्ट्स में बताया गया था कि इस हादसे में दो लोगों की मौत हुई है और कई लोग मलबे में दबे हैं। ऐसे में जब ताजा अपडेट सामने आया तब इस बात की पुष्टि की गई कि इस हादसे में मरने वालों की संख्या अब बढ़कर चार हो गई है। मृतकों में एक भारतीय भी शामिल बता दें कि मंदिर एक ढलान वाली पहाड़ी पर बनाया जा रहा था और इसमें पत्थरों का इस्तेमाल किया गया था, जिन्हें भारत से लाया गया और निर्माण स्थल पर खुदाई की गई थी। मंदिर का डिजाइन गुफा जैसा था और इसे भगवान नरसिंहदेव की दुनिया की सबसे बड़ी प्रतिमाओं में से एक के लिए बनाया जा रहा था। हादसे में मारे गए लोगों में से एक 52 वर्षीय भारतीय मूल के विक्की जैरज पांडे हैं, जो मंदिर ट्रस्ट के कार्यकारी सदस्य और निर्माण परियोजना के प्रबंधक थे। पांडे पिछले दो साल से मंदिर निर्माण में सक्रिय रूप से शामिल थे। मामले में रिएक्शन यूनिट साउथ अफ्रीका के प्रवक्ता प्रेम बलराम ने जानकारी देते हुए बताया कि फिलहाल यह पुष्टि नहीं हो पाई है कि मलबे के नीचे और लोग फंसे हुए हैं या नहीं। उन्होंने कहा कि हालात सामान्य होने के बाद फिर से तलाशी अभियान शुरू किया जाएगा। प्रशासन को मिले घटना के जांच के आदेश गौरतलब है कि इस हादसे के बाद इलाके में शोक का माहौल है। प्रशासन ने घटना की जांच के आदेश दे दिए हैं और यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि निर्माण के दौरान सुरक्षा नियमों का पालन किया गया था या नहीं। स्थानीय लोग और मृतकों के परिजन गहरे सदमे में हैं और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

नवाज शरीफ की 2017 में विदाई एक साजिश थी, रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ बोले- इसके पीछे फैज हमीद का हाथ

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने शनिवार को बड़ा दावा करते हुए कहा कि पूर्व आईएसआई प्रमुख फैज हमीद ही वर्ष 2017 में पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ को सत्ता से हटाने के जिम्मेदार थे। उन्होंने आरोप लगाया कि यह पूरी प्रक्रिया एक सुनियोजित साजिश थी, जिसे फैज हमीद की निगरानी में अंजाम दिया गया। सियालकोट में प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए ख्वाजा आसिफ ने कहा कि फैज हमीद को 15 महीने तक चले सैन्य ट्रायल के बाद 14 साल की जेल की सजा सुनाई गई है और उनके खिलाफ अभी और भी मामलों में कानूनी कार्रवाई शुरू होनी बाकी है। एक स्थानीय अखबार के मुताबिक, रक्षा मंत्री ने कहा कि फैज हमीद के कृत्यों से देश को भारी नुकसान हुआ। आसिफ ने कहा कि नवाज शरीफ को सत्ता से हटाना, उनके खिलाफ मामले दर्ज करना, आरोप लगाना और फिर इमरान खान को सत्ता में लाना, यह सब प्रोजेक्ट इमरान का हिस्सा था, जिसे फैज हमीद चला रहे थे। उनके अनुसार, इस पूरे प्रोजेक्ट की निगरानी फैज हमीद कर रहे थे। नवाज शरीफ, जो पाकिस्तान के तीन बार प्रधानमंत्री रह चुके हैं, जुलाई 2017 में सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद पद से हटाए गए थे। यह उनके राजनीतिक करियर के लिए बड़ा झटका था। नवाज शरीफ पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) के प्रमुख रहे हैं। फिलहाल उनके छोटे भाई शहबाज शरीफ देश के प्रधानमंत्री हैं और बेटी मरियम नवाज पंजाब प्रांत की मुख्यमंत्री हैं।

फैज हमीद और इमरान खान ने देश को नुकसान पहुंचाया : रक्षा मंत्री ने आरोप लगाया कि फैज हमीद और उनके साझेदार इमरान खान ने मिलकर देश को गंभीर नुकसान पहुंचाया। इमरान खान अगस्त 2023 से रावलपिंडी की अदियाला जेल में बंद हैं और उन पर कई मामले चल रहे हैं। आसिफ ने कहा कि 2018 के आम चुनावों में इमरान खान की जीत भी प्रोजेक्ट इमरान का हिस्सा थी। उन्होंने आरोप लगाया कि फैज हमीद उस सरकार का सबसे अहम चेहरा थे और उन्होंने राजनीतिक विरोधियों को धमकाने और जेल भेजने में अहम भूमिका निभाई। उनके अनुसार, इस पूरे दौर का सबसे बड़ा लाभ इमरान खान को मिला। रक्षा मंत्री ने यह भी कहा कि फैज हमीद के कार्यकाल में संसद तक को निर्देश दिए जाते थे और देश के भविष्य से जुड़े फैसले प्रधानमंत्री आवास के पिछवाड़े में किए जाते थे। उन्होंने दावा किया कि फैज हमीद के तबादले के बाद उनका यह प्रोजेक्ट धीरे-धीरे बिखरने लगा।

भारत के साथ सैन्य टकराव पर ख्वाजा आसिफ का दावा रक्षा मंत्री ने एक विवादास्पद बयान में कहा कि अगर फैज-इमरान गठजोड़ अब भी मौजूद होता, तो शायद भारत के साथ सैन्य टकराव की जरूरत भी नहीं पड़ती, क्योंकि वे देश को भीतर से ही तबाह कर देते। गौरतलब है कि भारत ने 7 मई को पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में आतंकी ठिकानों पर ऑपरेशन सिंदूर चलाया था।

सीरिया हमले में तीन अमेरिकियों की मौत, भड़के ट्रंप; कहा- आईएसआईएस से लेंगे बदला

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सीरिया में हुए एक हमले के बाद कड़ा रुख अपनाते हुए कहा है कि अमेरिका इसका जवाब देगा। इस हमले में दो अमेरिकी सैनिकों और एक अमेरिकी नागरिक की मौत हो गई है। अमेरिका का आरोप है कि इस हमले के पीछे आतंकी संगठन इस्लामिक स्टेट (आईएस/आईएसआईएस) का हाथ है।

यह आईएसआईएस का हमला-ट्रंप : शनिवार को व्हाइट हाउस से निकलते समय पत्रकारों से बात करते हुए राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा, यह आईएसआईएस का हमला है और हम इसका बदला जरूर लेंगे। वह इस दौरान आर्मी-नेवी फुटबॉल मैच देखने के लिए बाल्टीमोर रवाना हो रहे थे। ट्रंप ने हमले में मारे गए तीनों अमेरिकियों के प्रति गहरा शोक व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि इस हमले में घायल हुए तीन अन्य अमेरिकी फिलहाल ठीक हैं और उनकी हालत में सुधार हो रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में लिखा, हम सीरिया में तीन महान अमेरिकी देशभक्तों, दो सैनिकों और एक नागरिक की मौत पर शोक व्यक्त करते हैं। साथ ही, हम तीन घायल सैनिकों के लिए प्रार्थना करते हैं, जिनकी हालत में अभी-अभी पुष्टि हुई है कि वे ठीक हैं। यह सीरिया के एक बेहद खतरनाक हिस्से में, जो पूरी तरह से उनके नियंत्रण में नहीं है, अमेरिका और सीरिया पर आईएसआईएस का हमला था। सीरिया के राष्ट्रपति अहमद अल-शारा इस हमले से बेहद नाराज और परेशान हैं। इसका कड़ा जवाब दिया जाएगा।

अमेरिकियों पर कहां और कैसे हुआ हमला : जानकारी के मुताबिक, सीरिया के मध्य हिस्से में शनिवार को हुए एक हमले में दो अमेरिकी सैनिकों और एक अमेरिकी नागरिक की मौत हो गई।

इस हमले में तीन अन्य लोग घायल भी हुए हैं। अमेरिकी सेना के सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने यह जानकारी दी। सेंटकॉम के अनुसार, यह हमला इस्लामिक स्टेट (आईएस) संगठन के एक अकेले हमलावर ने घात लगाकर किया। यह हमला राष्ट्रपति बशर अल-असद के सत्ता से हटने के एक साल बाद अमेरिकी बलों पर हुआ पहला घातक हमला है। यह हमला ऐतिहासिक शहर पालमायरा के पास हुआ। सीरिया की सरकारी समाचार एजेंसी साना के मुताबिक, हमले में सीरियाई सुरक्षा बलों के दो जवान और कुछ अमेरिकी सैनिक भी घायल हुए। घायलों को हेलीकॉप्टर से इराक और जॉर्डन की सीमा के पास स्थित अल-तनफ सैन्य अड्डे पर ले जाया गया। साना ने बताया कि हमलावर को मार गिराया गया है। वहीं, ब्रिटेन स्थित सीरियन ऑब्जर्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स ने दावा किया कि हमलावर सीरिया की सुरक्षा बलों से जुड़ा था। अमेरिका आपको ढूंढेगा और खत्म करेगा- हेगसेथ अमेरिकी सेना ने कहा कि मृत सैनिकों की पहचान फिलहाल सार्वजनिक नहीं की जाएगी। रक्षा विभाग की नीति के अनुसार, पहले उनके परिजनों को सूचना दी जाएगी, उसके 24 घंटे बाद नाम जारी किए जाएंगे। अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने सोशल मीडिया पर कहा, अगर आप दुनिया में कहीं भी अमेरिकियों को निशाना बनाते हैं, तो अमेरिका आपको ढूंढेगा और खत्म करेगा। अमेरिका के सैकड़ों सैनिक पूर्वी सीरिया में तैनात हैं, जो आईएस के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय गठबंधन का हिस्सा हैं। पिछले महीने सीरिया भी औपचारिक रूप से इस गठबंधन में शामिल हुआ था। हालांकि आईएस को 2019 में सीरिया में सैन्य रूप से हरा दिया गया था, लेकिन उसके स्लीपर सेल अब भी हमले करते रहते हैं। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, सीरिया और इराक में अब भी आईएस के 5,000 से 7,000 लड़ाके मौजूद हैं। इससे पहले 2019 में मनबिज शहर में हुए एक धमाके में दो अमेरिकी सैनिक और दो अमेरिकी नागरिक मारे गए थे।

विदेश यात्रा पर लंदन गए राहुल गांधी.... वहां से जर्मनी जाएंगे

नई दिल्ली।(एजेंसी)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी सोमवार सुबह करीब 3:30 बजे नई दिल्ली के आईजीआई हवाई अड्डे से लंदन के लिए रवाना हुए। वे बाद में जर्मनी जाएंगे, जहां 17 दिसंबर को बर्लिन में सांसदों और भारतीय प्रवासी समुदाय से उनकी मुलाकात होनी है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी 15 से 20 दिसंबर तक जर्मनी के दौरे पर रहने वाले हैं। वहां वे जर्मन सरकार के अफसरों और भारतीय समुदाय से मुलाकात करने वाले हैं। राहुल गांधी का पिछले 6 महीनों में यह 5वां विदेश दौरा है। इससे पहले जुलाई से लेकर सितंबर के बीच वे लंदन, मलेशिया, ब्राजील, कोलंबिया की यात्रा पर गए थे। राहुल गांधी 17 दिसंबर को बर्लिन में होने वाले इंडियन ओवरसीज कांग्रेस (आईओसी) के कार्यक्रम में शामिल होने वाले हैं। यहां वे यूरोप के विभिन्न देशों से आए आईओसी के नेताओं से मुलाकात करने वाले हैं। आईओसी ने इस दौरे को पार्टी के वैश्विक संवाद को मजबूत करने की दिशा में एक अहम पहल बताया है। इस दौरान यूरोप में आईओसी के लोकल ब्रांच के सभी प्रमुख एनआरआई मुद्दों, कांग्रेस पार्टी को मजबूत करने और पार्टी की विचारधारा को विस्तार देने की रणनीतियों पर चर्चा करेंगी।

पराली जलाते समय बुजुर्ग किसान की झुलसकर मौत

पुरी।(एजेंसी)। ओडिशा के पुरी जिले में धान की पराली जलाते समय 60 वर्षीय किसान की जलकर मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि मृतक की पहचान गजेंद्र स्वैन के रूप में हुई, जो सुनामुहीन गांव का निवासी था। पुलिस ने बताया कि उसका जला हुआ शव खेत से बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। प्रारम्भिक रिपोर्टों से पता चला है कि आग पास के एक खेत में फैल गई, जहां से धान की कटाई अभी बाकी थी। पुलिस ने बताया कि स्वैन (जो अकेला था) ने आग को काबू करने की कोशिश की, लेकिन वह खुद आग की चपेट में आ गया। अधिकारी ने कहा, ऊउसकी मौके पर ही मौत हो गई। शव लगभग 90 प्रतिशत जल गया था।

पूर्वी दिल्ली के मंदिर में महिला की चाकू मारकर हत्या

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्वी दिल्ली के मानसरोवर पार्क इलाके में एक मंदिर के अंदर हुई 48 वर्षीय महिला की हत्या से सनसनी मच गई है। मानसरोवर पार्क इलाके में डीडीए फ्लैट परिसर में स्थित एक मंदिर के अंदर, रविवार को दोपहर करीब 12 बजे हुई। पीड़िता कुसुम शर्मा (48), मानसरोवर पार्क निवासी। महिला मंदिर में पूजा कर रही थी, तभी उस पर चाकू से हमला किया गया। पीड़िता के सिर और शरीर के ऊपरी हिस्से पर चाकू के कई घाव थे। उन्हें गुरु तेग बहादुर अस्पताल ले जाया गया, जहाँ चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने घटना के बाद दिन में ही मुख्य आरोपी आंचल सक्सेना नामक महिला को गिरफ्तार कर लिया। अपराध में इस्तेमाल किया गया हथियार भी बरामद कर लिया गया है। शुरुआती सूचना में बताया गया था कि दो लोगों ने महिला पुजारी पर हमला किया था। प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि हिरासत में ली गई महिला सहित दो लोगों ने शर्मा पर बार-बार चाकू से हमला किया। पुलिस के अनुसार, प्रथम दृष्टया यह पुरानी दुश्मनी का मामला प्रतीत होता है। शाहदरा जिले के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) प्रशांत गौतम ने बताया कि मामले की जांच के लिए कई टीमें गठित की गई हैं। पुलिस हमलावरों की गतिविधियों का पता लगाने के लिए सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है।

राजस्थान के मुख्यमंत्री के हेलीकॉप्टर की करानी पड़ी आपात लैंडिंग

आगरा(एजेंसी)। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का हेलीकॉप्टर सोमवार को मौसम खराब होने के कारण आगरा के खेरिया हवाई अड्डे पर आपात स्थिति में उतारा गया। अपर जिलाधिकारी (प्रोटोकॉल) प्रशांत तिवारी ने बताया कि मुख्यमंत्री शर्मा हेलीकॉप्टर से राजस्थान के भरतपुर जा रहे थे, लेकिन खराब मौसम के कारण पायलट को हेलीकॉप्टर को आगरा की ओर मोड़ना पड़ा। हेलीकॉप्टर ने जयपुर से उड़ान भरी थी। अधिकारियों के अनुसार, हेलीकॉप्टर दोपहर करीब साढ़े 12 बजे खेरिया हवाई अड्डे पर उतरा, जहां मुख्यमंत्री को लगभग एक घंटे तक इंतजार करना पड़ा। तिवारी ने बताया कि मौसम में सुधार होने के बाद हेलीकॉप्टर ने भरतपुर के लिए यात्रा फिर से शुरू की। राजस्थान के भरतपुर और उत्तर प्रदेश के आगरा के बीच करीब 60 किलोमीटर की दूरी है और दोनों की सीमाएं आपस में सटी हुई हैं।

दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में घने कोहरे के कारण 61 उड़ानें रद्द

नई दिल्ली।(एजेंसी)। सोमवार को दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में घने कोहरे की चादर छाने के कारण कम दृश्यता के चलते 61 उड़ानें रद्द हुईं, जबकि 400 से अधिक उड़ानें विलंबित हुईं। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली में सुबह 7:05 बजे वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 454 था, जो गंभीर श्रेणी में आता है। घने कोहरे के कारण दिल्ली जाने वाली करीब पांच उड़ानों का मार्ग बदला गया है। अर्जेंटीना के महान फुटबॉलर लियोनेल मेस्सी का अंतिम चरण के लिए दिल्ली आगमन विलंबित हो गया है, क्योंकि घने कोहरे के कारण मुंबई से उनकी उड़ान स्थगित कर दी गई थी। इससे पहले, दिल्ली हवाई अड्डे ने सोमवार, 15 दिसंबर की सुबह यात्रियों के लिए यात्रा संबंधी सलाह जारी की थी, जिसमें उड़ान संचालन में व्यवधान की चेतावनी दी गई थी। ताजा अपडेट के लिए, यात्रियों को अपनी संबंधित एयरलाइन से संपर्क करने की सलाह दी जाती है। असुविधा के लिए हमें खेद है। एयरलाइन ने पोस्ट में कहा कि दिल्ली में कम दृश्यता और कोहरे के कारण उड़ानों के समय पर असर पड़ेगा। हम मौसम पर कड़ी नजर रख रहे हैं और आपको सुरक्षित और सुगम तरीके से आपके गंतव्य तक पहुंचाने के लिए हर सम्भव प्रयास कर रहे हैं।

6.26 करोड़ मूल्य की 15 मीट्रिक टन लाल चंदन की लकड़ी जब्त, चार गिरफ्तार

नई दिल्ली।(एजेंसी)। राजस्व आसूचना निदेशालय (डीआरआई) ने 6.26 करोड़ रुपए मूल्य की 15 मीट्रिक टन लाल चंदन की लकड़ी जब्त की है। वित्त मंत्रालय के मुताबिक आरोपियों की योजना लाल चंदन का अवैध रूप से निर्यात करने की थी। मंत्रालय ने बताया कि लाल चंदन की लकड़ियां विभिन्न गोदामों से जब्त की गईं और इस मामले में चार लोगों को गिरफ्तार भी किया है। विदेशी व्यापार नीति के तहत लाल चंदन के निर्यात पर बैन लगा है।

प्रियंका गांधी और प्रशांत किशोर की मुलाकात से राजनीतिक गलियारे में हलचल

– प्रशांत किशोर के कांग्रेस में शामिल होने की अटकलों को फिर से मिली हवा

पटना (एजेंसी)। जन सुराज पार्टी के प्रमुख प्रशांत किशोर द्वारा कांग्रेस की वरिष्ठ नेता प्रियंका गांधी वाड्रा से मुलाकात की खबर के बाद बिहार के राजनीतिक गलियारे में हलचल मची है। दरअसल सियासी गलियारों में यह मुलाकात प्रशांत किशोर के कांग्रेस में शामिल होने की अटकलों को फिर से हवा दे रही है। मालूम हो कि बिहार विधानसभा चुनाव में जन सुराज पार्टी के असफल प्रदर्शन के बाद चुनावी रणनीतिकार से राजनेता बने प्रशांत किशोर (पीके) की रणनीति पर काफी सवाल उठे। चुनावों के तुरंत बाद पीके ने इस करारी हार की जिम्मेदारी ली और फिर से कोशिश में जुटने का वादा किया था। इसके बाद से उन्होंने मीडिया से दूरी बना ली। लेकिन एक बार फिर से वे सुर्खियों में आ गए हैं। पीके ने कल कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा से मुलाकात की। दिल्ली में हुई इस बैठक ने सियासी गलियारों में नई चर्चाओं को जन्म दे दिया है। खास बात ये है कि दिल्ली में हुई यह मुलाकात तीन साल के गहरे राजनीतिक दूरी के बाद हुई है, जब प्रशांत किशोर और कांग्रेस के बीच पुराना संवाद रुका हुआ था। अब इस मुलाकात के बाद सवाल उठाया जा रहा है कि क्या प्रशांत किशोर कांग्रेस में शामिल होकर एक बड़ा राजनीतिक कदम उठाना चाहते हैं या यह सिर्फ सियासी बातचीत का हिस्सा है। हालांकि इस बैठक का समय और तरीका दोनों ही चर्चा का विषय बने हुए हैं। बताया जा रहा है कि यह मुलाकात करीब दो घंटे तक चली, जिसमें दोनों नेताओं के बीच राजनीतिक हालात और भविष्य की संभावनाओं पर बातचीत हुई। इस मुलाकात के बाद सबसे बड़ा सवाल यही उठ रहा है कि क्या प्रशांत किशोर कांग्रेस में शामिल होंगे? क्या वे कांग्रेस के साथ किसी तरह का राजनीतिक तालमेल या गठबंधन कर सकते हैं? खासकर तब, जब हालिया बिहार विधानसभा चुनाव में जनसुराज का प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा और पार्टी खाता तक नहीं खोल पाई। वहीं कांग्रेस की स्थिति भी बेहद कमजोर रही और पार्टी सिर्फ 6 सीटों पर सिमट गई। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि चुनावी नतीजों के बाद दोनों ही पक्ष नए सिरे से रणनीति तलाश रहे हैं। ऐसे में पीके और प्रियंका गांधी की यह मुलाकात महज शिष्टाचार नहीं, बल्कि भविष्य की किसी बड़ी राजनीतिक योजना का संकेत भी हो सकती है। वैसे यह पहली बार नहीं है जब प्रशांत किशोर और कांग्रेस को लेकर अटकलें तेज हुई हों। दरअसल, प्रशांत किशोर और कांग्रेस के बीच संबंध इस बैठक से ही शुरू नहीं हुए हैं। लगभग 4 साल पहले कांग्रेस ने उन्हें पार्टी में शामिल होने का प्रस्ताव दिया था। उस समय प्रशांत किशोर ने खुद खुलासा किया था कि सोनिया गांधी ने उन्हें पार्टी के लिए एक प्रेजेंटेशन देने के लिए बुलाया था। उन्होंने बताया था कि करीब 9 घंटे तक उन्होंने अपना विजन और रणनीति पेश की थी, जिसमें राहुल गांधी भी मौजूद थे और अधिकांश सुझावों से सहमत थे। हालांकि पीके ने कांग्रेस में शामिल न होने की वजह भी स्पष्ट की थी। उन्होंने कहा था कि कांग्रेस नेतृत्व उनके प्लान को जमीन पर उतारने के लिए तैयार नहीं था, इसलिए उन्होंने सोनिया गांधी के प्रस्ताव को ठुकरा दिया। पीके का यह भी कहना था कि उनके पास कोई राजनीतिक विरासत नहीं है, इसलिए वे किसी एक व्यक्ति या विचारधारा से बंधकर राजनीति नहीं करना चाहते। अब एक बार फिर पीके और प्रियंका गांधी की मुलाकात ने पुराने सवालों को जिंदा कर दिया है। क्या यह

बातचीत सिर्फ विचार-विमर्श तक सीमित थी या आने वाले दिनों में बिहार की राजनीति में कोई नया समीकरण देखने को मिलेगा, इस पर सभी की नजर टिकी हुई है। प्रशांत किशोर की बात करें तो उनका राजनीतिक सफर अक्सर बदलावों और नई दिशाओं को अपनाने वाला रहा है- जिसका श्रेय उन्हें रणनीतिक सोच और जन संपर्क क्षमता के रूप में दिया जाता है। प्रशांत किशोर भारतीय राजनीति में एक जाने-माने चुनावी रणनीतिकार हैं, जिन्होंने कई राजनीतिक दलों के लिए चुनावी रणनीति तैयार की है।

जमीन के बदले नौकरी मामले में लालू परिवार की सुनवाई फिर टली

–अब अगली सुनवाई में सीबीआई दाखिल करेगी वेरिफिकेशन रिपोर्ट

नई दिल्ली। जमीन के बदले नौकरी से जुड़े बहुचर्चित मामले में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख लालू प्रसाद यादव, तेजस्वी यादव, पूर्व सीएम राबड़ी देवी, मीसा भारती, हेमा यादव, तेज प्रताप यादव और अन्य आरोपियों के खिलाफ आरोप तय करने की प्रक्रिया फिर टल गई। राउज एवेन्यू कोर्ट ने इस मामले में अगली सुनवाई की 19 दिसंबर तय की है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सोमवार को हुई सुनवाई में सीबीआई ने कोर्ट से अतिरिक्त समय की मांग की। सीबीआई ने कहा कि वह 19 दिसंबर तक सभी आरोपियों से जुड़ी विस्तृत वेरिफिकेशन रिपोर्ट कोर्ट में दाखिल कर देगी। पिछली सुनवाई में भी कोर्ट ने एजेंसी को यही रिपोर्ट जमा करने के निर्देश दिए थे, लेकिन अब तक यह प्रक्रिया पूरी नहीं हो सकी है। इस मामले में सीबीआई ने लालू यादव, राबड़ी देवी, तेजस्वी समेत कुल 103 लोगों को आरोपी बनाया है। हालांकि, एजेंसी ने अदालत को बताया कि इनमें से चार आरोपियों की मौत हो चुकी है। इसी वजह से कोर्ट यह स्पष्ट करना चाहती है कि कौन-कौन आरोपी जीवित हैं और किनके खिलाफ आगे कानूनी कार्रवाई संभव है। इससे पहले 11 दिसंबर को राउज एवेन्यू कोर्ट ने आरोप तय करने की सुनवाई को 15 दिसंबर तक टाल दी थी। उस समय कोर्ट ने सीबीआई को निर्देश दिया था कि वह सभी आरोपियों की वर्तमान स्थिति से संबंधित विस्तृत वेरिफिकेशन रिपोर्ट पेश करे। वहीं 8 दिसंबर को कोर्ट ने सीबीआई को दो दिन का अतिरिक्त समय भी दिया था, ताकि एजेंसी यह साफ कर सके कि किन आरोपियों का निधन हो चुका है और किनके खिलाफ मामला आगे बढ़ाया जा सकता है। सीबीआई ने दाखिल चार्जशीट में गंभीर आरोप लगाए हैं। एजेंसी का कहना है कि इस मामले में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार हुआ है। रेलवे में नौकरी दिलाने के बदले उम्मीदवारों और उनके परिजनों से जमीन ली गई। चार्जशीट में यह भी कहा गया है कि जमीन की खरीद से जुड़े ज्यादातर लेन-देन नकद में हुए जबकि कुछ मामलों में केवल सेल डीड ही मौजूद है। सीबीआई ने इस मामले में आरोप तय करने की मांग की है।

नितिन नबीन की नियुक्ति पर कांग्रेस का तंज... रिमोट कंट्रोल शाह के हाथ में रहेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस पार्टी ने नितिन नबीन को भाजपा का राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त होने पर तंज कसा कस दिया है। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने आरोप लगाया है कि यह नियुक्ति केवल सांकेतिक है, और पार्टी की असली बागडोर (रिमोट कंट्रोल) केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के हाथों में ही रहेगी। कार्यकारी अध्यक्ष का पदनाम भाजपा का एक सांकेतिक शब्द है। इसका अर्थ है कि गैर-कार्यकारी केंद्रीय गृह मंत्री भाजपा अध्यक्ष को नियंत्रित करते हैं। यह नियुक्ति बिना चुनाव के की गई है। कांग्रेस नेता खेड़ा ने आरोप लगाया कि पहले भी ऐसा ही होता आया है, जब नड्डा (पूर्व अध्यक्ष) घूमते-फिरते थे, लेकिन प्रमुख निर्णय अमित शाह लेते थे, और अब भी ऐसा ही होगा। बिहार के पांच बार के विधायक नितिन नबीन ने सोमवार को दिल्ली पहुंचकर भाजपा मुख्यालय में अपने आधिकारिक दायित्वों का कार्यभार संभाला। उन्होंने अपनी राष्ट्रीय भूमिका का श्रेय बिहार और अपने निर्वाचन क्षेत्र के लोगों के आशीर्वाद को दिया। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सहित भाजपा के वरिष्ठ नेताओं के मार्गदर्शन और प्रोत्साहन को स्वीकार किया। दिल्ली रवाना होने से पहले, नबीन ने पटना के महावीर मंदिर का दौरा किया और अपने पिता, दिवंगत वरिष्ठ भाजपा नेता नबीन किशोर प्रसाद सिन्हा की प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित की। नबीन ने कहा कि पार्टी नेतृत्व ने हमेशा कार्यकर्ताओं को सीखने, काम करने और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया है।

कैश कांड मामला: जस्टिस यशवंत वर्मा को जवाब के लिए 6 हफ्ते का दिया अल्टीमेटम

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में अपने खिलाफ लाए गए महाभियोग प्रस्ताव के बाद जस्टिस यशवंत वर्मा ने आरोपों पर जवाब देने के लिए अतिरिक्त समय मांगा है। कैश कांड की जांच के लिए गठित संसदीय समिति ने उन्हें 6 सप्ताह का और समय देने का फैसला किया है। हालांकि समिति ने यह भी स्पष्ट कर दिया है कि इसके बाद किसी भी तरह का समय विस्तार नहीं दिया जाएगा। माना जा रहा है कि जनवरी 2026 के अंतिम सप्ताह में इस मामले में आगे की कार्यवाही शुरू हो सकती है।

लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने 12 अगस्त को इस जांच समिति का गठन किया था। जस्टिस यशवंत वर्मा को हटाने के समर्थन में लाए गए प्रस्ताव पर 146 सांसदों के हस्ताक्षर थे। इसके समानांतर तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना की ओर से भी एक अलग समिति गठित की गई थी। दोनों ही समितियों ने जस्टिस वर्मा के उस दावे को खारिज कर दिया था, जिसमें उन्होंने कहा था कि उन्हें बदनाम करने के इरादे से नकदी रखी गई थी। सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश अरविंद कुमार की अध्यक्षता में गठित तीन सदस्यीय समिति इस पूरे मामले की जांच कर रही है। समिति ने जस्टिस वर्मा से उन पर लगे आरोपों को लेकर लिखित जवाब मांगा था। 5 दिसंबर को हुई कार्यवाही के दौरान जस्टिस वर्मा ने समिति से 8 सप्ताह का अतिरिक्त समय देने का अनुरोध किया था, लेकिन समिति ने विचार-विमर्श के बाद उन्हें केवल 6 सप्ताह का अंतिम अवसर देने का निर्णय लिया।

जांच समिति ने आरोपों के समर्थन में सबूतों के साथ मेमो ऑफ चार्जेस भी दाखिल किया है। इसमें दिल्ली पुलिस और अग्निशमन विभाग द्वारा 14 और 15 मार्च की रात आग बुझाने के दौरान बनाए गए वीडियो, प्रत्यक्षदर्शी गवाहों के बयान और अन्य दस्तावेज शामिल हैं। इन सबूतों के आधार पर समिति ने आरोपों को गंभीर माना है। लोकसभा स्पीकर द्वारा गठित समिति की कार्यवाही के दौरान जस्टिस वर्मा को अपना पक्ष रखने, आरोपों पर सफाई देने और अपने पक्ष में गवाह पेश करने का पूरा अवसर दिया जाएगा। हालांकि सदन की समिति पहले ही जस्टिस वर्मा की इस दलील को अस्वीकार कर चुकी है कि कैश उन्हें बदनाम करने के उद्देश्य से रखा गया था। समिति की रिपोर्ट में कहा गया है कि प्रत्यक्ष, इलेक्ट्रॉनिक और विशेषज्ञों के सबूत यह साबित करते हैं कि नई दिल्ली स्थित 30 तुगलक क्रीसेंट के स्टोररूम में नकदी मौजूद थी। रिपोर्ट के अनुसार, इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य को केंद्रीय फॉरेंसिक प्रयोगशाला द्वारा प्रमाणित किया गया है। पैनल ने यह भी दर्ज किया कि 15 मार्च की सुबह जले हुए 500 रुपये के नोटों की गड्डियों को 'भरोसेमंद नौकरों' की मदद से साफ किया गया था और यह पूरी प्रक्रिया जस्टिस वर्मा के निजी सचिव की मौजूदगी में हुई। लोकसभा द्वारा गठित समिति में सुप्रीम कोर्ट के जज अरविंद कुमार, मद्रास

हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश एमएम श्रीवास्तव और वरिष्ठ अधिवक्ता बीवी आचार्य शामिल हैं। वहीं, 22 मार्च को तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना द्वारा गठित समिति में पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के न्यायाधीश शील नागू, हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जीएस संधावालिया और कर्नाटक हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश अनु शिवरमन को शामिल किया गया था।

विधायक ने कहा- प्रियंका गांधी को सौंपें लीडरशिप, कांग्रेस ने दिखा दिया बाहर का रास्ता

भुवनेश्वर (एजेंसी)। कांग्रेस पार्टी ने पूर्व विधायक मोहम्मद मुकीम को पार्टी विरोधी गतिविधियों के आरोप में प्राथमिक सदस्यता से निष्कासित कर दिया है। यह कार्रवाई उनके उस पत्र के बाद हुई है जिसमें उन्होंने पार्टी नेतृत्व पर गंभीर सवाल उठाए थे। मुकीम ने राज्यसभा सांसद सोनिया गांधी को पत्र लिखकर पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की उम्र पर टिप्पणी की थी और वायनाड सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा को प्रमुख नेतृत्व भूमिका देने की मांग की थी। ओडिशा प्रदेश इकाई की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि केंद्रीय नेतृत्व ने मुकीम को पार्टी से निकालने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है।

मुकीम बाराबती-कटक से पूर्व विधायक हैं और खुद को कांग्रेस का आजीवन समर्पित कार्यकर्ता बताते हैं। उनकी बेटी वर्तमान में विधायक है। हाल ही में एक साक्षात्कार में मुकीम ने कहा कि पार्टी मुश्किल दौर से गुजर रही है और नए नेतृत्व की जरूरत है। उन्होंने खड़गे की 83 वर्ष की उम्र का जिक्र करते हुए कहा कि विपक्ष की प्रमुख पार्टी के नेता के रूप में आवश्यक मेहनत, दौड़-भाग और लोगों से जुड़ाव संभव नहीं है। उन्होंने सुझाव दिया कि खड़गे सलाहकार की भूमिका निभाएं और किसी युवा नेता को आगे लाएं। मुकीम ने प्रियंका गांधी सहित अन्य

युवा नेताओं की तारीफ की और कहा कि राहुल गांधी अपनी भूमिका अच्छे से निभा रहे हैं, लेकिन पार्टी को मजबूत करने के लिए सक्रिय नेतृत्व चाहिए। यह अपील उन्होंने कांग्रेस के सच्चे कार्यकर्ता के रूप में सोनिया गांधी से की।

मुकीम के पत्र में पार्टी नेतृत्व और जमीनी कार्यकर्ताओं के बीच बढ़ती दूरी पर कड़ी चिंता जताई गई थी। उन्होंने दावा किया कि खुद तीन वर्षों से राहुल गांधी से मिलने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन सफलता नहीं मिली। पत्र में ज्योतिरादित्य सिंधिया, मिलिंद देवड़ा और हिमंत बिस्वा सरमा जैसे युवा नेताओं के पार्टी छोड़ने का उदाहरण दिया गया, जिन्होंने खुद को उपेक्षित महसूस किया। मुकीम ने सुझाव दिया कि प्रियंका गांधी को केंद्रीय और सक्रिय भूमिका संभालनी चाहिए तथा सचिन पायलट, डी.के. शिवकुमार, ए. रेवंत रेड्डी और शशि थरूर जैसे नेताओं को मुख्य नेतृत्व टीम का आधार बनना चाहिए।

उन्होंने पार्टी की स्थिति पर गहरा दुख व्यक्त किया कि उसकी मौजूदगी भौगोलिक, संगठनात्मक और भावनात्मक स्तर पर सिमटती जा रही है। समर्पित कार्यकर्ताओं के लिए यह निराशाजनक और दिल तोड़ने वाली है। मुकीम ने बिहार, दिल्ली, हरियाणा, महाराष्ट्र तथा जम्मू-कश्मीर के हालिया चुनाव परिणामों को केवल हार नहीं, बल्कि गहरे संगठनात्मक अलगाव का संकेत बताया। इन चुनावों में पार्टी को भारी अंतर से पराजय मिली थी। उन्होंने नेतृत्व और कार्यकर्ताओं के बीच दूरी बढ़ने की बात दोहराई और कहा कि विधायक रहते हुए भी वे राहुल गांधी से नहीं मिल पाए। सोनिया गांधी को लिखे पत्र में मुकीम ने स्पष्ट किया कि यह कोई व्यक्तिगत शिकायत नहीं, बल्कि पूरे देश के कार्यकर्ताओं द्वारा महसूस किए जा रहे भावनात्मक अलगाव का संकेत है। उन्होंने पार्टी को मजबूत करने के लिए गहन संरचनात्मक, संगठनात्मक और वैचारिक नवीनीकरण की जरूरत पर जोर दिया। यह घटना पार्टी के अंदरूनी मतभेदों को उजागर करती है और नेतृत्व परिवर्तन की मांग को बल देती है। मुकीम की यह अपील पार्टी के भविष्य और युवा नेतृत्व की भूमिका पर व्यापक बहस छेड़ सकती है।

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर कोहरा बना काल... अलग-अलग हादसों में चार लोगों की मौत

–मरने वालों में एक सीआईएसएफ का सब इंस्पेक्टर भी शामिल

फरीदाबाद (एजेंसी)। दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर सोमवार को घने कोहरे ने कहर बरपा दिया। फरीदाबाद और नूंह जिलों में अलग-अलग स्थानों पर हुए हादसों में चार लोगों की मौत। कई वाहन आपस में टकराए और दस से अधिक लोग घायल हो गए। मरने वालों में एक सीआईएसएफ का सब इंस्पेक्टर भी शामिल है।

सोमवार सुबह दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर घना कोहरा हादसों का कारण बना। दृश्यता बेहद कम होने से वाहन चालकों को आगे का रास्ता नहीं दिखा और एक के बाद एक टक्कर होती चली गई। फरीदाबाद के कैल गांव के पास दो अलग-अलग सड़क हादसे हुए। हादसा इतना भीषण था कि कार में सवार तीन लोगों में से दो की मौके पर ही मौत हो गई। तीसरा व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे इलाज के लिए सरकारी अस्पताल भेजा गया। मृतकों में एक की पहचान संदीप कुमार निवासी जयपुर के

रूप में हुई है, जबकि दूसरे मृतक की पहचान कराने के प्रयास किए जा रहे हैं। इस स्थान के पास कुछ ही देर बाद दूसरा हादसा भी हुआ। एक कैंटर में पीछे से क्रेटा गाड़ी जा टकराई। गनीमत रही कि क्रेटा चालक बाल-बाल बच गया, लेकिन उसकी गाड़ी पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। पुलिस ने क्षतिग्रस्त वाहनों को हटवाकर यातायात सुचारू कराया।

जिला नूंह में भी कोहरे ने बड़ा हादसा करा दिया। सुबह करीब चार बजे दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर करीब 30 वाहन आपस में भिड़ गए। इस हादसे में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि दस से अधिक लोग घायल बताए जा रहे हैं। घायलों को जिला के राजकीय अस्पताल मांडीखेड़ा में भर्ती कराया गया है, जहां उनका उपचार चल रहा है।

मरने वालों में सीआईएसएफ के सब इंस्पेक्टर हरीश कुमार निवासी अलवर और जयपुर निवासी कारोबारी खलील अहमद शामिल हैं। कुछ स्थानों पर ट्रक पलटने की भी सूचना है, जिससे यातायात काफी देर तक बाधित रहा। हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने पुलिस और एम्बुलेंस के देरी से पहुंचने का आरोप लगाया।

दुनिया भर में चुनाव और राजनीतिक उथल-पुथल: कई देशों में जनता ने तख्ता पलटा

नई दिल्ली (एजेंसी)। 2025 का साल दुनिया के कई देशों के लिए राजनीतिक उतार-चढ़ाव और महत्वपूर्ण बदलाव लेकर आया। साल के अंत तक कई देशों में चुनाव संपन्न हो चुके हैं। कुछ देशों में जनता ने लोकतांत्रिक तरीके से सरकार चुनी, जबकि अन्य जगहों पर गंभीर संकट और विरोध-प्रदर्शन के बाद सत्ता में बदलाव हुआ। इस साल वैश्विक राजनीति में कई बार तनावपूर्ण हालात बने, और कुछ देशों में चुनाव के बाद हिंसा भी भड़की। आइए जानते हैं कि 2025 में किन देशों में चुनाव हुए और उनके नतीजों के बाद क्या परिस्थितियां बनीं। तंजानिया में 20 अक्टूबर को आम चुनाव आयोजित हुए, जिसमें सामिया सुलुहु हसन ने दूसरी बार राष्ट्रपति पद संभाला। हालांकि, चुनाव के बाद हिंसा भड़की, जिसमें करीब 700 लोगों की मौत की खबरें आईं। कैमरून में 12 अक्टूबर को चुनाव हुआ, जिसमें मौजूदा राष्ट्रपति पॉल बिया फिर से सत्ता में लौटे।

कनाडा में 28 अप्रैल को संघीय चुनाव संपन्न हुआ। इसमें मार्क कार्नी की लिबरल पार्टी ने जीत हासिल की, और वह फिर से प्रधानमंत्री बने। यह स्थिति उस समय बनी जब जस्टिन ट्रूडो के इस्तीफे के बाद कार्नी प्रधानमंत्री पद की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। ऑस्ट्रेलिया में 3 मई को चुनाव हुआ, जिसमें लेबर पार्टी ने जीत हासिल की और एंथनी अल्बनीज फिर से प्रधानमंत्री बने। जर्मनी में 23 फरवरी को चुनाव संपन्न हुए, जिसमें फेडरिक मर्ज की पार्टी क्रिश्चियन डेमोक्रेटिक यूनियन (सीडीयू) ने 20.8 फीसदी वोटों के साथ जीत हासिल की। बेलारूस में 26 जनवरी को हुए चुनाव में अलेक्जेंडर लुकाशेंको ने लगातार सातवीं बार जीत दर्ज की। उन्हें 86.8 फीसदी वोट मिले, हालांकि चुनाव की निष्पक्षता पर सवाल उठाए गए।

मिस्र में चुनाव दो चरणों में हुए; पहला चरण 10-11 नवंबर और दूसरा 24-25 नवंबर को संपन्न हुआ, लेकिन अभी तक नतीजा घोषित नहीं हुआ है। फिलिपींस में 12 मई को मिडटर्म चुनाव संपन्न हुए, जबकि देश का आम चुनाव 2028 में होगा। अर्जेंटीना में इस साल मिडटर्म चुनाव हुए, जिसमें राष्ट्रपति जावियर मिलेई की पार्टी ला लिबर्टाड अवांजा (एलएलए) ने बड़ी जीत दर्ज की। जापान के निचले सदन में जुलाई में चुनाव हुआ, जिसमें सत्ताधारी पार्टी एलडीपी को हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद शिगेरु इशिबा ने अपने पद से इस्तीफा दिया और एलडीपी से साने ताकाइची को बहुमत के साथ प्रधानमंत्री चुना गया।

नेपाल में जेन जेड के हिंसक प्रदर्शन के बाद केपी ओली की सरकार गिर गई। इसके बाद सुशीला कार्की की अंतरिम सरकार ने जिम्मेदारी संभाली। यहां अगले साल मार्च में आम चुनाव आयोजित होने की संभावना है। अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव 2024 में संपन्न हुआ था, लेकिन इस साल जनवरी में डोनाल्ड ट्रंप ने राष्ट्रपति पद की शपथ ली। बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार के खिलाफ कयास लगाए गए थे कि 2025 में आम चुनाव हो सकता है, लेकिन यहां आम चुनाव फरवरी 2026 में निर्धारित है। साल 2025 ने साबित किया कि दुनिया के कई देशों में लोकतंत्र और सत्ता परिवर्तन अभी भी चुनौतीपूर्ण और तनावपूर्ण परिस्थितियों में होता है। चुनाव के नतीजे कभी शांतिपूर्ण

बदलाव लाते हैं, तो कभी हिंसा और प्रदर्शन को जन्म देते हैं। इस साल के घटनाक्रम ने वैश्विक राजनीति में निरंतर बदलते परिदृश्य और जनता की सक्रिय भूमिका को स्पष्ट रूप से उजागर किया।